ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-225

पहली बार माणिक शाह परेड ग्राउंड में प्रवेश के लिए ई-पास व्यवस्था @ नम्मा बेंगलूरु

नागरिकों की रक्षा के लिए हर कदम उठाएंगे : राष्ट्रपति मुर्मू

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मिसाल बनेगा ऑपरेशन सिंदूर

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक मिसाल के रूप में याद किया जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले को कायरतापूर्ण और पूरी तरह से अमानवीय बताया। उन्होंने आगे कहा कि पहलगाम हमले के प्रति भारत की प्रतिक्रिया, ऑपरेशन सिंदूर, निर्णायक और दृढ़ संकल्प के साथ थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि राष्ट्र की रक्षा के लिए हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नागरिकों की रक्षा के लिए हर कदम उठाएंगे।

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि इस वर्ष, हमें आतंकवाद का दंश झेलना पड़ा। कश्मीर घूमने गए निर्दोष नागरिकों की हत्या, कायरतापूर्ण और नितांत अमानवीय थी। इसका जवाब भारत ने, फौलादी संकल्प के साथ निर्णायक तरीके से दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने यह दिखा दिया कि जब राष्ट्र की सुरक्षा का प्रश्न सामने आता है तब हमारे सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम सिद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, प्रतिरक्षा के क्षेत्र में, आत्मनिर्भर भारत मिशन की परीक्षा का भी अवसर था। अब यह सिद्ध हो गया है कि हम सही रास्ते पर हैं। हमारा स्वदेशी विनिर्माण उस निर्णायक स्तर पर पहुंच गया है जहां हम अपनी बहुत सी सुरक्षा-आवश्यकताओं को पूरा करने में भी आत्मनिर्भर बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं से प्रेरित होकर, हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम ने अभूतपूर्व विस्तार देखा है। मुझे विश्वास है कि शुभांशु शुक्ला की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक की अंतरिक्ष यात्रा ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। यह भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, गगनयान के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। नए आत्मविश्वास से ओतप्रोत, हमारे युवा खेलों में अपनी पहचान बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, शतरंज में अब भारत के युवाओं का पहले से कहीं अधिक दबदबा है। हम ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों की आशा करते हैं जो राष्ट्रीय खेल नीति 2025 में निहित दृष्टिकोण के तहत भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा- देश में शहरीकरण तेज गति से हो रहा है। इसलिए शहरों की स्थिति सुधारने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। शहरी परिवहन के प्रमुख क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए, सरकार ने मेट्रो रेल सुविधाओं का विस्तार किया है। पिछले एक दशक के दौरान मेट्रो रेल-सेवा की सुविधा से युक्त शहरों की संख्या कई गुना बढ़ गई है। शहरों का कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन यानी अमृत ने यह सुनिश्चित किया है कि अधिक से अधिक घरों में नल से पानी की भरोसेमंद आपूर्ति हो और सीवेज कनेक्शन सुविधा उपलब्ध हो। राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए, हमें अपने आप में भी कुछ परिवर्तन करने होंगे। हमें अपनी आदतें और अपनी विश्व-दृष्टि में बदलाव लाना होगा। हमें अपनी धरती, नदियों, पहाड़ों, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के साथ अपने संबंधों में भी परिवर्तन करना होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों से संवर्धित, समग्र आर्थिक विकास के बल पर भारत, 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के मार्ग पर अग्रसर है। मैं समझती हूं कि अमृत काल के इस दौर में, आगे बढ़ते जाने की राष्ट्रीय यात्रा में, सभी देशवासी यथाशक्ति अपना सर्वाधिक योगदान देंगे।

किश्तवाड़ में बादल फटने से 55 की मौत, 250 लापता

मचैल माता की धार्मिक यात्रा के लिए पहुंचे कई लोग बहे, 65 को बचाया

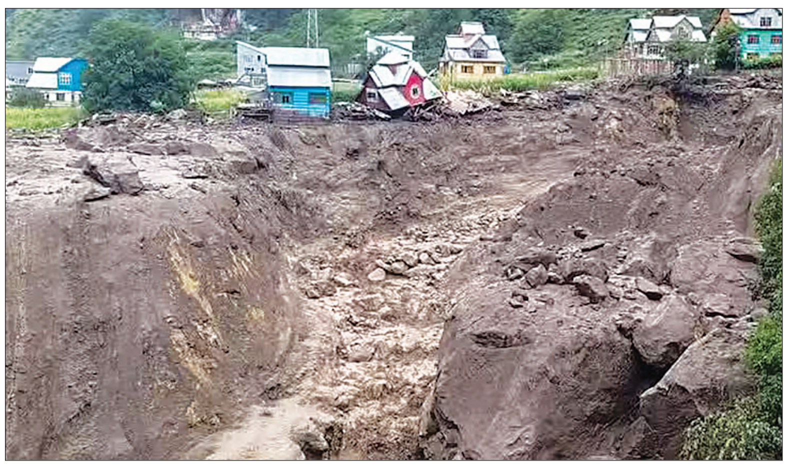

किश्तवाड़, 14 अगस्त (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के चोसिटी गाँव में गुरुवार को हुए भीषण बादल फटने से दो सीआईएसएफ जवानों समेत कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई और 120 से ज़्यादा घायल हो गए। इस घटना के बाद अचानक बाढ़ आ गई और बड़े पैमाने पर तबाही मच गई। 250 से ज़्यादा लोग लापता हैं और बचाव दल जीवित बचे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

यह आपदा हिमालय स्थित माता चंडी मंदिर की मचैल माता यात्रा के मार्ग पर आई, जिससे तीर्थयात्रा मार्ग में अफरा-तफरी मच गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने और बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ। स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। बचाव और राहत अभियान जारी है। ज़रूरतमंदों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उपराज्यपाल ने सभी प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि संकट की इस घड़ी में सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। वायु सेना को भी बचाव कार्य के लिए सतर्क कर दिया गया है। वह लगातार स्थिति पर नज़र रख रहे हैं।सिन्हा ने एक्स पर लिखा कि चशोती में बचाव और राहत अभियान पूरे ज़ोरों पर है। लोग और मशीनें घटनास्थल पर तैनात कर दी गई हैं। अन्य टीमें भी रवाना कर दी गई हैं।

गृह मंत्री अमित शाह जी को विभिन्न एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे बचाव और राहत अभियानों की जानकारी दी गई है। उन्होंने हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा से इस संबंध में बात की है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, “चशोती क्षेत्र में बादल फटने की एक बड़ी घटना हुई है, जिससे भारी जनहानि होने की आशंका है। प्रशासन कार्रवाई में तुरंत जुट गया है और बचाव दल घटनास्थल के लिए रवाना हो गया है।”

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद मंदिर की वार्षिक यात्रा स्थगित कर दी गई है तथा प्राधिकारी सभी बचाव कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने और बड़े पैमाने पर बचाव एवं राहत अभियान के लिए घटनास्थल रवाना हो गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दो दल उधमपुर से किश्तवाड़ भेजे गए हैं। उपायुक्त ने कहा, “इलाके में बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है।” वह स्वयं मौके पर पहुंच रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी की तलहटी में बसी घनी बस्ती में अचानक आई बाढ़ ने कई घरों को प्रभावित किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना में हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया।

भारत ने पाकिस्तान को चेताया

बयानबाजी पर लगाम लगाए नहीं तो मिलेगा कड़ा जवाब

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान के लगातार गीदड़भभकी और नफरत फैलाने वाले बयानों की कड़ी निंदा की है और चेतावनी दी है कि किसी भी तरह के दुस्साहस का नतीजा सख्त और दर्दनाक होगा।

साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान का यह पुराना तरीका है कि वह अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए बार-बार भारत-विरोधी बयानबाजी करता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को सलाह दी जाती है कि वह अपनी बयानबाजी पर संयम रखे, क्योंकि किसी भी दुस्साहस के गंभीर और दर्दनाक परिणाम होंगे, जैसा हाल में देखा गया है। यह प्रतिक्रिया पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के हालिया विवादास्पद बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका दौरे के दौरान कहा था कि पाकिस्तान, भारत को सिंधु नदी को रोकने की अनुमति कभी नहीं देगा और इसके जल अधिकारों की रक्षा के लिए किसी भी बांध को नष्ट करने से भी पीछे नहीं हटेगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, फ्लोरिडा के टाम्पा में पाकिस्तानी-अमेरिकी समुदाय के एक कार्यक्रम में मुनीर ने कहा, हम इंतजार करेंगे कि भारत बांध बनाए और फिर उसे ध्वस्त कर देंगे... सिंधु नदी भारत की निजी संपत्ति नहीं है।

भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह परमाणु धमकियों के आगे नहीं झुकेगा। इससे पहले भी जायसवाल ने मुनीर के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, परमाणु हथियारों की धमकी देना पाकिस्तान की आदत है। ऐसे बयान न केवल उनकी गैर-जिम्मेदारी को दर्शाते हैं, बल्कि एक ऐसे देश में परमाणु कमांड और नियंत्रण की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाते हैं, जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है।

विदेश मंत्रालय ने यह भी खेद जताया कि ये बयान एक मित्र तीसरे देश की धरती से दिए गए। मंत्रालय ने दोहराया कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाता रहेगा। इससे पहले अप्रैल में भी भारत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा कश्मीर को इस्लामाबाद की शिरा (जुगुलर वेन) बताने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। जायसवाल ने कहा था, देखिए, जो चीज़ उनकी नहीं है, ▶10पर

एससी ने चुनाव आयोग से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का कारण सहित ब्यौरा मांगा

आधार के साथ लोग पेश कर सकते हैं दावा

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के सामने अपनी दलीलें रखीं। चुनाव आयोग ने दलीलों की शुरुआत करते हुए कोर्ट से कहा कि उसके पास कुछ निर्णय लेने के लिए पर्याप्त शक्ति है। इस दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जिला स्तर पर मृत, पलायन कर चुके या स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं की सूची साझा करने पर सहमति जताई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से 19 अगस्त तक मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं की पहचान का खुलासा करने को कहा। कोर्ट ने 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट मांगी।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण, कारण सहित प्रकाशित करे। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह हटाए गए मतदाताओं की सूची का कारण सहित अखबारों, रेडियो और टीवी मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार करे। बिहार में ड्राफ्ट मतदाता सूची से नाम हटाए जाने से पीड़ित लोग आधार कार्ड के साथ दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी के साथ कोर्ट ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि राजनीतिक नफरत के माहौल में काम करते हुए शायद ही कोई ऐसा निर्णय हो, जिस पर विवाद न हो। हम राजनीतिक दलों के बीच संघर्ष में फंसे हुए हैं। अगर वे जीतते हैं तो ईवीएम अच्छी है। अगर वे हारते हैं तो ईवीएम खराब है। बिहार में एसआईआर पर चुनाव आयोग ने कहा कि एक अनुमान के अनुसार, बिहार में लगभग 6.5 करोड़ लोगों को एसआईआर के लिए कोई दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा, 'आप उन लोगों के नाम क्यों नहीं बता सकते, जो मर गए हैं या पलायन कर गए हैं या दूसरे निर्वाचन क्षेत्रों में चले गए हैं?' कोर्ट ने यह भी कहा कि आप इन नामों को डिस्प्ले बोर्ड या ▶10पर

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मुद्दे पर गुरुवार को सुनवाई की। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की स्पेशल बेंच ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है।सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि यहां कई ऐसे मांसाहारी लोग हैं, जो खुद को पशु प्रेमी बताते हैं। वहीं, कपिल सिब्बल ने कहा कि मामले का समाधान हो। दिल्ली- एनसीआर से कुत्तों को इकट्ठा कर ऐसे शेल्टर होम भेजें, जो अभी हैं ही नहीं। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने 11 अगस्त को मामले में फैसला सुनाया था, जिसका बड़े स्तर पर विरोध हो रहा है। बुधवार को चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि कॉन्फ्रेंस ऑफ ह्यूमन राइट्स (इंडिया) एनजीओ की याचिका पर कहा था कि वह खुद इस मामले पर गौर करेंगे। मामला ▶10पर

सराफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,03,020/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,18,320/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 27^0
न्यूनतम : 23^0

देश को एकजुट रखने वाले सद्भाव को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है: प्रधानमंत्री मोदी

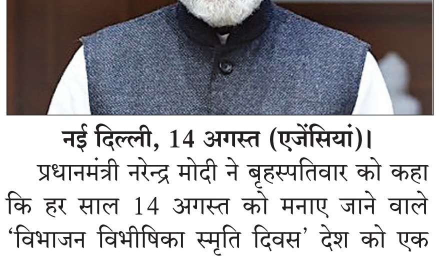

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि हर साल 14 अगस्त को मनाए जाने वाले 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' देश को एक सूत्र में पिरोने वाले सद्भाव के बंधन को मजबूत करने की लोगों की जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

मोदी ने लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर करने वाली अकथनीय पीड़ा का जिक्र करते हुए कहा कि यह दिन भारत को उस उथल-पुथल एवं दर्द की याद दिलाता है जो देश के इतिहास के उस दुखद अध्याय के दौरान अनगिनत लोगों ने झेला था। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, “यह उनके साहस का सम्मान करने का भी दिन है... (यह) अकल्पनीय क्षति झेलने और फिर भी नए सिरे से शुरुआत करने की ताकत हासिल करने की उनकी क्षमता का (सम्मान है)। ▶10पर

विभाजन के दर्द को कभी भुला नहीं सकेगा देश : अमित शाह

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश विभाजन के इतिहास और दर्द को कभी भुला नहीं सकेगा। श्री शाह ने गुरुवार को यहां विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विभाजन की विभीषिका में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की।केन्द्रीय गृह मंत्री ने बाद में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, देश के विभाजन और उसकी त्रासदी ▶10पर

86 गैलेंट्री अवॉर्ड का ऐलान

ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों को तबाह करने वाले 9 फाइटर पायलट-अफसर को वीर चक्र

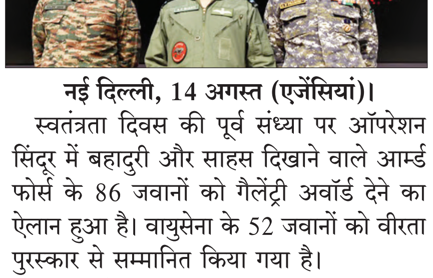

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ऑपरेशन सिंदूर में बहादुरी और साहस दिखाने वाले आर्म्ड फोर्स के 86 जवानों को गैलेंट्री अवॉर्ड देने का ऐलान हुआ है। वायुसेना के 52 जवानों को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

एयरफोर्स के 9 ऑफिसर को वीर चक्र दिया गया है। इनमें ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने वाले फाइटर पायलट भी शामिल हैं। परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद यह तीसरा सबसे बड़ा पुरस्कार है।

सरकार ने आर्म्ड फोर्स के 7 ऑफिसर को सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक दिया है। इनमें एयरफोर्स के 3, आर्मी के 2 और नेवी के एक ऑफिसर हैं। इससे पहले ये पदक कारगिल युद्ध के समय दिए गए थे। इंडियन आर्मी के 18 जवानों को वीरता मेडल से सम्मानित किया गया है। भारतीय सेना के अधिकारी ने बताया कि 2 सीनियर इंडियन आर्मी ऑफिसर को सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

वहीं 4 कीर्ति चक्र, 4 वीर चक्र और 8 शौर्य चक्र दिए गए हैं। सीमा सुरक्षा बल के 16 जवानों को गैलेंट्री मेडल दिया गया है। बीएसएफ देश की पहली सुरक्षा लाइन है, जो 2290 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा और पश्चिमी इलाके में लाइन ऑफ कंट्रोल की निगरानी और रक्षा करती है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

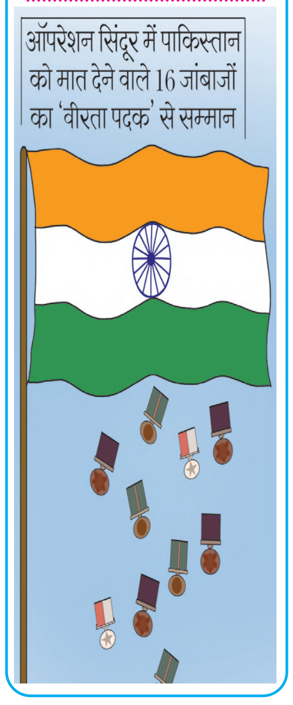
ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मात देने वाले 16 जांबाजों का 'वीरता पदक' से सम्मान

सभी के लिए अच्छा बोलने की डाले आदत: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि बोली बहुत अनमोल होती है। इसलिए सभी के साथ अच्छा बोलो। अगर अच्छा बोलोगे तो तुम्हारे साथ भी अच्छा ही होगा। बुरा बोलोगे तो बुरा ही सुनने को मिलेगा। बोलने से पहले तौल लेना चाहिए। बोलने के बाद तौलने का कोई मतलब नहीं निकलेगा। वर्तमान में मनुष्य के बोलने की वजह से ही सभी रिश्ते नाते टूट रहे हैं। मनुष्य को कहां पर क्या बोलना है वो पता ही नहीं होता है। संसार की सभी समस्या भाषा के विवेक पर ही निर्भर करती है। उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य को जितना अनुभव होगा वह उतना गंभीर रहेगा। जहां जरूरी हो वहीं बोलना चाहिए। मनुष्य की उम्र घटती है, लेकिन पाप नहीं घट रहा है। लालच बढ़ता है, लेकिन घट नहीं रहा है। मनुष्य की इच्छा हमेशा बढ़ती है। जो घटनी चाहिए वो बढ़ती है और जो बढ़नी चाहिए वो घटती है। समय के हिसाब से मनुष्य का चेहरा बदल जाता है। व्यक्ति जवान से बूढ़ा हो जाता है। एक समय ऐसा भी आता है जब मनुष्य सोचता है कि अब बस अब भगवान बुला लें। ऐसा समय भी आता है जब मनुष्य का शरीर बिलकुल साथ नहीं देता है। पास में पानी होता है लेकिन लेकर पी नहीं पाता है। इसलिए कहते हैं कर्म किसी को नहीं छोड़ता है। मनुष्य की तो बात अलग है कर्म भगवान को भी नहीं छोड़ते है। महावीर भगवान को भी कर्म ने नहीं छोड़ा था। बुरे कर्मों का उदय जब होता है तो रोने से भी छुटकारा नहीं मिलता है। जब शरीर काम करता है तो लोग अकड़ में ही रहते हैं। लेकिन बुढ़ापा आने के बाद सभी अकड़ अपने आप ही खत्म हो जाता हैं। मनुष्य का स्वभाव अलग अलग होता है। पति पत्नी का स्वभाव भी एक जैसा नहीं होता है। जब तक शरीर साथ दे तो अच्छा बोल कर अच्छा करके, धर्म कार्य करके अपने बुढ़ापे को सुधार लेना चाहिए। गुरुदेव ने कहा कि ब्राह्मण, आग, यम, राजा समेत सात लोगों की लालसा कभी नहीं मिटती है। इनको जितना मिले उतना ही कम होता है। जब तक मनुष्य अपने मन को नहीं समझाएगा तब तक और चाहिए और चाहिए कि भावना दूर नहीं होगी। मनुष्य सोचे और काम हो जाए ऐसा नहीं है। अच्छे कर्म हैं और कभी अच्छा किया है तो ही वापस मिल सकता हैं। याद रखें आपको वही वापस मिलेगा जो आप आज दे रहें है। अब वह बोली हो, भोजन हो, दुख हो, सुख हो, दर्द हो या कुछ भी हो। इसलिए अगर अच्छा चाहिए तो पुण्य करो। गुरुदेव ने बताया कि रविवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर गुणगान किया जाएगा। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को दोपहर के प्रवचन में पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी के संस्मरण एवं प्रेरणा से संग्रहित जिस पुस्तक का प्रकाशन हुआ है, का विमोचन किया जाएगा।

शक्ति एवं शांति की ओर प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित एवं राजराजेश्वरी नगर महिला मंडल द्वारा आयोजित शक्ति एवं शांति की ओर प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन साध्वी श्री पुण्ययशा जी के सानिध्य में किया गया। जिसका विषय आओ नींद को अपनी ताकत बनाएं था। मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत करते हुए अपने भाव रखें। साध्वी बोधि प्रभाजी ने कहा ध्यान, शांति से जीवन जीने की प्रशस्त शैली है। ध्यान अपने अंदर की शक्ति को उजागर करता है। रोजाना ध्यान का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। प्रेक्षा प्रशिक्षिका वीणा बैद ने नींद के रहस्य के वैज्ञानिक कारण बताएं। सेरोटोनिन एवं मेलाटोनिन को डिवाइन हार्मोन हीलर बतलाया। इनके निर्माण की प्रक्रिया को समझाया, जिससे नींद की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है।

अच्छी नींद के लिए कौन से आहार सहयोगी एवं महत्वपूर्ण है बताएं। बेहतर नींद के लिए बहुत से प्रयोग बताएं। नाइट लाइट के रंगों के चुनाव के बारे में समझाया। साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि नींद को अपनी ताकत बनाने के लिए अवचेतन मन को प्रशिक्षित कर हम सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। सोने से पूर्व शांति और मैत्री की बहुत ही सुंदर शब्दावली का प्रयोग बतलाया। विशुद्धि केंद्र पर ध्वनि के प्रयोग बताएं, जिससे नींद की गुणवत्ता बढ़ती है एवं व्यवस्थित होती है। मंत्री वंदना भंसाली का कार्यशाला में पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यशाला का सुंदर संचालन सह मंत्री पूनम दक ने किया। साध्वीश्रीजी जी के मंगल पाठ से कार्यशाला संपन्न हुई।

परिग्रह पर आसक्ति पाप: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा परिग्रह पाप नहीं है।

गृहस्थ के लिए परिग्रह आवश्यक माना गया है। परिग्रह पर आसक्ति पाप है। परिग्रह पर आसक्ति से कई पाप श्रृंखलाएं जुड़ी होती है। भरत एक चक्रवर्ती होते भी अपरिग्रही कहे गए क्योंकि मूर्च्छा भाव से मुक्त थे और मात्र कर्तव्य निर्वाहन कर रहे थे। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि गुरु भगवंत श्रेष्ठ अतिथि होते हैं। प्रत्येक अतिथि के लिए हम भोजन करते वक्त आमंत्रण, मनुहार और अतिथि को धन्यवाद देने के भाव रखें। भावना भाते वक्त विवेक भी जरूरी है। भोजन का श्रेष्ठ आसान पालथी लगाकर बैठना है। ऐसा भोजन भोगी योगी तक बना सकता है। अपने घरों में हम स्नान, श्रृंगार , शयन, रसोई, भोजन कक्ष रखते हैं तो धर्म आराधना कक्ष भी रखना चाहिए। धर्म से घर में अमन रहता है और सभी ग्रह अनुकूल हो सकते हैं। होम थिएटर की संस्कृति से चारित्र की रक्षा मुश्किल है। प्रवचन सभा में संतोष बाई रातडिया मुथा के 20 उपवास के प्रत्याख्यान लेने पर संघ की ओर से अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सम्मान किया।

संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि अगले प्रवचनों में क्रमशः स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, तप अभिनंदन समारोह मनाए जाएंगे। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

गुणों का संसार असीम है, गुण कितने भी ग्रहण करो कम है :साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में आयोजित 'मेरी भावना प्रवचन श्रृंखला' के पाँचवें पद की व्याख्या करते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा कि 'मेरी भावना' के छठे पद में प्रमोद भावना का उल्लेख है, जिसका अर्थ है गुणीजनों के दर्शन मात्र से मन में प्रसन्नता और प्रफुल्लता का संचार होना। उन्होंने कहा कि आत्मा की प्रगति और विकास तभी संभव है जब हमारे जीवन में गुण-दृष्टि हो और दोष-दृष्टि न हो। जीवन में जितने भी गुण अपनाओ, वे हमेशा कम ही होंगे। गुणों का भंडार जितना भी बढ़े, वह कभी पूरा नहीं होता। जीवन में गुण जितने भी ग्रहण किए जाएं, वे कम ही लगते हैं, क्योंकि गुणों का संसार असीम है।

गुण-दृष्टि के तीन मुख्य सूत्र हैं, गुणी के प्रति प्रेम भाव रखना, गुणों की प्रशंसा करना और उन गुणों को अपने जीवन में ग्रहण करना। जिनकी दृष्टि गुणों पर होती है, वे दोष में भी गुण देख लेते हैं और जिनकी दृष्टि दोषों पर होती है, वे गुण में भी दोष खोज लेते हैं। जब तक इस शरीर में प्राण हैं, हमें अंतिम सांस तक गुणों को ग्रहण करने का प्रयास करते रहना चाहिए, क्योंकि जीवन में गुण ग्रहण कभी पर्याप्त नहीं होते। साध्वी नंदिनी जी ने सेवा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जहां सेवा भाव नहीं होता, वहां सुख और आनंद की प्राप्ति संभव नहीं है। हमारा पहला कर्तव्य अपने जीवन को सेवा में लगाना है। उन्होंने विशेष रूप से माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि यदि हम उन्हें धर्म से जोड़ते हैं तो उनके ऋण से मुक्त हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि तीन प्रकार की सेवा सदैव करनी चाहिए, पहली माता-पिता की सेवा, दूसरी गुरु की सेवा और तीसरी उपकारी की सेवा। माँ बाप, गुरु और उपकार करने वालों के उपकार कभी नहीं भूलने चाहिए और उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। यदि हमारी दृष्टि गुण-दृष्टि होगी और जीवन में दूसरों के प्रति सेवा भाव रहेगा, तो निश्चय ही जीवन आनंदमय बनेगा। सभा में साध्वी ऋषिता ने भावपूर्ण स्तवन प्रस्तुत किया, साध्वी उपासना ने वीरांगना रानी सोहन की रोचक श्रृंखला को आगे बढ़ाया तथा साध्वी निर्मला ने मांगलिक प्रदान किया। इस अवसर पर दिल्ली से पधारे कुणाल जैन और राधिका जैन का संघ की ओर से बहुमान किया गया। 15 अगस्त, स्वंत्रता दिवस पर विशेष प्रवचन और प्रभावना संघ की ओर से रहेगी। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

भारत एक महान देश है, जिसकी संस्कृति परंपराएं और विरासत अद्वितीय: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि 15 अगस्त स्वतंत्रता की वर्षगांठ है। आजाद भारत हिंदुस्तान में पैदा होने वाले भारतीयों को इस बात का अंदाजा होना चाहिए कि यह स्वतंत्रता हमें पुरस्कार में नहीं मिली है।

इसके लिए असंख्य लोगों ने अपना बलिदान दिया है। इसके लिए हमें उनका हृदय से कृतज्ञ होना चाहिए। अब यह हमारा कर्तव्य है कि इस देश की स्वतंत्रता को बनाए रखें भारत केवल मिट्टी पानी और नदी पर्वत का नाम नहीं है। जंगल मैदान समुद्र और नदिया तो जड़ पदार्थ है इसके बाद भी वह एक शक्ति है, ईश्वरत्व है। इसकी धूल हवा इसके पर्वतों से बहती नदियों का जल यहां के लोगों की मीठी बोली यहां का मधुर संगीत यहां की वेशभूषा देखते हैं सुनते हैं तो आनंद की एक अजीब अनुभूति और खुशी होती है। ऐसा लगता है कि इस देश में जन्म लेकर हमने जीते जी जीवन के सब सुख पा लिए हो। हम जैसा खुश किस्मत सौभाग्यशाली दूसरा कोई नहीं है। इसकी सभ्यता संस्कृति शानबान हमारे दिल को छू लेती है। हमने भारत माता कि सहनशीलता से क्षमा की प्रेरणा ली है। हमारे शरीर की रग रग में रक्त के प्रत्येक कण में इसी मातृभूमि की नदियों का रस बह रहा है। इसके खेतों के अनाज से हमारा शरीर बलवान हुआ है। यह हमारी जन्म दायिनी मां है सपुत वह कहलाते हैं जो अपने माता-पिता के काम आते हैं। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि यह दिन भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसने देश को एक नए युग में प्रवेश कराया। भारत एक महान देश है, जिसकी संस्कृति, परंपराएं और विरासत अद्वितीय है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि 16 अगस्त को राज राजेश्वरी मां भगवती महालक्ष्मी श्रीयंत्र महा-पूजन का आयोजन श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ द्वारा रेणुका मंदिर में आयोजित किया गया है। सभी को पधारने का आह्वान किया। श्री महालक्ष्मी महाअनुष्ठान में लाभ लेने वाले लाभार्थी मुख्य पीठीका के लाभार्थी संघवी अनिल कुमार घेवरचंद, श्री महालक्ष्मीजी की प्रतिमा के लाभार्थी वरदीचंद, मांगीलाल परिवार, श्रीयंत्र के लाभार्थी मोहनलाल, रतनचंद, श्री लक्ष्मी पूजन सामग्री के लाभार्थी मोहन डायमंड, माँ की चुनरी के लाभार्थी महावीरकुमार वगतावरमल संचेती, चंद्रपुरी नगरी के लाभार्थी भंवरलाल पेराजमल, राजा भरतचक्रवती, भोजन मंडप के लाभार्थी श्री राजेंद्र गारमेंट्स, साधर्मिक भक्ति के लाभार्थी संघवी महावीरकुमार, घेवरचंद, मेंहदी सांजी और भक्ति के लाभार्थी संघवी सुरेश कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार, मुबंई से संगीतकार महेंद्र जैन भक्ति की धूम मचाएंगे।

ज्ञान और क्रिया के साथ की गई आराधना सफल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें अपनी धार्मिक क्रिया में स्थिरता का गुण लाना है। प्रभु की भक्ति करते समय हमें प्रभु के गुणों का ध्यान करते हुए हमें स्थिर होना है। स्थिरता लाकर हमे प्रभु में एकाकार हो जाना है। ब्रह्मचारी और तपस्वी बनना तो आसान है लेकिन उसके बाद मन में आने वाले अहंकार को रोकना मुश्किल है। उस समय हमारी स्थिरता टूट जाती है। ज्ञान और क्रिया के साथ हमें आराधना करनी चाहिए। सिर्फ ज्ञान अथवा सिर्फ क्रिया से हमारी आराधना सफल नहीं होती है। हमें शुद्ध आराधना करनी है। हमें स्थिरता से मग्नता और मग्नता से पूर्णता की और बढ़ाना है। गुरुवर्या जी के दर्शन वंदन हेतु हैदराबाद से विक्रम दड्ढा के नेतृत्व में ज्ञान वाटिका के बच्चे आए और दर्शन वंदन का लाभ लिया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, ज्ञान वाटिका के राष्ट्रीय चेयरमैन विजयराज डोसी के साथ बसवनगुडी ज्ञान वाटिका की अध्यापिकाएं भी उपस्थित थीं।

मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष में एक विशेष वक्तव्य का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीता देवी रतन चंद नाहर आदर्श कॉलेज में मुंशी प्रेमचंद जयंती के उपलक्ष में एक विशेष वक्तव्य का आयोजन किया गया। अतिथि वक्ता के रूप में बिशप कॉटन वुमेन कॉलेज के प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार आमंत्रित थे।

जिन्होंने 'प्रेमचंद की साहित्य की समकालीनता 'पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने देश के इतिहास को साहित्य से जोड़ते हुए साहित्य की आवश्यकता विद्यार्थी जीवन में किस प्रकार महत्वपूर्ण है, पर अपने विचार प्रेमचंद की एक कहानी 'सवा सेर गेहूं' के माध्यम से विद्यार्थियों के समक्ष रखें। साथ ही एक आदर्श व्यक्ति बनने में साहित्य की क्या भूमिका है उसे छात्रों को अवगत कराते हुए शिक्षा के महत्व को बताया। इस कार्यक्रम में स्नातक के बीबीए, बी कॉम, बीसीए के सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में आदर्श महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की डॉ. ज्योत्स्ना आर्य सोनी व सुनैना कुमारी साहु ने भी अपनी सक्रिय भूमिका अदा की।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तहत प्रदर्शनी का आयोजन

SOUTH WESTERN RAILWAY

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हर साल 14 अगस्त को पूरे देश में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन की परिकल्पना उन लाखों लोगों की पीड़ा, तकलीफ और दर्द को उजागर करने के लिए की गई है जो विभाजन के पीड़ित थे। यह देश को पिछली शताब्दी में मानव जनसंख्या के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान भी गई थी। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने गुरुवार को केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन परिसर में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में उन लाखों लोगों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने भारत के दुखद विभाजन के दौरान कष्ट सहे और अपनी जान गंवाई। इस अवसर पर देशभक्ति गीतों पर आधारित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाद में, एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी में विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेली गई अपार कठिनाइयों और भयावहता को दर्शाया गया, जो उस अवधि के दौरान राष्ट्र के सामूहिक दर्द और लचीलेपन की एक मार्मिक याद दिलाती है। इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी वेंकटेश नाइक, मंडल परिचालन प्रबंधक रंगनाथ रेड्डी, अन्य रेल अधिकारियों, कर्मचारियों और यात्रियों ने भाग लिया। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें सामाजिक विभाजन और वैमनस्य के जहर को दूर करने और एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की भावना को और मजबूत करने की आवश्यकता की याद दिलाता है। यशवंतपुर, एसएमवीटी बेंगलूरु, व्हाइटफील्ड, तुमकुरु, केंगेरी, बांगरपेट, मांड्या, कुनिगल, श्रवण बेलगोला, येलहंका, हिंदूपुर, होसूर और धर्मपुरी स्टेशनों पर भी फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

पहली बार माणिक शाह परेड ग्राउंड में प्रवेश के लिए ई-पास व्यवस्था

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के माणिक शाह परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए पुलिस सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। यह जानकारी शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने दी। एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि इस अवसर पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि ग्राउंड के आसपास सभी कार्यक्रमों की उचित निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे, बैगेज स्कैनर, डीएफएमडी और एचएचएमडी लगाए गए हैं। एहतियात के तौर पर, ग्राउंड की सुरक्षा के लिए पिछले 15 दिनों से पुलिस को निगरानी ड्यूटी पर तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि शहर के सभी होटलों, लॉज, विश्राम गृहों और अन्य संदिग्ध स्थानों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। 15 अगस्त को समारोह में शामिल होने के लिए आने वाले लोगों को सुबह 8.30 बजे तक ग्राउंड में प्रवेश कर लेना चाहिए। हरे पास वाले लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मणिपाल सेंटर की ओर से कब्बन रोड होते हुए गेट नंबर 5 पर पहुँचें।

यदि कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति मिले, तो तुरंत वर्दीधारी पुलिस को सूचित करें। आयुक्त ने समारोह में आने वाले लोगों से गेट पर सुरक्षा जांच से गुजरने और पुलिस के साथ सहयोग करने की अपील की है। आयुक्त ने बताया कि सिगरेट, माचिस, पर्चे, रंगीन तरल पदार्थ, वीडियो और स्टील के कैमरे, पानी की बोतलें, हथियार, धारदार हथियार, चाकू, काले रूमाल, नमकीन, शराब की बोतलें, नशीले पदार्थ, पटाखे और विस्फोटक सहित किसी भी वस्तु को परिसर में ले जाना प्रतिबंधित है।

पुलिस विभाग ने शहर के फील्ड मार्शल माणिक शाह परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय 79वें स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए पहली बार ई-पास व्यवस्था उपलब्ध कराई है। कार्यक्रम देखने के इच्छुक लोग सेवा सिंधु वेबसाइट से ई-पास प्राप्त कर सकते हैं।

ई-पास प्राप्त करने के लिए, आपको सेवा सिंधु वेबसाइट पर अपना आधार कार्ड विवरण दर्ज करके पंजीकरण करना होगा और वेबसाइट पर लॉग इन करके अपना मोबाइल नंबर दर्ज करने के बाद, आने वाले ओटीपी को दर्ज करके ई-पास डाउनलोड कर सकते हैं। ई-पास केवल 15 अगस्त को मान्य है।

आपको उस दिन सुबह 8.15 बजे से पहले गेट नंबर 4 के पास परिसर में प्रवेश करना होगा। प्रत्येक ई-पास से केवल एक व्यक्ति को ही प्रवेश की अनुमति है।

कार्यक्रम के दौरान ई-पास की एक मुद्रित प्रति या डिजिटल प्रति उपलब्ध रहेगी। (मोबाइल) प्रति अनिवार्य है।

छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए ई-पास आवश्यक नहीं है। ई-पास हस्तांतरणीय नहीं है। चूँकि ई-पास की कुल संख्या सीमित है, 3,000, पहले आने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी। मूल पहचान पत्र अनिवार्य है। ई-पास वालों को पार्किंग की सुविधा नहीं दी जाएगी।

पुलिस आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि पार्किंग व्यवस्था की जिम्मेदारी पास धारक की होगी।

धर्मस्थल सामूहिक दफनाने के मामले में नया गवाह सामने आया, महत्वपूर्ण सबूत का दावा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल सामूहिक दफनाने के मामले में एक नए शिकायतकर्ता पुरंदर गौड़ा के सामने आने से एक नया मोड़ आ गया है, जिससे विशेष जाँच दल (एसआईटी) के तलाशी अभियान में सफलता की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इससे पहले, मामले में शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि 13वें चिन्हित स्थल पर कई शव दफनाए गए थे, जिसके कारण उस क्षेत्र में दो दिनों तक खुदाई की गई। हालाँकि, कोई सबूत नहीं मिला। अब, तलाशी के 15वें दिन, अगले स्थान को लेकर उत्सुकता बनी हुई है जहाँ खुदाई की जाएगी। बुधवार को, 13वें स्थल के दूसरे स्थान पर भी खुदाई की गई, जो 32 फीट गहराई और 13 फीट चौड़ाई तक पहुँच गई, लेकिन फिर भी कोई अवशेष बरामद नहीं हुआ। एक नए घटनाक्रम में, दो गवाह – तुकाराम गौड़ा और पुरंदर गौड़ा – सामने आए हैं, और दावा किया है कि उन्होंने भी उस स्थल पर शव दफनाते हुए देखे थे। दोनों ने एसआईटी में शिकायत दर्ज कराई है और कहा है कि अगर टीम मामले की जाँच करती है तो वे गवाही देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नेत्रावती नदी के किनारे दफनाए गए शवों से जुड़े एक अन्य मामले में एक सरकारी अधिकारी शामिल था और वे इस जानकारी को एसआईटी के साथ साझा करने की योजना बना रहे हैं। पुरंदर गौड़ा ने आगे दावा किया कि उन्होंने खुद शाम 4 बजे से 5 बजे के बीच एक एम्बेसडर कार की डिक्की से शवों को निकालकर गुप्त रूप से दफनाते हुए देखा था। जब उनसे पूछा गया कि वे अब तक चुप क्यों रहे, तो पुरंदर गौड़ा ने बताया कि डर के कारण वे खुलकर नहीं बोल पा रहे थे। हालाँकि, मुख्यमंत्री द्वारा एसआईटी के गठन के बाद, उनमें आगे आने का साहस जुटा है। उन्होंने सुझाव दिया कि पहले वाली जगह पर कोई अवशेष न मिलने का कारण पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्र के विकास के साथ-साथ भारी बारिश, बाढ़ और बांध निर्माण कार्य के कारण हुए बदलाव हो सकते हैं।

दिसंबर तक 2 लाख स्वीकृत व्यक्तियों को राशन वितरित करने का लक्ष्य: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि हमने दिसंबर तक 2 लाख स्वीकृत व्यक्तियों को राशन वितरित करने का लक्ष्य रखा है। एमटीबी नागराज के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि पहले राशन वितरण में कुछ तकनीकी कारण थे।

अब हमने सभी दस्तावेज ठीक कर लिए हैं और अंततः हमारा लक्ष्य 2 लाख राशन वितरित करना है। 2013-18 में 5800 राशन वितरित किए गए, 2018-2023 तक 8500 राशन वितरित किए गए।

विभागीय अधिकारियों के साथ बैठकें और दस्तावेजों में संशोधन सहित कई कदम उठाने के परिणामस्वरूप हम एक निश्चित मुकाम पर पहुँचे हैं। उन्होंने कहा कि पहले राशन केवल निजी व्यक्तियों को ही दिया जाता था। पहले केवल आवेदन करने वालों को ही राशन वितरित करने की व्यवस्था थी। जो आवेदन कर पाते थे उन्हें राशन दिया जाता था। जो आवेदन नहीं कर पाते थे उन्हें राशन नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब से आवेदन जमा करने पर ही सब्सिडी देने का निर्णय लिया है। 73,390 सरकारी भूमि को सब्सिडी प्रदान की गई है। हम आँकड़े एकत्र कर रहे हैं और उन्हें चरणों में वितरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले 1,17,000 सब्सिडी प्रदान की गई थी। 1,33,000 लंबित हैं। सदस्य हेमलता नायक के एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने स्पष्ट किया कि कानून में खेती प्रमाण पत्र प्राप्त करने का कोई प्रावधान नहीं है। पहले खेती प्रमाण पत्र विभिन्न कारणों से दिए जाते थे। जाने-अनजाने में, वे खेती प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेते थे। वास्तव में, उन्होंने दोहराया कि खेती प्रमाण पत्र प्राप्त करने का कोई प्रावधान ही नहीं है। उन्होंने कहा कि जिनके पास खेती प्रमाण पत्र है, लेकिन आरटीसी नंबर नहीं है, उन्हें भी दिसंबर तक वितरित कर दिया जाएगा।

कानून-व्यवस्था के मामले में कर्नाटक अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने बताया कि नागरिक समाज पर सांप्रदायिक घृणास्पद भाषणों के प्रतिकूल प्रभाव को रोकने के लिए जल्द ही घृणास्पद भाषण नियंत्रण अधिनियम लागू किया जाएगा।

प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान भाजपा के किशोर के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि कई उदाहरणों से यह साबित हुआ है कि कुछ मामलों में घृणास्पद भाषणों के कारण आपदाएँ उत्पन्न हुई हैं। इसलिए, उन्होंने तर्क दिया कि घृणास्पद भाषणों पर अंकुश लगाने के लिए यह कानून आवश्यक है। घृणास्पद भाषण, सोशल मीडिया, भड़काऊ लेख, फर्जी खबरें फैलाने वालों और समाज का माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपील की कि किसी को भी अनावश्यक रूप से उकसाया न जाए। हाल ही में मेंगलूरु, उडुपी और शिवमोग्गा में कुछ अप्रिय घटनाओं के बाद नक्सल दमन दस्ते की तर्ज पर एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह बल सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वालों पर विशेष नजर रखेगा और कानूनी कार्रवाई करेगा। इस बल की शुरुआत 11.06.2025 को हुई थी। हम उन्हें गश्त, खुफिया विभाग द्वारा दी गई सूचनाओं की निगरानी और असामाजिक ताकतों पर नजर रखने सहित कानूनी कार्रवाई करने के लिए विशेष प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बल का उद्देश्य समाज में शांति स्थापित करना है और इसका उपयोग किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा। तटीय और शिवमोग्गा क्षेत्रों में बार-बार हो रही अप्रिय घटनाओं के कारण इन बलों का गठन आवश्यक था। जब मैं घोषणापत्र समिति का अध्यक्ष था, तब मैंने मेंगलूरु का दौरा किया था। वहाँ मैंने विभिन्न क्षेत्रों में सेवा दे चुके व्यापारियों और उद्योगपतियों से मुलाकात और बातचीत की थी। उस समय उन्होंने राज्य के तटीय क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की थी। उसी के अनुरूप यहाँ कुछ साहसिक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति दिन-प्रतिदिन सुधरेगी। हाल ही में राज्य में 10,200 करोड़ रुपये के निवेश के लिए एक समझौता हुआ है। अगर हमारे राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होती, तो क्या कोई यहाँ निवेश करने आता? कानून-व्यवस्था के मामले में कर्नाटक अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। पिछली सरकारों की तुलना में स्थिति बेहतर है। उन्होंने कहा कि वह दस्तावेजों के साथ यह ब्यौरा देंगे कि किस सरकार के कार्यकाल में कितनी घटनाएं हुई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द की

हाईकोर्ट के आदेश को त्रुटिपूर्ण बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभिनेता दर्शन को बड़ा झटका देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दी गई जमानत को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह आदेश त्रुटिपूर्ण और तकनीकी आधार पर आधारित था। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि कोई भी आरोपी, चाहे उसकी स्थिति कुछ भी हो, कानून से ऊपर नहीं है और कानून के शासन को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि आरोपी को 'पाँच सितारा सुविधा' दी गई थी और कहा कि जेल अधीक्षक को निलंबित किया जाना चाहिए था। फैसले को 'ऐतिहासिक फैसला' बताते हुए, पीठ ने दोहराया कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है। दर्शन को पिछले साल 11 जून को गिरफ्तार किया गया था और पीठ दर्द का हवाला देकर अस्थायी रिहाई मिलने से पहले वे चार महीने से ज्यादा समय तक जेल में रहे। दिसंबर में उन्हें पूरी जमानत मिल गई, इस फैसले को कर्नाटक सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान, सर्वोच्च न्यायालय ने जमानत देने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा बताए गए कारणों पर नाराजगी जताई। अब जमानत रद्द होने के कारण दर्शन के जेल वापस जाने की संभावना है, जिससे उनके अभिनय करियर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

बीएमटीसी ने बेंगलूरु हवाई अड्डे पर इलेक्ट्रिक वायु वज्र बसें शुरू कीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) ने ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल के तहत 320 पूरी तरह से इलेक्ट्रिक वातानुकूलित बसें लॉन्च की हैं, जो केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और शहर के अन्य हिस्सों में जाने वाले यात्रियों की जरूरतों को पूरा करेंगी।

नए बेड़े में वज्र शहर सेवाओं के लिए 235 बसें और वायु वज्र हवाई अड्डे की सेवाओं के लिए 85 बसें शामिल हैं। पहले चरण में, 14 अगस्त से 10 इलेक्ट्रिक वायु वज्र बसें तैनात की जाएँगी, जो बेंगलूरु के विभिन्न हिस्सों को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ने वाले 11 मार्गों पर चलेंगी।

गुरुवार को परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बेंगलूरु हवाई अड्डे पर एयरपोर्ट इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अधिकारियों के अनुसार, ये 12 मीटर लंबी, शून्य-उत्सर्जन वाली बसें 283 केडब्ल्यूएच की बैटरी से लैस हैं, जो प्रतिदिन 225 किमी तक की रेंज प्रदान करती हैं। यात्री-अनुकूल सुविधाओं में 35 ऊँची पीठ वाली सीटें, व्हीलचेयर एक्सेस, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन, नीलिंग मैकेनिज्म और वॉइस-सक्षम एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा आग का पता लगाने, रियर कैमरा रिवर्स असिस्ट और रीजेनरेटिव ब्रेकिंग जैसी सुरक्षा प्रणालियाँ भी इसमें शामिल हैं। अधिकारी ने आगे कहा वर्तमान में, 156 वायु वज्र बसें प्रतिदिन 1,061 एकतरफा यात्राएँ करती हैं, 50,776 किलोमीटर की दूरी तय करती हैं और लगभग 14,000 यात्रियों को सेवा प्रदान करती हैं। इलेक्ट्रिक बसों के जुड़ने से आराम में सुधार, उत्सर्जन में कमी और परिचालन दक्षता में वृद्धि होने की उम्मीद है। बीएमटीसी ने सेंट्रल सिल्क बोर्ड, कडुगोडी बस स्टैंड, डिपो-7 और केआईए सहित प्रमुख स्थानों पर अवसर चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए हैं। हवाई अड्डे पर, पी7 पार्किंग में 240 किलोवाट की कुल क्षमता वाले नौ चार्जर लगाए गए हैं, जो 1,400 केवीए हाई-टेंशन कनेक्शन द्वारा संचालित होते हैं। अधिकारी ने बताया बीएमटीसी द्वारा किए गए 1.5 करोड़ के बुनियादी ढाँचे के निवेश को हवाई अड्डा प्राधिकरण का समर्थन प्राप्त था, जिसने मुफ्त में जगह उपलब्ध कराई। बीएमटीसी की 6,217 बसों में औसतन 44 लाख यात्री प्रतिदिन यात्रा करते हैं, जिनमें 1,535 इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं।

गृह मंत्री परमेश्वर के घर पर दलित नेताओं की बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अनुसूचित जातियों में आंतरिक आरक्षण के संबंध में न्यायमूर्ति नागमोहन दास की अध्यक्षता वाले आयोग की रिपोर्ट के कार्यान्वयन के संबंध में बुधवार को गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के घर पर एक विशेष बैठक हुई। बैठक में मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, के.एच. मुनि यप्पा, शिवराज तंगदागी, विधानसभा उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी और अन्य उपस्थित थे। कांग्रेस सरकार रिपोर्ट के आधार पर आंतरिक आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, बैठक में यह राय व्यक्त की गई कि इससे पहले कुछ भ्रांतियों को दूर किया जाना चाहिए। 16 तारीख को होने वाली विशेष कैबिनेट बैठक में आंतरिक आरक्षण के संबंध में निर्णय लिया जाएगा और उसे लागू किया जाएगा। कहा गया है कि इससे पहले मंत्रियों और विधायकों के बीच आम सहमति आवश्यक है। कांग्रेस में विभाजन से बचने के लिए निर्णय लेना आवश्यक है। रिपोर्ट लागू होते ही सब कुछ खत्म नहीं हो जाएगा।

सुझाव दिया गया है कि अभी निर्णय लेना उचित होगा, बशर्ते कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार द्वारा की जाने वाली जनगणना में जाति सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर आरक्षण में संशोधन किया जाए। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने कहा हम सभी आंतरिक आरक्षण के पक्ष में हैं। हम सभी अध्ययन कराने और कैबिनेट में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम नागमोहन दास की रिपोर्ट के बिंदुओं पर चर्चा कर रहे हैं। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है, हम सभी आंतरिक आरक्षण के पक्ष में हैं।

कर्नाटक सरकार सभी पांच निगमों के लिए एक परिसीमन आयोग स्थापित करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार सभी पाँच नगर निगमों के लिए एक ही वार्ड परिसीमन आयोग का गठन करने जा रही है, जिसका नेतृत्व मुख्य नगर आयुक्त द्वारा किए जाने की संभावना है। यह प्रक्रिया पाँचों निगमों के लिए अलग-अलग नहीं की जाएगी, हालाँकि मंत्रिमंडल ने ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस एक्ट, 2024 में संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिससे निगमों के लिए अलग मतदाता सूची तैयार की जा सकेगी। उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने हाल ही में कहा था कि पाँचों निगमों की अंतिम अधिसूचना 2 सितंबर को जारी की जाएगी और परिसीमन 3 सितंबर से शुरू होगा। अंतिम वार्ड सूची 30 नवंबर तक अधिसूचित की जाएगी। ग्रेट बेंगलूरु गवर्नेंस एक्ट, 2024 के अनुसार, प्रत्येक निगम में अधिकतम 150 वार्ड हो सकते हैं। हालाँकि, इन निगमों की जनसंख्या अलग-अलग है, पूर्व में 13 लाख से लेकर पश्चिम में 45 लाख तक। एक वरिष्ठ नगर निगम अधिकारी ने बताया हम कह सकते हैं कि हम प्रत्येक निगम में समान संख्या में वार्ड बनाएंगे, लगभग 150 के आसपास, जिससे हमें प्रत्येक निगम में अलग-अलग आकार के वार्ड मिलेंगे। दूसरा तरीका शहर भर की जनसंख्या के आधार पर प्रत्येक वार्ड का औसत आकार तय करना है, जिससे हमें प्रत्येक निगम में समान आकार के वार्डों की अलग-अलग संख्या मिलेगी। नागरिक कार्यकर्ता अश्विन महेश ने तर्क दिया कि प्रत्येक क्षेत्र को अपना अलग दायरा चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए और प्रत्येक निगम के लिए अलग-अलग परिसीमन किया जाना चाहिए, जिससे उस निगम के लिए एक आदर्श वार्ड का आकार तय हो सके। हालांकि, बेंगलूरु प्रजा वेदिक के एन.एस. मुकुंदा ने तर्क दिया कि निगमों के राजस्व में पहले से ही असमानता है और जनसंख्या के आधार पर असमान वार्ड बनाने से असमानता और बढ़ेगी। यदि प्रत्येक निगम के लिए अलग-अलग वार्ड परिसीमन किया जाता है, तो पूर्वी निगम में वार्ड का आकार लगभग 8,000 होगा, जबकि पश्चिमी निगम में यह 40,000 से अधिक होगा, जो अनुचित है। शहर में समान प्रतिनिधित्व महत्वपूर्ण है। शहरी विकास विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वार्डों का विभाजन किस प्रकार किया जाएगा, यह आयोग का विशेषाधिकार है। हालाँकि, चूँकि सरकार केवल एक ही आयोग का गठन करेगी, इससे संकेत मिलता है कि आयोग वार्डों के आकार की एक औसत सीमा तय करेगा और यह सुनिश्चित करने के लिए वार्डों का विभाजन करेगा कि आकार लगभग इसी के आसपास हो। इस प्रक्रिया में शामिल एक अन्य अधिकारी ने बताया कि इन निगमों में वार्डों की संख्या 70 से 150 के बीच हो सकती है, और वार्ड का आकार भी 15,000 से 30,000 के बीच हो सकता है। इस बीच, वैधानिक नियमों के अनुसार, वार्ड परिसीमन केवल नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही किया जा सकता है, जो वर्तमान स्थिति में 2011 के आंकड़े होंगे, जिसके अनुसार बेंगलूरु की जनसंख्या 85 लाख है, जबकि आज अनुमानित जनसंख्या 1.44 करोड़ है। इस जनसंख्या वृद्धि का स्थानिक वितरण भी दक्षिण-पूर्व बेंगलूरु की ओर ज्यादा झुका हुआ है, जो 2011 में अपेक्षाकृत कम था। एक कार्यकर्ता ने कहा 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन किए गए वार्डों का मतलब होगा कि वे शुरू से ही मृत हो जाएँगे। वे जमीनी हकीकत से पूरी तरह अलग होंगे। लेकिन इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है क्योंकि यह एक कानूनी जरूरत है और 2021 में हमारा दशकीय सर्वेक्षण नहीं हुआ है।

डीके, उडुपी में भारी बारिश की संभावना, येलो अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। थोड़े समय की शांति के बाद, तटीय क्षेत्रों में मानसूनी बारिश फिर से तेज होने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार से 19 अगस्त तक दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। बुधवार को, मेंगलूरु सहित दक्षिण कन्नड़ के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश दर्ज की गई, जहाँ अधिकतम तापमान 26.9डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.9 डिग्री रहा। इस बीच, उडुपी जिले में भी बुधवार को मध्यम बारिश हुई और सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। पदुबिद्री, कौप, शिर्वा, काटपाडी, उडुपी, मालपे, ब्रह्मवर, कोटा, मणिपाल, हेबरी, करकला, कुंडापुर और बिंदूर सहित कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई।

भूमि अधिग्रहण के दौरान धनराशि लेने वाले अधिकारी को निलंबित कर दिया जाएगा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु शहर के प्रभारी मंत्री और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने चेतावनी दी है कि अगर केम्पेगौड़ा लेआउट में किसानों की जमीन अधिग्रहण करते समय किसी भी अधिकारी ने पैसे लिए हैं, तो उन्हें बिना किसी देरी के निलंबित कर दिया जाएगा।

विधान परिषद में सदस्य जावरई गौड़ा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि सदस्यों ने आरोप लगाया है कि कुछ लोगों ने किसानों की जमीन अधिग्रहण करते समय पैसे लिए हैं। अगर वे इस संबंध में विशिष्ट दस्तावेज उपलब्ध करा दें, तो किसी भी जाँच की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने गरजते हुए कहा कि वे शाम सूर्यास्त तक ऐसे लोगों को निलंबित कर देंगे। मैं उन किसानों की दुर्दशा जानता हूँ जिन्होंने अपनी जमीन खो दी है। किसानों से एक पैसा भी न लेने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। एक एकड़ से 9600 वर्ग फुट जमीन मिल सकती है। बाजार के दिशानिर्देशों के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार द्वारा इसमें संशोधन किए जाने के कारण 3 से 4 प्रतिशत मुआवजा दिया जाएगा। हम कुछ नहीं कर सकते क्योंकि उच्च न्यायालय ने शिवराम कारंथा लेआउट पर स्थगन आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यहाँ 7,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। हमें हर साल 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। स्थगन आदेश हटाने के मुद्दे पर महाधिवक्ता से चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि अगर अदालत स्थगन आदेश हटा देती है, तो विकास गतिविधियाँ शुरू हो जाएँगी।

दक्षिण कन्नड़ में सुपारी किसान कॉफी की खेती की ओर कर रहे रुख

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ (डीके) के किसान, जो पारंपरिक रूप से सुपारी की खेती पर निर्भर रहे हैं, अब कॉफी की खेती में बढ़ती रुचि दिखा रहे हैं। सुपारी उद्योग में मंदी की स्थिति में विकल्पों पर सवाल उठने के बीच, जिले में एक लाख से ज्यादा कॉफी के पौधे लगाए जा चुके हैं। यह एक ऐसा विकास है जो ध्यान आकर्षित कर रहा है। यद्यपि स्थानीय किसानों के लिए सुपारी मुख्य फसल बनी हुई है, फिर भी वे हमेशा नारियल, केला, काली मिर्च, कोको, जायफल और इलायची जैसी द्वितीयक फसलें उगाते रहे हैं। काली मिर्च को छोड़कर, इनमें से ज्यादातर को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जिससे किसान कॉफी की खेती को और गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित हुए हैं। कर्नाटक भारत में कॉफी उत्पादन में पहले स्थान पर है, जिसमें कोडागु जिला सबसे आगे है। 1970 के दशक में, कोडागु से जुड़े स्थानीय किसान वहाँ से कॉफी के पौधे लाए थे और खेती के प्रयोग किए थे। हालाँकि, बड़े पैमाने पर खेती अब तक शुरू नहीं हुई थी। कोको, जो कभी एक लोकप्रिय अंतर-फसल थी, की कीमतों में उतार चढ़ाव के साथ-साथ फसल रोगों और जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान का भी सामना करना पड़ा है। नारियल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव होता है और मजदूरों की कमी के कारण कटाई में बाधा आ रही है। अन्य द्वितीयक फसलों की तुलना में, कॉफी की खेती आसान है और इसमें कम मजदूरों की आवश्यकता होती है। हाल ही में, जिले के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने वाले कृषि विशेषज्ञों ने कॉफी की खेती की सिफारिश की, यह देखते हुए कि यहाँ की मिट्टी और जलवायु इस फसल के लिए उपयुक्त हैं। बढ़ती मजदूरी और सुपारी की खेती के लिए मजदूरों की कमी को देखते हुए, किसानों का मानना है कि कॉफी - इसकी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में माँग के साथ - एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करती है। कर्नाटक कॉफी की वैश्विक माँग अधिक होने के कारण, वर्तमान उत्पादन निर्यात वृद्धि को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। सरकार, अपनी एकीकृत कॉफी विकास परियोजना के तहत, राष्ट्रीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में खेती का विस्तार करना चाहती है। इसने दक्षिण कन्नड़ में रुचि को बढ़ावा दिया है। कॉफी की खेती उत्पादकों के लिए कई लाभ प्रदान करती है। इसके लिए मजदूरों पर कम निर्भरता होती है और सुपारी की खेती के विपरीत, इसमें साल भर खेती का काम नहीं करना पड़ता है। इसके अलावा, जब कॉफी बीन्स को सही तरीके से संसाधित किया जाता है, तो उन्हें कई वर्षों तक संग्रहीत किया जा सकता है, जिससे किसान उन्हें बाजार में अनुकूल मूल्य मिलने पर बेच सकते हैं।

भाजपा नेताओं ने कैबिनेट से हटाए गए के.एन. राजन्ना से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ भाजपा नेता बी. श्रीरामुलु ने हाल ही में कांग्रेस सरकार द्वारा मंत्री पद से बर्खास्त किए गए के.एन. राजन्ना और उनके बेटे व एमएलसी राजेंद्र राजन्ना से मुलाकात की और उन्हें पार्टी में आमंत्रित किया है। यह घटनाक्रम तब हुआ जब कांग्रेस विधायकों के एक दल ने मंत्री सतीश जारकीहोली के साथ राजन्ना से उनके आवास पर मुलाकात की और चर्चा की। श्रीरामुलु ने कहा पूरा समुदाय और उसके नेता आपके साथ हैं, भाजपा में आइए। आप और आपका बेटा भाजपा में आइए। मैं, शिवन्ना गौड़ा नेता, राजू गौड़ा और हमारे सभी नेता, आपका पार्टी में स्वागत करते हैं और पार्टी में हमारा सम्मान हमसे भी ज्यादा है। श्रीरामुलु ने राजन्ना को सच बोलने के कारण अपमानित और मंत्री पद से बर्खास्त किए जाने का आरोप लगाया है। इस बीच, कांग्रेस विधायक रघुमूर्ति, बसवंतप्पा, अनिल चिक्कमधु और अन्य ने राजन्ना से मुलाकात की और चर्चा की। पत्रकारों से बात करते हुए, जारकीहोली ने कहा हम उनके साथ हैं और अपनी दोस्ती के नाते, हमने उनमें विश्वास जगाने की कोशिश की है। वे दो साल के मंत्री के रूप में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और दिल्ली (नेतृत्व) में उनके बारे में एक गलत धारणा है और वे दिल्ली जाकर आलाकमान को इस बारे में समझाएँगे।

जब उनसे पूछा गया कि क्या राजन्ना अकेले दिल्ली जाएँगे या किसी प्रतिनिधिमंडल के साथ जाएँगे, तो उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल के साथ जाना उनके (राजन्ना) जाने से अलग है। उन्हें आलाकमान के पास जाकर अपनी बात रखनी चाहिए। एक प्रतिनिधिमंडल कैबिनेट में खाली पड़े दो अनुसूचित जनजाति के पदों को भरने की माँग करेगा। हमारी माँग है कि उन्हें बिना किसी देरी के भरा जाए और वाल्मीकि (अनुसूचित जनजाति) समुदाय को भी समान अधिकार दिए जाएँ। यह एक माँग है। हम जाँच के बाद जाएँगे।

राज्य में 13 लाख अयोग्य बीपीएल कार्डधारक: के.एच. मुनियप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि राज्य में 13 लाख अपात्र बीपीएल कार्डधारक हैं और उनकी सूची में संशोधन किया जाएगा। पात्र लोगों को बीपीएल कार्ड जारी करने के लिए वेबसाइट अगले महीने से खुली रहेगी। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान मेंगलूरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र के डॉ. वाई. भरतशेट्टी के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने कहा कि आपातकालीन चिकित्सा सुविधा के लिए राशन कार्ड जारी करने हेतु एक अलग पोर्टल खोला जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब से 24 घंटे के भीतर चिकित्सा उपचार के लिए राशन कार्ड जारी करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के 25 लाख एपीएल कार्डधारकों में से 1 लाख चावल नहीं ले रहे थे। इसीलिए एपीएल कार्डों के लिए चावल जारी करना बंद कर दिया गया है। राज्य के कुल कार्डधारकों में से 75 प्रतिशत के पास बीपीएल कार्ड हैं। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु में 50 प्रतिशत बीपीएल कार्ड हैं। अगर हम कार्डों पर गौर करें, तो कर्नाटक महाराष्ट्र से भी गरीब राज्य है। बीपीएल सूची में 13 लाख अपात्र लोग हैं। जब हमने उन्हें हटाने की कोशिश की तो असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। बीपीएल कार्ड रद्द नहीं किए जाएँगे। हम अपात्र लोगों को एपीएल के दायरे में लाएँगे। अगर पात्र लोगों के कार्ड रद्द कर दिए गए हैं, तो वे तहसीलदार को शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने उन्हें तुरंत बीपीएल कार्ड जारी करने का वादा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपात्र बीपीएल कार्डधारकों को नए एपीएल कार्ड जारी करने और अपात्र लोगों के कार्ड संशोधित होने के बाद अगले महीने नए बीपीएल कार्ड जारी करने के लिए कदम उठाए गए हैं। जब विधायक के. गोपालैय्या सहित कई लोगों ने कहा कि चिकित्सा आपात स्थिति में बीपीएल कार्डधारकों को सुविधा दी जानी चाहिए, तो उन्होंने एक अलग पोर्टल बनाने का वादा किया।

बेटे को बल्ले से पीट-पीटकर मार डालने के जुर्म में पिता को आजीवन कारावास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिटी सिविल एवं विशेष बाल न्यायालय ने अपने बेटे की बल्ले से पीट-पीटकर हत्या करने के आरोपी पिता को 25,000 रुपये के जुर्माने और आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कुमारस्वामी लेआउट पुलिस थाना क्षेत्र निवासी रविकुमार शराब का आदी है और काम पर नहीं जाता। उसकी पत्नी एक कपड़ा कारखाने में काम करके परिवार का पालन-पोषण करती है। उसका पति रविकुमार अपनी पत्नी को रोज शराब पीने के लिए प्रताड़ित करता था। बेटा तेजस अक्सर स्कूल नहीं जाता था क्योंकि उसकी माँ का काम पर्याप्त नहीं था और उसे अपने बड़े भाई को स्कूल भेजने के लिए दूध और कागज पैक करने के लिए काम पर जाना पड़ता था। इस बात से नाराज होकर पिता रविकुमार का अपने बेटे तेजस से झगड़ा हो गया। 15 नवंबर, 2024 को उसके पिता ने अपने 14 वर्षीय बेटे तेजस के सिर, चेहरे और ऊपरी बाँह पर लकड़ी के बल्ले से कई बार वार किया और फिर दीवार पर उसका सिर पटक-पटक कर उसकी हत्या कर दी। इस संबंध में पत्नी ने अपने पति रविकुमार के खिलाफ कुमारस्वामी लेआउट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। वहाँ के जाँच अधिकारी इंस्पेक्टर जगदीश ने मामला दर्ज कर जाँच की और आरोपी के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। सी-सीएच-51 के न्यायाधीश संतोष ने इस मामले की सुनवाई की और आरोपी रविकुमार को आजीवन कारावास और 25,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मामले की पैरवी सरकारी वकील भास्कर ने की।

जेल जैमर का मुद्दा जल्द सुलझ जाएगा: गृह मंत्री

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने आश्वासन दिया कि शहर की जिला जेल में लगे जैमर से उत्पन्न समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। शून्यकाल के दौरान विधान परिषद सदस्य इवान डिसूजा ने यह मुद्दा उठाते हुए मीडिया में आई एक रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मेंगलूरु जेल का जैमर 2 किलोमीटर के दायरे में समस्याएँ पैदा कर रहा है, जिससे दक्षिण कन्नड़ जिला न्यायालय, व्यावसायिक लेन-देन, ऑनलाइन शिक्षा और अदालती कार्यवाही प्रभावित हो रही है। गृह मंत्री के निर्देशों के बावजूद, अधिकारियों ने समस्या का समाधान नहीं किया है। समाचार रिपोर्ट का हवाला देते हुए, डिसूजा ने कहा कि जैमर मंत्री के आदेशों का भी पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि मेंगलूरु जेल झड़पों के कारण सुर्खियों में है, और उन्होंने बंटवाल के पास बालेपुनी में निर्माणाधीन जेल को पूरा करने के लिए धनराशि जारी करने और कैदियों के स्थानांतरण के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

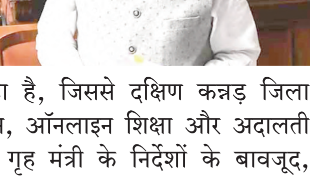

खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गर्मी की छुट्टियों के बाद जब छात्र स्कूल जाना शुरू करते हैं और शैक्षणिक वर्ष शुरू होता है, तो शिक्षा विभाग उनके उत्साह और शारीरिक तंदुरुस्ती को बढ़ाने के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। दर्जनों स्कूलों की भागीदारी वाले संकुल स्तर पर आयोजित इस खेलकूद प्रतियोगिता में शारीरिक गतिविधियों के कारण बच्चों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है और वे स्कूलों की ओर आकर्षित होते हैं। बेंगलूरु उत्तर स्थित कामाक्षीपाल्या संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह नेताजी खेल मैदान में आयोजित किया गया। विजयनगर मारुति मेडिकल्स के गोसेवक महेंद्र मुणोत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने बच्चों को प्रमाण पत्र, पदक और पट्टिकाएँ वितरित कीं।

मंच पर बोलते हुए मुणोत ने कहा खेल केवल हार-जीत का खेल नहीं है, यह एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक और मानसिक शक्ति को बढ़ाती है और एक-दूसरे के साथ मित्रता और सह-अस्तित्व को भी बढ़ाती है। कामाक्षीपाल्या संकुल खेल अधिकारी रामकृष्ण, संसाधन व्यक्ति ईश्वरप्पा, तालुक शारीरिक निरीक्षक अशोक, क्षेत्र शिक्षा अधिकारी तारानाथ, क्षेत्र समन्वयक मंजूनाथ और मारुति स्कूल के शिक्षक बी.जी. रविकुमार उपस्थित थे। सभी ने मुणोत को बधाई दी।

सुप्रीम कोर्ट ने की हत्या के आरोपी कन्नड़ अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थुगुदीपा और पवित्रा गौड़ा के साथ अन्य पांच को कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा दी गयी जमानत गुरुवार को रद्द कर दी।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ अभियुक्तों को जमानत देने के आदेश को चुनौती देने वाली कर्नाटक सरकार की याचिका स्वीकार कर ली और उच्च न्यायालय का आदेश रद्द कर दिया। राज्य सरकार ने अभियुक्तों की जमानत के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश में कई खामियां हैं। इसमें गवाहों के बयानों पर भी विचार किया गया है, जोकि निचली अदालत का विशेषाधिकार है।

शीर्ष अदालत ने आरोपियों को राहत देने वाले आदेश पर कहा, उच्च न्यायालय का आदेश शक्ति के यांत्रिक प्रयोग को दर्शाता है। जमानत देने से मुकदमे पर असर पड़ेगा। साथ ही, गवाहों को प्रभावित किये जाने की भी आशंका है।

शीर्ष अदालत ने जेल में प्रभावशाली अभियुक्तों को कथित तौर पर विशेष व्यवस्था के मामले में चेतावनी देते हुए कहा, जिस दिन हमें पता चलेगा कि अभियुक्तों को 'फाइव स्टार' उपचार दिया जा रहा है, हमें सबसे पहले वहां के अधीक्षक और अन्य सभी संबंधित अधिकारियों को निलंबित करना पड़ेगा।

शीर्ष अदालत ने 24 जुलाई को राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा और अधिवक्ता अनिल सी निशानी तथा डी एल चिदानंद के माध्यम से दायर विशेष अनुमति याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इसके बाद पीठ ने जमानत आदेश को लेकर कर्नाटक उच्च न्यायालय की कड़ी आलोचना की थी और कहा था कि जिस तरह से आदेश सुनाया गया, उससे ऐसा लग रहा है कि यह बरी करने का मामला है।

शीर्ष अदालत ने 17 जुलाई को भी उच्च न्यायालय के इस आदेश पर अपनी आपत्ति व्यक्त की थी और कहा था कि जिस तरह से उच्च न्यायालय ने अपने विवेकाधिकार का प्रयोग किया, उससे वह बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं है।

उच्च न्यायालय ने दर्शन को पहली बार 30 अक्टूबर, 2024 को चिकित्सा आधार पर अंतरिम ज़मानत दी थी। न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2024 को दर्शन, पवित्रा और अन्य पाँच आरोपियों को नियमित जमानत दे दी। इस मामले में सभी आरोपी फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

गौरतलब है कि कन्नड़ अभिनेता दर्शन (47) को 11 जून, 2024 को चित्रदुर्ग निवासी 33 वर्षीय रेणुकास्वामी की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। पीड़िता का शव नौ जून, 2024 को बेंगलुरु में एक नाले के पास मिला था। रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर दर्शन की सहयोगी पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे अभिनेता नाराज हो गया था।

पुलिस जांच में अभिनेता दर्शन, उनकी करीबी दोस्त पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया।

बेंगलुरु पुलिस ने तीन सितंबर को एक आरोप पत्र भी दायर किया जिसमें पवित्रा को आरोपी नंबर एक और दर्शन को आरोपी नंबर दो के रूप में नामित किया गया। पुलिस ने दावा किया कि रेणुकास्वामी द्वारा पवित्रा को आपत्तिजनक संदेश भेजना अपराध का मकसद था।

पुलिस, अग्निशमन, गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा के 1090 कर्मियों को वीरता एवं सेवा पदक

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन, गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा तथा सुधार सेवाओं के कुल 1090 कर्मियों को राष्ट्रपति के वीरता और सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

गृह मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि 233 कर्मियों को राष्ट्रपति के वीरता पदक, 99 को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और 758 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

कुल 233 राष्ट्रपति वीरता पदकों में से 226 पुलिसकर्मियों को, छह अग्निशमन सेवा कर्मियों को एक सैन्य एवं अर्धसैनिक बल कर्मियों को दिये गये हैं।

राष्ट्रपति का वीरता पदक जीवन और संपत्ति की रक्षा करने, अपराध रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने में किए गए असाधारण वीरतापूर्ण कार्य और वीरता के विशिष्ट कार्य के आधार पर प्रदान किए जाते हैं। इसमें संबंधित अधिकारी के दायित्वों और कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए जोखिम का आकलन किया जाता है।

कुल 233 वीरता पुरस्कारों में से अधिकांश जम्मू और कश्मीर में तैनात पुलिसकर्मियों (152), वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात 54 पुलिसकर्मियों, पूर्वोत्तर में तैनात तीन कर्मियों और अन्य क्षेत्रों में तैनात 24 कर्मियों को उनके वीरतापूर्ण कार्यों के लिए दिये गये हैं।

राहुल का स्वच्छ मतदाता सूची के लिए लोगों से जन आंदोलन से जुड़ने का आह्वान

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष की नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जनता के वोट चोरी हो रहे हैं इसलिए सभी लोगों को एकजुट होकर स्वच्छ मतदाता सूची के लिए चलाये जा रहे उनके आंदोलन में शामिल होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वह 'एक व्यक्ति एक वोट' के सिद्धांत के अधिकार की निर्णायक लड़ाई लड़ रहे हैं। इस लड़ाई से देश के संविधान और लोकतंत्र को बचाना है इसलिए वह देश की जनता का इस आंदोलन में शामिल होने का आह्वान कर रहे हैं। श्री गांधी ने कहा '17 अगस्त से वोटर अधिकार रैली के साथ हम बिहार की धरती से वोट चोरी के ख़िलाफ़ सीधी लड़ाई छेड़ रहे हैं। यह सिर्फ़ एक चुनावी मुद्दा नहीं, यह लोकतंत्र, संविधान और 'वन मैन वन वोट' के सिद्धांत की रक्षा का निर्णायक संग्राम है।'

उन्होंने कहा 'हम पूरे देश में स्वच्छ मतदाता सूची बनवाकर ही रहेंगे। युवा, मज़दूर, किसान, हर नागरिक, उठो और इस जनांदोलन से जुड़ो। अब की बार, वोट चोरों की हार – जनता की जीत, संविधान की जीत।'

राज ठाकरे पर कानूनी शिकंजा, भड़काऊ भाषण मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट में अर्जी

मुंबई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस लेने के बाद, उत्तर भारतीय विकास सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील शुक्ला ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता राज ठाकरे की पार्टी के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

शुक्ला की याचिका में उनके और उनके परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग की गई है, साथ ही भारत के चुनाव आयोग को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत कार्रवाई पर विचार करने का निर्देश देने की मांग की गई है, जिसमें कथित तौर पर नफरत और दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए मनसे की मान्यता रद्द करना भी शामिल है। उन्होंने मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा नफरत भरे भाषण, धमकी और शारीरिक हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की भी मांग की है।

अंतरिम राहत के तौर पर, याचिका में अदालत से ठाकरे को भड़काऊ भाषण देने से रोकने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले, शुक्ला ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र सरकार और पुलिस ने मनसे कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा, धमकियों और उत्पीड़न के लिए आपराधिक मामले दर्ज करने के उनके बार-बार अनुरोधों को नज़रअंदाज़ किया। उन्होंने दावा किया कि उत्तर भारतीयों के अधिकारों की वकालत करने के कारण उन्हें मनसे और उससे जुड़े समूहों द्वारा धमकी का निशाना बनाया गया।

बॉम्बे उच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका में शुक्ला ने कहा कि 6 अक्टूबर, 2024 को दोपहर लगभग 3 बजे, मनसे और उससे जुड़े संगठनों से जुड़े लगभग 30 व्यक्ति उनके राजनीतिक दल के कार्यालय परिसर में घुस आए और संपत्ति में तोड़फोड़ करने का प्रयास किया।

घटना के बाद, शुक्ला और उनके परिवार को कथित तौर पर मनसे कार्यकर्ताओं से कई धमकी भरे फोन आए। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और पिछले 10 महीनों से संबंधित विभाग से संपर्क किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल द्वारा आयोजित चाय पार्टी में नहीं जाएंगे तमिलनाडु के सीएम

चेन्नई, 14 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 15 अगस्त, 2025 को राजभवन में राज्यपाल की चाय पार्टी का बहिष्कार करने का फैसला किया है।

उच्च शिक्षा मंत्री के कोवी चेझियान ने कहा कि वह 18 और 19 अगस्त को अलगप्पा विश्वविद्यालय और तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोहों में शामिल नहीं होंगे। यह फैसला राज्यपाल आरएन रवि के विरोध में लिया गया है, जिन्होंने कथित तौर पर राज्य के कल्याण के खिलाफ काम किया है। यह कदम राज्यपाल से जुड़े कई विवादों के बाद उठाया गया है, जिसमें कुंभकोणम में कलैगनार विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए हाल ही में पारित विधेयक को मंजूरी देने के बजाय राष्ट्रपति के पास भेजना भी शामिल है, जिससे विश्वविद्यालय के गठन में देरी हुई।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार, विश्वविद्यालय कानूनों से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के एक मामले में, राज्यपाल रवि ने भाजपा नेता वेंकटचलपति के तर्कों का समर्थन करते हुए एक प्रति-शपथपत्र दायर किया, जिससे राजनीतिक पूर्वाग्रह उजागर हुआ। कोवी चेझियान ने कहा कि कई विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की अनुपस्थिति, जिससे राज्य में उच्च शिक्षा प्रभावित हो रही है, राज्यपाल के कार्यों से जुड़ी है। कल, तिरु-नेलवेली में एक दीक्षांत समारोह में एक डॉक्टरेट छात्रा ने विश्वविद्यालय के कुलपति से अपनी डिग्री प्राप्त करने के लिए राज्यपाल रवि की अवहेलना की।

बारिश को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट, उत्तराखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए रेड अलर्ट और उत्तराखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली के कई इलाकों में गुरूवार सुबह हुयी भारी बारिश के कारण जलभराव और यातायात जाम की समस्या उत्पन्न हो गई है। लाजपत नगर, आरके पुरम, लोधी रोड और दिल्ली-हरियाणा सीमा पर भारी बारिश हुई है। हल्की बारिश अभी भी जारी है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में 14 अगस्त से 17 अगस्त तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले तीन घंटों के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरी मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मध्यम से तेज बारिश होगी। आज हैदराबाद में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया जिससे वहां के निचले इलाकों में जलभराव और यातायात जाम का खतरा है।

इस बीच उत्तराखंड में देहरादून, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार, उधम सिंह नगर, नैनीताल और बागेश्वर समेत कई इलाकों में रेड अलर्ट घोषित किया गया है।

एक चुनाव में दो बार मतदान करने का सबूत दें आरोप लगाने वाले: चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 14 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग चाहता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास किसी चुनाव में एक ही व्यक्ति द्वारा दो बार वोट देने के सबूत हो तो उसे बात को तथ्यों के साथ बाकायदा सामने लाना चाहिए ताकि उसे पर कार्रवाई की जा सके।

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा, एक व्यक्ति एक वोट का कानून 1951-1952 में भारत के पहले चुनाव से ही लागू है।

अगर किसी के पास किसी भी चुनाव में किसी व्यक्ति द्वारा दो बार मतदान करने का कोई सबूत है, तो उसे बिना किसी सबूत के भारत के सभी मतदाताओं को चोर बताने के बजाय, लिखित हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के साथ साझा किया जाना चाहिए।

अधिकारी ने कहा, हमारे मतदाताओं के लिए वोट चोर जैसे गंदे शब्दों का इस्तेमाल करके एक झूठी कहानी गढ़ने की कोशिश न केवल करोड़ों भारतीय मतदाताओं पर सीधा हमला है, बल्कि लाखों चुनाव कर्मचारियों की ईमानदारी पर भी हमला है।

उल्लेखनीय है की कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में विपक्षी गठबंधन आयोग पर मतदाता सूचियां में गड़बड़ी करने और वोट की तथाकथित चोरी करवाने के आरोप लग रहा है।

आयोग आधिकारिक रूप से बार-बार कह रहा है कि मतदाता सूची से किसी भी मतदाता का नाम जोड़ने या काटने की एक स्पष्ट कानूनी व्यवस्था और प्रक्रिया है। किसी को यदि किसी भी सूची में किसी नाम पर आपत्ति है या कोई चूक दिखती है तो वह निर्धारित प्रक्रिया अपना कर संशोधन कर सकता है। मनोहर, उप्रेती

बढ़ते वाहन प्रदूषण पर लगेगी लगाम, किए जाएंगे 46 प्रखंडों में नए प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित

पटना, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य में बढ़ती वाहनों की संख्या वायु गुणवत्ता पर गंभीर असर डाल रही है और यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। इस स्थिति को देखते हुए परिवहन विभाग ने प्रदेश के सभी प्रखंडों में झ्रप्रदूषण जांच केंद्र प्रोत्साहन योजनाझ्र के तहत प्रदूषण जांच केंद्र (पीयूसी) स्थापित करने के लिए कदम उठाया है। विभाग के अनुसार, प्रदेश के 132 प्रखंडों में अब तक कोई पीयूसी केंद्र नहीं था। इन्हें स्थापित करने के लिए 46 प्रखंडों को कुल 1 करोड़ 5 लाख 72 हजार 576 रुपये की अनुदान राशि दी जा चुकी है।

योजना के तहत सबसे अधिक पांच पीयूसी केंद्र भभुआ में, चार-चार केंद्र बांका और मधुबनी में, तीन-तीन केंद्र दरभंगा, गया, जहानाबाद और कटिहार में, दो-दो केंद्र मधेपुरा, नालंदा, नवादा, रोहतास, सहरसा, शेखपुरा, सिवान में तथा एक-एक केंद्र समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, मुंगेर, छपरा और अरवल जिले में स्थापित किए जाएंगे। राज्य में वर्तमान में कुल 1553 पीयूसी संचालित हो रहे हैं। इनमें सबसे अधिक 264 केंद्र पटना, 81 मुजफ्फरपुर, 76 गया, 74 वैशाली, 66 छपरा और 62 समस्तीपुर जिले में हैं। इन केंद्रों पर अधिक से अधिक वाहनों की प्रदूषण जांच की जाती है। योजना के तहत प्रदूषण जांच उपकरणों की खरीद पर 50 प्रतिशत या अधिकतम तीन लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। यह अनुदान प्रखंड स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा। ध्यान रहे कि पीयूसी पेट्रोल पंप और वाहन सर्विस सेंटर पर नहीं खोले जा सकते।

सुधाकर सिंह के विवादित बयान, भाजपा नेता गिरिराज सिंह को कहा आतंकवादी

पटना, 14 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी गर्माहट बढ़ती जा रही है। गुरुवार को सासाराम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भाजपा नेता गिरिराज सिंह पर जमकर हमला बोला और उन्हें आतंकवादी करार दिया। प्रेस वार्ता में सुधाकर सिंह ने कहा कि गिरिराज सिंह अपने बयानों के माध्यम से बिहार में सामाजिक अशांति और विवाद फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि जबकि अधिकांश लोग समाज जोड़ने के लिए राजनीति करते हैं, गिरिराज सिंह समाज को तोड़ने का काम करते हैं। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर योजना के लिए फंड जारी किया, लेकिन बिहार को हिस्सा नहीं मिला, फिर भी गिरिराज सिंह ने सरकार को बधाई दी।

सुधाकर सिंह ने आगामी 17 अगस्त से शुरू होने वाली राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बारे में बताया कि पिछली लोकसभा चुनाव यात्रा के दौरान महागठबंधन ने जिन 10 लोकसभा क्षेत्रों से गुजरा, उनमें से सात सीटों पर जीत हासिल की थी। इस बार भी महागठबंधन बिहार में एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी और राहुल गांधी की यात्रा ऐतिहासिक होगी। प्रेस वार्ता महागठबंधन की ओर से जिला अतिथि गृह में आयोजित की गई थी, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

विजन-2047 पर विधानसभा में बोले सीएम योगी

उत्तर प्रदेश भारत की ग्रोथ का ड्राइविंग फोर्स बनेगा

योगी ने सपा के झूठ पर करारा प्रहार किया

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में विजन 2047 पर 24 घंटे से अधिक देर तक चली चर्चा का समापन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भारत विकसित तब बनेगा, जब हर राज्य अपनी भूमिका निभाएगा और इसमें उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहेगा। मुख्यमंत्री ने सत्ता पक्ष और विपक्ष के 187 विधायकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी ने गंभीरता और रुचिपूर्ण ढंग से बहस को सार्थक बनाया। उन्होंने कहा कि 24 घंटे से अधिक चली यह चर्चा लोकतंत्र की शक्ति और सदस्यों की गंभीरता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल देश का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य ही नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का ध्वजवाहक भी है। उत्तर प्रदेश सिर्फ बड़ी आबादी वाला राज्य नहीं, यह भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 2023 में लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि उत्तर प्रदेश दुनिया के लिए ब्राइट स्पॉट है तो उत्तर प्रदेश भारत की ग्रोथ का ड्राइविंग फोर्स बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकांश सदस्य इस चर्चा में अपने विचार और विज़न को रखना चाहते थे, लेकिन समय और संसाधनों की सीमाओं को देखते हुए हमें चर्चा को आगे बढ़ाना है। इससे संबंधित व्यापक कार्यनीति तैयार करनी है और समाज से जुड़े सभी हितधारकों तक जाना है। उनसे बातचीत के बाद, एक विस्तृत चर्चा कर, सेक्टर-वार मुद्दों पर हम फिर सदन में आएंगे। यह चर्चा उन लोगों के लिए भी आंखें खोलने वाली है जो विधायिका और सदस्यों के आचरण पर उंगली उठाते हैं। प्रदेश और देश के लिए जब भी आवश्यकता पड़ी, हम सभी ने अपना योगदान दिया है और आगे भी देते रहेंगे। हम सबका सौभाग्य है कि देश अपनी आज़ादी के अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है। स्वतंत्रता के 78 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। यह यात्रा आत्मावलोकन का अवसर है। मैं कई अवसरों पर इस 24 घंटे की चर्चा का हिस्सा बना। मैंने देखा कि सत्ता पक्ष, विपक्ष और अन्य सभी माननीय सदस्यों ने इसमें गंभीर रुचि दिखाई। कुछ सदस्यों ने तो रातभर जागकर भी चर्चा में योगदान दिया, जिससे देश का भी ध्यान इस ओर गया।

इस मौके पर सीएम योगी ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वो जब अपनी विवेक से बोलते हैं तो अच्छा बोलते हैं। जब उन्हें ऊपर से निर्देश मिलते हैं तो वह मुर्गा की बात करने लगते हैं। उन्होंने यहां मुर्गा खाने पर भी व्यंग्य किया। उन्होंने सपा पर तंज कसते हुए कहा कि ये लोग कूप मंडूक हैं। अब वो पीडीए की बात करते हैं जिसका मतलब है कि परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी। पूरी दुनिया आगे बढ़ रही है और ये लोग परिवार डेवलेपमेंट अथॉरिटी की तरह काम कर रहे हैं। अपने भाषण में सीएम ने व्यंग्य भी किया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह के बाद कायदे से चाचा का नंबर आना चाहिए था लेकिन यहां भी चाचा को गच्चा मिला। उनकी इस बात पर पूरे सदन में ठहाका लग गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्या भारत विकसित होगा तो उसमें उत्तर प्रदेश का भी योगदान होगा। क्या उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय अधिक नहीं होनी चाहिए? क्या वह खुशहाली का हिस्सा नहीं होना चाहिए? इन सवालों पर हमने दो भागों में चर्चा को बांटा, पहला, 1947 से 2017 तक हमने क्या हासिल किया, और दूसरा, 2017 के बाद से आने वाले 30 वर्षों का रोडमैप। 1947 से 2047 तक की यह 100 वर्षों की यात्रा में हमने क्या खोया और क्या पाया, इसका आत्मावलोकन करने का यह सबसे उचित समय है। प्रधानमंत्री जी ने जो विजन डॉक्यूमेंट देश के सामने प्रस्तुत किया, उसी के अनुरूप उत्तर प्रदेश ने प्रारंभिक चर्चा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में समावेशी और समग्र विकास को उत्तर प्रदेश और भारत के विकास का आधार बताया। उन्होंने कहा, हर विधानसभा क्षेत्र में विकास होना चाहिए और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के सभी तक पहुंचना चाहिए। समावेशी विकास ही विकसित यूपी और विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकता है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी चर्चा में विकास कम और सत्ता की चाहत ज्यादा दिखती है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के अतीत की कड़वी सच्चाई को सामने रखते हुए कहा कि 1960 के बाद से राज्य लगातार गिरावट की ओर बढ़ा। उन्होंने कहा कि विशाल सामर्थ्य, उपजाऊ भूमि, नदियां और श्रमशक्ति होने के बावजूद नीतिगत उदासीनता के कारण यूपी 1980 के दशक के बाद देश का सबसे बीमारू राज्य बन गया। योजनाएं बनती थीं, घोषणाएं होती थीं, लेकिन न इच्छाशक्ति थी और न ही क्रियान्वयन का संकल्प। उन्होंने उस दौर की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार नहीं मिलता था, किसानों को राहत नहीं थी और निवेशकों में भरोसे की कमी थी। अपराध और अराजकता का बोलबाला था। पलायन, गरीबी, इन्सेफलाइटिस और डेंगू जैसी बीमारियों से होने वाली मौतें, भ्रष्टाचार, भेदभाव और भाई-भतीजावाद ने यूपी को जकड़ रखा था।

मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद डबल इंजन सरकार के तहत हुए बदलावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद कानून का राज स्थापित हुआ। अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बनाया गया और यूपी निवेशकों के लिए ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया। योजनाओं का क्रियान्वयन बिना भेदभाव और तुष्टिकरण के हो रहा है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज यूपी की पहचान सुशासन से है। बेहतर कानून व्यवस्था, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकार की सकारात्मक सोच ने यूपी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

मुख्यमंत्री ने यूपी की आर्थिक प्रगति के प्रभावशाली आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि 2016-17 में यूपी की जीएसडीपी 13 लाख करोड़ रुपए थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 35 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। राष्ट्रीय जीडीपी में यूपी का योगदान 8 फीसदी से बढ़कर 9.5 फीसदी हो गया है। प्रति व्यक्ति आय 43 हजार रुपए से बढ़कर 1 लाख 20 हजार रुपए तक पहुंच चुकी है। निर्यात 84 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर 1 लाख 86 हजार करोड़ रुपए हो गया है और राज्य का बजट 3 लाख करोड़ से बढ़कर 8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। नीति आयोग के फिसिकल हेल्थ इंडेक्स में 8.9 अंकों का सुधार दर्ज किया गया है। डिजिटल लेनदेन 122 करोड़ रुपए से बढ़कर 1400 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी बीमारू राज्य से रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री ने भारत की आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि 1947 में भारत दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन 1980 तक यह 11वें स्थान पर खिसक गया। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने प्रगति की और 2017 में सातवें, 2024 में पांचवें और 2025 में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आपने छठी अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान तक पहुंचा दिया था, लेकिन आज भारत अपनी सामर्थ्य और शक्ति का परिचय दुनिया को दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में देश की 16 फीसदी आबादी निवास करती है, लेकिन 2016-17 तक राष्ट्रीय जीडीपी में उसकी हिस्सेदारी 14 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई थी। प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत की तुलना में एक तिहाई रह गई थी। लेकिन 2017 के बाद यूपी ने कोविड महामारी के बावजूद राष्ट्रीय औसत से बेहतर आर्थिक विकास दर हासिल की। मुख्यमंत्री ने यूपी को विकास और सुशासन का मॉडल बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि यूपी अब केवल भारत का एक हिस्सा भर नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति का नेतृत्व करने वाला राज्य बन रहा है। निवेशकों का भरोसा, युवाओं को रोजगार, किसानों को राहत और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं यूपी की नई पहचान हैं। उन्होंने सदन से अपील की कि सभी विधायक अपने क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए एकजुट होकर काम करें, ताकि यूपी और भारत के विकास का सपना साकार हो सके।

सहारा ग्रुप के दिवंगत मुखिया सहित 15 पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस

आगरा, 14 अगस्त (एजेंसियां)। सहारा ग्रुप के दिवंगत मैनेजिंग चेयरमैन सुब्रत राय, कंपनी की दो सासायटी, 10 डायरेक्टर समेत 15 के खिलाफ 1.97 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज कराया गया है। आरोप है कि कंपनी की विभिन्न योजनाओं में सावधि जमा राशि के लिए धनराशि लेने के बाद अदा नहीं की गई। अधिकारियों के पास चक्कर काटने पर भी कोई फायदा नहीं हुआ। मामले में धोखाधड़ी के साथ ही अमानत में खयानत, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, अवैध धन शोधन उन्मूलन अधिनियम व अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम की धारा लगाई गई है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्य संकलन कर कार्रवाई की जाएगी। 38, कावेरी कुंज फेज-2, कमला नगर, आगरा निवासी 67 वर्षीय मुकेश कुमार जैन ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था। इसमें कहा कि आरोपियों ने अपनी कंपनी की योजना की जानकारी विज्ञापन के माध्यम से दी। निवेशकों को सीमित अवधि के लिए विभिन्न योजनाओं में एक मुश्त धनराशि जमा करने पर आकर्षक ब्याज और निश्चित धनराशि का विश्वास दिलाया। इससे आकर्षित होने पर उन्होंने खुद और परिवारीजन के नाम से 1,04,27,404 रुपए जमा कराए थे। एफडी योजनाओं में सहारा स्पेशल फिक्स, स्टार-2, स्टार-2 64 थीं। इनके प्रमाण भी जारी किए गए। इसके एवज में उन्हें 1,97,83,809 रुपए ब्याज सहित मिलने थे। समय सीमा पूरी होने पर उन्होंने कमला नगर कार्यालय पर संपर्क किया। मगर, कर्मचारी और अधिकारी टालमटोल करते रहे। उनकी रकम का भुगतान नहीं किया गया। उन्होंने आगरा के अलावा दिल्ली और लखनऊ के कार्यालयों पर चक्कर लगाए। मगर राहत नहीं मिल सकी। उन्होंने कंपनी के साथ ही सेबी इंडिया, मुंबई व केंद्रीय रजिस्ट्रार मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसायटी, नई दिल्ली आदि को नोटिस भेजे। इसके बाद भी भुगतान नहीं मिला। जवाब भी नहीं दिया। कंपनी पर 3 करोड़ से अधिक की धनराशि देय है। आरोप लगाया कि मुख्य गार्जियन सुब्रत राय ने अन्य कर्मचारियों के साथ मिलकर स्कीमों में धन का लालच दिया।

मगर रुपए का भुगतान नहीं किया। उनके साथ ही आम लोगों के साथ धोखाधड़ी कर धन हड़प लिया। पुलिस ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की। इस पर अदालत का दरवाजा खटखटाया। मुकेश कुमार जैन ने 29,80,266, उनकी पत्नी स्नेह जैन ने 22,35,788, बेटे अतिशय जैन ने 12,10,365, बेटी नीलांशा जैन ने 38,61,026, मुकेश ने अपनी और बेटी के नाम से संयुक्त स्कीम में 1,39,968 रुपए जमा कराए थे। यह रकम 15 जनवरी 2016 से 31 जुलाई 2018 तक अलग-अलग तारीख में कंपनी के कमला नगर कार्यालय में जमा कराई थी। उन्होंने 1106 सावधि एफडी सर्टिफिकेट लिए। इनका भुगतान 15 मई 2021 से 31 जनवरी 2020 तक किया जाना था। मुकदमे में मैसर्स सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड (लखनऊ), मेसर्स सहारा यूनिवर्सल मल्टी परपज सोसायटी लिमिटेड (श्रीराम टॉकीज के पास, कमला नगर, आगरा), सुब्रत राय (चीफ गार्जियन मैनेजिंग चेयरमैन), डायरेक्टर सीमांतो राय, चांदनी राय, शुशांतो राय, रिचा राय, डीके श्रीवास्तव, अरविंद उपाध्याय, सीमा, ओपी श्रीवास्तव, अलख कुमार सिंह, एसवी सिंह, टेरिटरी चीफ प्रशांत वर्मा, जोनल चीफ गनेश पांडे व कंपनी के अन्य अधिकारी नामजद हैं।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर सीएम योगी ने कहा

कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति ने भारत को तोड़ा

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर लखनऊ में आयोजित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने 1947 के विभाजन को कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति का काला अध्याय करार देते हुए कहा कि इस भीषण त्रासदी ने सनातन भारत की एकता को तोड़कर देश को पीड़ा दी। उन्होंने कहा कि आज 14 अगस्त 1947 की विभाजन विभीषिका को याद करते हुए पूरा देश शोकाकुल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में इस दिन को स्मृति दिवस घोषित कर इतिहास को जीवंत किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और देशवासियों को इतिहास से सबक लेने का आह्वान किया। प्रदर्शनी में विभाजन के बाद उपजी हिंसा और उससे प्रभावित लोगों से

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस
मौन पदयात्रा
14 अगस्त
भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर एवं जिला

विभाजन विभीषिका
स्मृति दिवस
14 अगस्त
कल तक था जो आंगन हमारा ?

संबंधित डिजिटल आर्काइव फोटो, अखबार कतरनें, राजकीय अभिलेख और विस्थापित परिवारों की संरक्षित सामग्री के जरिए युवाओं को तुष्टिकरण की कीमत उस दौर की वेदना से अवगत कराया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारियों ने फांसी के फंदे को गले लगाया लेकिन कांग्रेस ने सत्ता के लालच में देश का बंटवारा कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिमी पाकिस्तान के लाहौर, कराची, रावलपिंडी, मुल्तान जैसे क्षेत्रों को हिंदू, सिख और बौद्ध विहीन बनाने का अभियान कांग्रेस की नीति का नतीजा था। इस हिंसा में 15-20 लाख लोगों की जान गई और करोड़ों विस्थापित हुए। सीएम योगी ने कहा कि यह अत्याचारों की पराकाष्ठा थी, जिसे कांग्रेस ने बढ़ावा दिया। सीएम ने कांग्रेस पर विस्थापितों के प्रति उदासीनता का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और ईसाई समुदाय के लोग घर-बार छोड़कर आए, उनके लिए तत्कालीन सरकार ने न स्मारक बनाए, न संग्रहालय स्थापित किए। उनकी पीड़ा को भुला दिया गया। इसके विपरीत, उन्होंने पीएम मोदी की सराहना की, जिन्होंने सीएए के जरिए शरणार्थियों को नागरिकता और पुनर्वास का अधिकार दिया।

सीएम ने कहा कि पहली बार जम्मू-कश्मीर और अन्य क्षेत्रों में शरणार्थियों को सीएए से नागरिकता मिली। ये लोग भारत के विकास में योगदान दे रहे हैं, लेकिन कांग्रेस ने उनके पुनर्वास के लिए कभी प्रयास नहीं किया। सीएम योगी ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनकी स्मृतियों को हमारा नमन है। सीएम योगी ने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश सरकार सीएए के तहत पात्र परिवारों को जमीन के पट्टे और उचित पुनर्वास देगी। उन्होंने कहा कि हम उनके हितों की रक्षा और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से देश के युवाओं को इतिहास से जोड़ना जरूरी है। इसमें विभाजन की त्रासदी, दंगे, विस्थापन और कत्लेआम की झलकियां दर्शाई गई हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह पहल पीड़ित परिवारों के घावों पर मरहम लगाने का काम कर रही है और आने वाली पीढ़ियों को सच से भी अवगत करा रही है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

यूपी के 17 पुलिसकर्मियों को वीरता पदक

छह को उत्कृष्ट और 72 को सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के पुलिसकर्मियों को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति के वीरता पदक और राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए सूची जारी कर दी गई है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेश पुलिस के 17 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति का वीरता पदक (गैलेंट्री अवार्ड) देकर सम्मानित किया गया है। इनमें 10 पुलिसकर्मी स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के हैं। इसके अलावा 6 पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए, जबकि 72 को सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का पदक प्रदान किया गया है।

वीरता पुरस्कार पाने वालों में डीआईजी अजय कुमार साहनी, डिप्टी एसपी दीपक कुमार सिंह, धर्मेश कुमार शाही, इंस्पेक्टर मुनीश प्रताप सिंह चौहान, हेमंत भूषण सिंह, सब इंस्पेक्टर अक्षय प्रवीर कुमार त्यागी, मुकेश कुमार, दिनेश चंद्रा, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार, प्रमोद कुमार, अरुण कुमार, टिंकल, मनोज कुमार, यशवंत सिंह, नीरज कुमार पांडेय, कांस्टेबल राजन कुमार (दूसरी बार) और मुकेश सिंह शामिल हैं। इसके अलावा एडीजी के. सत्यनारायण, एडीजी डॉ. संजीव गुप्ता, डीआईजी कुलदीप नारायण, राजेश कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर अवध नारायण और तारा चंद्र को इनको उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का पदक दिया गया है।

सराहनीय सेवाओं के लिए एसपी ब्रजेश कुमार सिंह, लक्ष्मी निवास मिश्रा, एएसपी अनिल कुमार, अनिल कुमार झा, अजीजुल हक, नरेंद्र प्रताप सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह, डिप्टी कमांडेंट अशोक कुमार, डिप्टी एसपी इनामुल हक, करन सिंह यादव, पंकज श्रीवास्तव, उर्मिला सोलंकी, प्रदीप कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट शोभनाथ यादव, इंस्पेक्टर ओमप्रकाश, अभय कुमार मौर्य, राम आधार, राम विलास पांडेय, उमापति मिश्रा, रूप कृष्ण त्रिपाठी, विनय कुमार, प्रशांत कुमार पांडेय, मुकंदी सिंह, छोटे सिंह, अरुण कुमार श्रीवास्तव, प्लाटून कमांडर राजेंद्र सिंह, रामेश्वर राय, धीरेंद्र बहादुर सिंह, दिनेश चंद्र, भुवन चंद्र भट्ट, प्रेमचंद्र यादव, सब इंस्पेक्टर आदर्श कुमार दीक्षित, ब्रजेश कुमार सिंह, राम प्रकाश यादव, रमेश चंद्रा, अजित सिंह, नरेंद्र सिंह यादव, आलोक चंद्र सेन, मनमोहन लाल, उदय नारायण तिवारी, दुर्गा शंकर बाजपेयी, शिवराज सिंह यादव, विनोद कुमार सिंह, कमला कांत तिवारी, महेश प्रसाद सिंह, रवींद्र कुमार, शिव कुमार, श्रीकांत पांडेय, रामवीर सिंह, अरुण कुमार, श्याम सिंह, फखरे आलम अलवी, राम प्रसाद, विजय शंकर, अवधेश कुमार उपाध्याय, हेड कांस्टेबल मोहम्मद आरिफ, राजेंद्र सिंह, राम प्रकाश सिंह यादव, राम चंद्र सैनी, ओमकार सिंह, अवलींद्र कुमार यादव, कबीर अहमद, कृष्ण कुमार यादव, राधे कृष्ण, अजय कुमार राय, अनिल कुमार, नेत्रपाल सिंह, सर्वजीत सिंह यादव, श्रीपाल सिंह, राकेश कुमार सिंह, शैलेंद्र सिंह यादव व छेदी यादव को राष्ट्रपति पदक प्रदान किया गया है।

इसके अलावा फायर सर्विस के चार कर्मियों राम कुमार, शिवराज सिंह, मानवीर सिंह और मानबहादुर सिंह को भी राष्ट्रपति का उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति का पदक दिया गया है।

इसके अलावा होमगार्ड व सिविल डिफेंस के छह कर्मियों को भी राष्ट्रपति का पदक प्रदान किया गया है। इनमें होमगार्ड के जिला कमांडेंट संजय कुमार शर्मा, धीरेंद्र नाथ सिंह, डिवीजनल वार्डन सुजीत कुमार प्रसाद, चीफ वार्डन (फायर) के स्टाफ अफसर सुरेश कुमार गुप्ता, डिप्टी डिवीजनल कमांडेंट ध्यान प्रकाश तिवारी और ब्लॉक आर्गनाइजर पीतम सिंह शामिल हैं।

माफिया अतीक के सफाये पर सीएम योगी की तारीफ करने वाली

सपा विधायक पूजा पाल को पार्टी से निकाला

लखनऊ, 14 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सीएम योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करने वाली सपा विधायक पूजा पाल को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी से निष्कासित कर दिया। माफिया अतीक के खिलाफ की गई कार्रवाई पर पूजा पाल ने कहा था कि अपराध के प्रति सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस की नीति से उन्हें न्याय मिला। पूजा पाल ने कहा था, अतीक अहमद ने मेरे पति की हत्या की थी और योगी सरकार की सख्त नीति के कारण मेरे साथ-साथ प्रयागराज की कई महिलाओं को न्याय मिला।

सपा नेता अखिलेश यादव विधायक पूजा पाल के इस बयान से असहज थे। निष्कासन के लिए जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि पूजा पाल द्वारा किया गया कार्य पार्टी विरोधी और गंभीर अनुशासनहीनता है। अत: उन्हें तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है। उन्हें सपा के सभी पदों से भी हटा दिया गया है अब वह पार्टी के किसी भी कार्यक्रम और मीटिंग में हिस्सा नहीं ले सकेंगी और न ही उन्हें आमंत्रित किया जाएगा।

सपा से निकाले जाने के बाद विधायक पूजा पाल ने कहा, मेरे पति की हत्या अतीक अहमद ने की थी और फिर योगी सरकार ने मुझे न्याय देते हुए अतीक अहमद को सजा दी। ये कहना गलत नहीं है कि मुझे न्याय मिला। यह बात सच है कि मेरे दुश्मनों को खत्म किया गया तो इससे मैं इन्कार कैसे कर सकती हूं।

संपादकीय

कुत्तों पर 'सुप्रीम' नकेल

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आवारा कुत्तों की नकेल कसने और उन्हें आश्रय-गृहों में रखने पर सर्वोच्च अदालत का फैसला 'मानवीय' है, क्योंकि कई इलाकों में कुत्ते 'यमदूत' बने हैं। वे बच्चों और बुजुर्गों को काट रहे हैं, नतीजतन देश में करीब 5700 मौतें हर साल रेबीज के कारण होती हैं। देश की राजधानी में ही करीब 10 लाख लावारिस कुत्तों का अनुमान है। इतनी आबादी तो 37 देशों की भी नहीं है। दिल्ली के तीन बड़े अस्पतालों में इसी साल करीब 91,009 कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए हैं। समझा जा सकता है कि आवारा कुत्तों का जानलेवा खतरा कितना भयावह है? लेकिन सर्वोच्च अदालत के फैसले को एकतरफा और स्वाभाविक न्याय के खिलाफ मानने वाले व्यक्ति और संगठन दिल्ली में सडक़ों पर उतर आए हैं। वे देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई से अनुरोध कर रहे हैं कि फैसले पर पुनर्विचार किया जाए। उनके सवाल हैं कि आठ सप्ताह (यानी 2 माह) में क्या किया जा सकता है? दिल्ली के 4 जोन के एक सर्वेक्षण के मुताबिक, राजधानी में 1.89 लाख कुत्ते हैं और निकटवर्ती नोएडा, ग्रेटर नोएडा में 35,000 कुत्ते हैं। पूरी राजधानी दिल्ली में कुत्तों की संख्या ज्यादा है। कुत्तों को रखने, उनकी देखभाल करने, उन्हें पर्याप्त भोजन देने, उनकी चिकित्सा और नसबंदी आदि व्यवस्थाओं के लिए आश्रय-स्थल, कर्मचारी और बजट कहां हैं? पशु-प्रेमी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी का कहना है कि दिल्ली में 3 लाख कुत्तों के लिए करीब 3000 आश्रय-गृह चाहिए। देखरेख के लिए 1.5 लाख लोगों की जरूरत पड़ेगी। खाने-पिलाने और रखरखाव पर हर सप्ताह 3-4 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह फैसला व्यावहारिक नहीं है, लिहाजा प्रधानमंत्री हस्तक्षेप करें। फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिख कर फैसले की समीक्षा की गुहार लगाई है। जॉन इन्हें आवारा नहीं, सामुदायिक कुत्ते मानते हैं। लोग इनका सम्मान करते हैं और प्रेम भी करते हैं। ऐसी ही प्रतिक्रियाएं कई अतिविशिष्ट लोगों ने व्यक्त की हैं। पशु-प्रेमियों की दलीलें हैं कि कुत्ते देश की सीमाओं की रक्षा में योगदान देते हैं। बड़े मामलों, आपदाओं, हादसों और हत्याओं की गुत्थियां सुलझाने में भी कुत्तों की भूमिका अहम रही है और उसे सराहा गया है। लेकिन यह भी यथार्थ है कि दिल्ली की गलियों, इलाकों, पार्कों आदि सामुदायिक स्थलों पर आवारा कुत्ते सक्रिय हैं और वे बच्चों और बुजुर्गों पर हिंसक हमले करते रहे हैं। यह भी देखा गया है कि लोग उन्हें खाना, बिस्कुट, अंडे आदि खिलाते रहते हैं। फिर भी वे क्यों काटते हैं, यह प्रवृत्ति समझ में नहीं आई। शायद हिंसक होना ही कुत्ते की प्रवृत्ति होगी! सर्वोच्च अदालत ने यह मामला स्वतः संज्ञान लिया है, लिहाजा अदालत का आदेश है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन फैसले को लागू करने में बाधा बनेगा, तो उसके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। यदि इस समस्या को राष्ट्रीय संदर्भों में देखें, तो तीन मंत्रालयों का कहना है कि देश में करीब 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। इनमें 70 फीसदी का टीकाकरण और नसबंदी एक ही साल में करने का लक्ष्य तय किया गया है। ये मंत्रालय हैं-आवास एवं शहरी कार्य, पंचायती राज एवं मत्स्य पालन एवं डेयरी मंत्रालय। दरअसल यह बेहद संवेदनशील मुद्दा भी है, क्योंकि कुत्ते बेजुबान प्राणी हैं। वे अपना पक्ष रखने में असमर्थ हैं। स्वाभाविक न्याय उन्हें भी मिलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने 22 जुलाई को संसद में बताया था कि बीते वर्ष देश में कुत्ते के काटने के कुल मामले 37,17, 336 थे, जबकि रेबीज से मौतें 54 थीं। रेबीज बेहद खतरनाक बीमारी है। बहरहाल इस समस्या का ठोस समाधान हो।

> देश की राजधानी में ही करीब 10 लाख लावारिस कुत्तों का अनुमान है। इतनी आबादी तो 37 देशों की भी नहीं है। दिल्ली के तीन बड़े अस्पतालों में इसी साल करीब 91,009 कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए हैं। समझा जा सकता है कि आवारा कुत्तों का जानलेवा खतरा कितना भयावह है? लेकिन सर्वोच्च अदालत के फैसले को एकतरफा और स्वाभाविक न्याय के खिलाफ मानने वाले व्यक्ति और संगठन दिल्ली में सडक़ों पर उतर आए हैं। वे देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई से अनुरोध कर रहे हैं कि फैसले पर पुनर्विचार किया जाए। उनके सवाल हैं कि आठ सप्ताह (यानी 2 माह) में क्या किया जा सकता है? दिल्ली के 4 जोन के एक सर्वेक्षण के मुताबिक, राजधानी में 1.89 लाख कुत्ते हैं और निकटवर्ती नोएडा, ग्रेटर नोएडा में 35,000 कुत्ते हैं। पूरी राजधानी दिल्ली में कुत्तों की संख्या ज्यादा है। कुत्तों को रखने, उनकी देखभाल करने, उन्हें पर्याप्त भोजन देने, उनकी चिकित्सा और नसबंदी आदि व्यवस्थाओं के लिए आश्रय-स्थल, कर्मचारी और बजट कहां हैं? पशु-प्रेमी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी का कहना है कि दिल्ली में 3 लाख कुत्तों के लिए करीब 3000 आश्रय-गृह चाहिए। देखरेख के लिए 1.5 लाख लोगों की जरूरत पड़ेगी।

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही

शिक्षा-चिकित्सा को मुनाफाखोरी से बचाने का भागवत-आह्वान

ललित गर्ग

> चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इंदौर के एक किफायती कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर जो बात कही, वह आज की सबसे बड़ी सामाजिक-आर्थिक और नैतिक आवश्यकता को उजागर करती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा और चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों को मुनाफाखोरी से मुक्त होना चाहिए, क्योंकि ये सेवा के क्षेत्र हैं, व्यापार के नहीं। हाल के वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा का जिस तेजी से बाजारीकरण एवं व्यावसायीकरण हुआ है, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र ने इसे धन कमाने का जरिया बनाया है, वह न केवल नये समाज निर्माण की चिन्ताओं बल्कि एक दूषित सोच को दर्शाता है। क्योंकि उसने आम आदमी को बदहाली के कगार पर पहुंचाया है। महंगी शिक्षा ने जहां अभिभावकों का बजट हिला दिया है, वहीं चिकित्सा के नाम पर मुनाफाखोरी ने लाखों परिवारों को गरीबी के दलदल में धकेलते हुए जरूरी चिकित्सा से वंचित किया है। इस मर्ज की रग पर हाथ रखते हुए भागवत द्वारा दी गई चेतावनी सत्ताधीशों की आंख खोलने वाली है।

भारत में स्वास्थ्य-शिक्षा को प्रारंभ से ही सामाजिक दायित्व मानने की परंपरा रही है। लेकिन दुर्भाग्य से आज स्कूल-कॉलेज और अस्पताल लाभ संचालित उपक्रमों में तब्दील हो गए हैं और सेवा की बजाय धन कमाने के अड्डे बन गये हैं। आज निजी क्षेत्र के साथ-साथ सरकारों की मानसिकता भी धन-केन्द्रित होती जा रही है, जिससे आमजन को सस्ते एवं किफायती शिक्षा एवं चिकित्सा के साधन-सुविधाएं सुलभ नहीं हो रही है। मुनाफाखोरी की अंतहीन लिप्सा ने कथित गुणवत्ता वाले स्कूलों व अस्पतालों को आम आदमी की पहुंच से दूर किया है। इन जटिल होती स्थितियों के बीच भागवत का यह बयान केवल एक सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है-सरकार, नीति-निर्माताओं और समाज के लिए। शिक्षा और स्वास्थ्य, दोनों ही मानव जीवन के मूलभूत स्तंभ हैं। लेकिन आज इन दोनों क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक प्रवृत्तियां इन्हें सेवा के बजाय मुनाफे की मशीन बना रही हैं। निजी स्कूलों की भारी फीस, कोचिंग संस्थानों की प्रतिस्पर्धा और महंगे मेडिकल कॉलेजों की ट्यूशन- इन सबने शिक्षा को गरीब और मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी तरह, अस्पतालों और दवा कंपनियों का अत्यधिक मुनाफा-उन्मुख मॉडल स्वास्थ्य को एक महंगे उत्पाद में बदल रहा है।

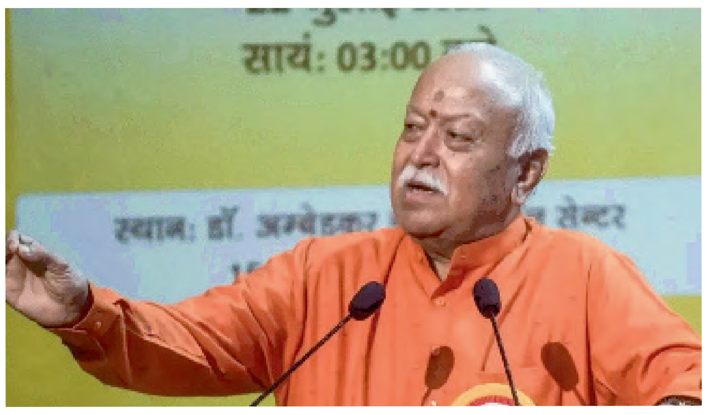

निस्संदेह, मोहन भागवत की यह चिंता हमारे समय की विसंगतियों एवं विकृत आर्थिक सोच पर तीखा प्रहार करती है। आज आम भारतीय परिवारों पर स्वास्थ्य सेवाओं का भारी वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। विडंबना यह है कि इस खर्च का छोटा हिस्सा ही सरकारी खजाने से वहन किया जाता है, जो कि स्वास्थ्य खर्च का महज 17 फीसदी है। वहीं करीब 82 फीसदी स्वास्थ्य खर्च लोगों को मुश्किल हालात में वहन करना पड़ता है। इन स्थितियों के चलते अस्पताल में भर्ती होने के बाद कई परिवार जीवन भर के लिये कर्ज में डूब जाते हैं। तो कई परिवार हमेशा के लिये गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। आज देश की बड़ी आबादी गैर संक्रामक रोगों, मसलन हृदय रोग, मधुमेह व उच्च रक्तचाप आदि से जूझ रही है। इनकी जांच, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिये मरीजों को एक बड़ी रकम चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। जो कि बीमा योजनाओं के द्वारा बमुश्किल ही पूरी की जाती है। इन विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक स्थितियों के बीच मोहन भागवत का यह संदेश न केवल आर्थिक सुधार का आह्वान है, बल्कि सामाजिक पुनर्जागरण का भी। शिक्षा और चिकित्सा को व्यापार से मुक्त करना सिर्फ भावनात्मक या नैतिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र की स्थिरता और समानता का प्रश्न है। जब गरीब को इलाज न मिले, और होनहार छात्र को शिक्षा से वंचित रहना पड़े, तब असमानता, असंतोष और सामाजिक अशांति बढ़ती है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया भारत, विकसित भारत, विश्वासभरा भारत का नारा कोरा दिखावा ही प्रतीत होता है।

नये भारत में जब आम जनता से करो के रूप में भारी भरकम रकम वसूली जा रही है, जो उस रकम को जनकल्याण एवं जनसेवा में खर्च किया जाना चाहिए। आजादी के बाद से सरकार पर शिक्षा एवं चिकित्सा की ही जिम्मेदारी डाली गयी थी, जिसको सरकारों ने बड़ी चतुराई से धीरे-धीरे निःशुल्क की बजाय सशुल्क करने की कारगरी दिखाई है, जो जनता के विश्वास को आहत करने वाली है। इसलिये भागवत का यह बयान सरकार के लिए आंख खोलने वाला होना चाहिए। नीति-स्तर पर ऐसे कदम जरूरी हैं जिनसे-सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य संस्थानों को उच्च गुणवत्ता के साथ सशक्त एवं जनसुलभ किया जाए। निजी क्षेत्र में फीस और इलाज की दरों पर प्रभावी नियंत्रण हो। सेवा-भाव को बढ़ाने के लिए कर-छूट और प्रोत्साहन मिलें, जबकि मुनाफाखोरी पर कठोर दंड लागू हो। स्वास्थ्य और शिक्षा में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाए, इन दोनों क्षेत्रों से धन कमाने की प्रवृत्तियों को अपराध माना चाहिए। यह भी तय किया जाये कि इन दोनों क्षेत्रों में सेवा एवं मिशन भावना से आने वालों को ही मान्य किया जाये, धन कमाने वालों के लिये इन दोनों क्षेत्रों के दरवाजे बन्द हो।

शिक्षा और स्वास्थ्य में मुनाफाखोरी को रोकना केवल कानून से संभव नहीं, इसके लिए समाज में मूल्य-आधारित सोच का विकास भी आवश्यक है। सेवा-भाव, मानवीय संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण मूल्याधारित आर्थिक ढांचा-यही स्थायी समाधान हैं। मोहन भागवत की यह पहल यदि नीतिगत बदलावों में परिणत होती है, तो यह भारत को न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी मजबूत बनाएगी। भागवत ने कॉर्पोरेट शैली के कथित कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व यानी सीएसआर के जुमले के बजाय लोककल्याण के धार्मिक सिद्धांतों के अनुसरण की भी अपील की। वर्तमान में कॉर्पोरेट जगत ने सीएसआर फण्ड को स्वयं के बनाये ट्रस्टों में दिखाकर सरकार के सीएसआर प्रावधानों की धज्जियां उडा रखी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच और दर्शन में शिक्षा और चिकित्सा हमेशा "सेवा और संस्कार" के मूल्यों से जुड़ी रही है। संघ मानता है कि राष्ट्र निर्माण का असली आधार स्वस्थ और शिक्षित नागरिक हैं, और इन दोनों आवश्यकताओं को समाज के हर वर्ग तक सस्ती, सुलभ और समान रूप से पहुंचाना ही सच्ची देशभक्ति है। डॉक्टर को केवल इलाज का शुल्क लेने वाला पेशेवर नहीं, बल्कि रोगी की पीड़ा का साझेदार मानना और शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला कर्मी नहीं, बल्कि जीवन-निर्माता के रूप में देखना-यही संघ का दृष्टिकोण है। इसी सोच के तहत भागवत का यह आह्वान है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को मुनाफाखोरी के पंजे से मुक्त कर, इन्हें सेवा के आदर्श पर स्थापित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो और कोई भी रोगी आर्थिक बोझ के कारण इलाज से दूर न रहे। सरस्वती के मंदिर एवं सेवा के आश्रय-स्थल आज व्यापार के केंद्र बन गये हैं, ये मिशन नहीं, व्यवसाय बन गये हैं। पिछले दिनों इससे जुड़ा जनाक्रोश तब चरम पर नजर आया जब हैदराबाद के एक स्कूल में नर्सरी में दाखिले की सालाना फीस ढाई लाख रुपये बतायी गई। जिससे अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त हो गया। जिसके बाद महंगी होती शिक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई। निस्संदेह, बढ़ती फीस के ये आंकड़े शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण एवं बाजारीकरण को भी रेखांकित करते हैं।

देश दुनिया से

प्रतिशोध की राजनीति और चुनावी अस्थिरता

आठ अगस्त, 2024 को, जब नोबेल शांति पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश का अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया, तब देश की बिखरी हुई संस्थाओं और हिंसक सड़कों के बीच यह एक ऐतिहासिक प्रयोग था। सेना और नागरिक समाज दोनों ने उम्मीद जताई कि उनकी नैतिक छवि और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा राजनीति के दलदल से देश को बाहर निकाल पाएंगी। लेकिन एक साल बाद, तस्वीर उम्मीद से कहीं अधिक धुंधली और तनावपूर्ण हो गई है। आज बांग्लादेश आर्थिक दबाव, युवाओं के गुस्से, राजनीतिक अविश्वास, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और पड़ोसी भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्तों के बीच खड़ा है। यूनुस ने कुछ सुधारों की शुरुआत की, लेकिन आईएमएफ-समर्थित कठोर नीतियों और धीमी राजनीतिक संवाद प्रक्रिया ने हालात को स्थिर होने के बजाय और जटिल बना दिया है। यूनुस सरकार का सबसे बड़ा दांव आईएमएफ पैकेज रहा, जिसने मुद्रा को स्थिर करने में मदद की। लेकिन इसकी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ रही है—सब्सिडी में कटौती, ईंधन और खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि, और रोजगार के अवसरों में ठहराव के रूप में। तैयार-पोशाक निर्यात क्षेत्र, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और घरेलू श्रमिक अशांति से जूझ रहा है। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यूनुस ने राजकोषीय अनुशासन लागू करने में तो सख़्ती दिखाई, लेकिन रोजगार सृजन और छोटे उद्योगों के पुनर्जीवन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह है कि महंगाई कम होने के बावजूद जनता को राहत का अहसास नहीं हो रहा। ग्रामीण इलाकों में कृषि लागत बढ़ गई है और शहरी क्षेत्रों में रोजगार संकट गहराता जा रहा है, जिससे आर्थिक असंतोष और बढ़ गया है। शुरुआत में, यूनुस का सबसे बड़ा सामाजिक पूंजी बैंक युवा वर्ग था, जिसने बदलाव की उम्मीद में उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया था। लेकिन एक साल बाद, बेरोज़गारी और अवसरों की कमी के कारण वही युवा सड़क पर हैं। विश्वविद्यालय परिसरों से लेकर ढाका की सड़कों तक, छात्र संगठनों ने सरकार की नीतियों पर खुलकर नाराज़गी जताई है। कई विरोध प्रदर्शन हिंसक हो चुके हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और अस्थिर हो गया है। युवाओं की यह अधीरता अगर चुनावी वर्ष में हिंसा में बदल गई तो न केवल यूनुस की साख, बल्कि पूरे संक्रमणकालीन लोकतांत्रिक प्रयोग को भी गंभीर खतरा हो सकता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि युवाओं का यह गुस्सा सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से फैल रहा है और इसकी क्षमता है कि वह 2026 के चुनाव को प्रभावित कर सकता है। भारत ने चुनावी उथल-पुथल के बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण देकर एक मानवीय और रणनीतिक फैसला लिया, लेकिन इसका असर बांग्लादेश की घरेलू राजनीति पर उल्टा पड़ा। आम बांग्लादेशी, जो हसीना को एक सत्तावादी और अलोकप्रिय नेता मानते हैं, इस कदम को स्वीकार नहीं कर सके। यूनुस ने सार्वजनिक रूप से भारत के इस निर्णय की आलोचना तो नहीं की, लेकिन उनके हालिया कदम—चीन के साथ नजदीकी, निवेश परियोजनाओं पर नई वार्ता और बीजिंग समर्थित ढांचागत योजनाओं को प्राथमिकता—ने संकेत दिया है कि वे एक नई कूटनीतिक धुरी स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। इस रणनीति ने भारत-बांग्लादेश संबंधों में ठंडापन बढ़ा दिया है। नई दिल्ली सतर्क है, जबकि ढाका में यह धारणा बनने लगी है कि यूनुस भारत से दूरी बनाए रखते हुए चीन के पाले में अधिक सहज हैं। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के परदे के पीछे अमेरिका की भूमिका को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। वाशिंगटन ने लंबे समय से शेख हसीना के शासन से असंतोष जताया था और सत्ता से उनके हटने की प्रक्रिया को परोक्ष रूप से समर्थन दिया। अमेरिकी रणनीति का मुख्य लक्ष्य बांग्लादेश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्जीवित करना और चीन के बढ़ते प्रभाव को सीमित करना था। लेकिन भारत द्वारा हसीना को शरण देने के फैसले ने इस समीकरण में अप्रत्याशित मोड़ ला दिया। वाशिंगटन, जिसने यूनुस के उदय को चुपचाप समर्थन दिया था, इस कदम से संतुष्ट नहीं है। अमेरिकी नीति निर्माताओं का मानना है कि यह कदम बांग्लादेश के संक्रमणकाल को अनावश्यक रूप से जटिल बना सकता है और यूनुस सरकार पर घरेलू स्तर पर अधिक दबाव डाल सकता है। इस असहमति ने भारत-अमेरिका संवाद में हल्की खटास पैदा कर दी है। हालांकि, सार्वजनिक बयानों में दोनों देश इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन कूटनीतिक गलियारों में यह स्पष्ट है कि वाशिंगटन और नई दिल्ली इस बात पर एकमत नहीं हैं कि हसीना को शरण देना दीर्घकालीन दृष्टि से सही था या नहीं। अवामी लीग और बीएनपी के बीच प्रतिशोध की राजनीति इतनी गहरी है कि यूनुस के संवाद मंच भी इसे तोड़ नहीं पाए। अवामी लीग खुद को हाशिये पर महसूस कर रही है, जबकि बीएनपी को आशंका है कि चुनावी सुधार अधूरे रह जाएंगे।

आप का नजरिया

ऊना की रेल में कांगड़ा

हिमाचल में विकास के खाकों को अब जन सुविधाओं, अपेक्षाओं और हकीकत के तराजू पर देखना होगा। हाल ये है कि स्कूल-कालेज तो बढ़ गए, शिक्षा वहीं खड़ी है। मेडिकल कालेज भी संख्या में अधिक हो गए, लेकिन चिकित्सा आज भी रोगियों से डरी हुई है। सडक़ें बरसात से और कनेक्टिविटी हालात से परेशान है। गनीमत यह है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने फोरलेन का एक खाका बना दिया, वरना राज्य के बजट ने सियासत के पत्थर लगा देने थे। हम योजनाओं-परियोजनाओं को या तो केंद्र के खाते से देखते रहे या सत्ता के प्रभाव ने विकास की संकीर्णता में जवाबदेही गंवा दी। पहले फोरलेन के पत्थर परवाणू से शिमला मार्ग पर तराशे गए। अगर यही पठानकोट-कांगड़ा-शिमला मार्ग पर लगाए जाते, तो आठ जिलों की कनेक्टिविटी के कई प्रवेश द्वार सुदृढ़ हो जाते। हमने दो दशक पहले ही हिमाचल की कनेक्टिविटी के तीन प्रमुख प्रवेश द्वार बताए थे। यानी हिमाचल की प्रमुख सडक़ों को हमीरपुर से गुजार कर हम प्रदेश की दूरियों को पाट सकते हैं। हमने पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेलवे मार्ग को ब्रॉडगेज करने के बजाय यह कहा था कि हिमाचल के भीतर रेल ऊना से ही आएगी, जबकि हवाई यात्राओं का विस्तार कांगड़ा एयरपोर्ट से ही संभव है। आश्चर्य यह कि पिछली भाजपा सरकार कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की फाइल पर मंडी का नक्शा चस्पां करती रही, जबकि न मिली माया और न ही मिले राम। हमारा विकास अब या तो पकड़ा जा रहा है या यह मान लेना चाहिए कि सियासी कारणों से विकास की चोरी नहीं होनी चाहिए। अगर सरकारी होटल बेचने, कार्यालय, स्कूल व कालेज बंद करने की नौबत आ रही है, तो मानना पड़ेगा कि यह विकास था ही नहीं, यहां तो वास्तविक विकास को छीना गया या किसी क्षेत्र की संभावना का न्यायोचित अधिकार चुरा लिया गया। एचआरटीसी को बस रूट बंद करके अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने को कहा जा रहा है, जबकि बंद तो बस डिपो होने चाहिएं। उदाहरण के लिए कांगड़ा जिला में बैजनाथ, पालमपुर, जयसिंहपुर, नगरोटा बगवां, संसारपुर टैरेस, पठानकोट, देहरा गोपीपुर व धर्मशाला में कुल आठ बस डिपो बना दिए गए, जबकि बसों के संचालन को दो या तीन डिपो से भी सक्षम बनाया जा सकता है। बहरहाल आज हम कनेक्टिविटी की बात करें तो ऊना व जालंधर से जुड़े सबसे व्यस्त कांगड़ा मार्ग को फोरलेन बनाना होगा। दूसरी ओर रेलवे विस्तार पर एक आशा दिखाई दे रही है। पहली बार पठानकोट-मंडी रेलवे लाइन को चौड़ा करने का मामला छोडक़र कांगड़ा के सांसद डा. राजीव भारद्वाज, हमीरपुर संसदीय क्षेत्र का नेतृत्व कर रहे सांसद अनुराग ठाकुर के रेलवे ड्रीम की कांगड़ा से संगत बैठा रहे हैं। दोनों सांसद अगर एक साथ केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ मिल कर ऊना से रेल को कांगड़ा की ओर मोडऩे को प्रयासरत हैं, तो यह परियोजना प्रदेश की तीन-चौथाई आबादी के लिए वरदान सिद्ध होगी। पाठकों को याद होगा कि हमने अंब-अंदौरा तक पहुंची ट्रेन को एक मंदिर रेल विकास परियोजना के तहत ज्वालाजी तक पहुंचाने का बार-बार सुझाव दिया है। अगर अंब-अंदौरा से ज्वालाजी तक आरंभिक सर्वेक्षण पूरा हो तो आगे चलकर यहीं से कांगड़ा के चामुंडा व बज्रेश्वरी मंदिर, हमीरपुर-बिलासपुर और मंडी के तीर्थस्थल भी जुड़ सकते हैं। इसी तर्ज पर कांगड़ा व हमीरपुर के सांसदों को कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार तथा ऊना-धर्मशाला एक्सप्रेस हाईवे के लिए भी केंद्रीय परियोजनाओं पर एक साथ काम करना होगा। हिमाचल में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक साथ सभी जिलों में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन का मैप बने, तो ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी व अन्य जिलों में अलग-अलग खेलों का ढांचा विकसित हो सकता है।

> मेडिकल कालेज भी संख्या में अधिक हो गए, लेकिन चिकित्सा आज भी रोगियों से डरी हुई है। सडक़ें बरसात से और कनेक्टिविटी हालात से परेशान है। गनीमत यह है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने फोरलेन का एक खाका बना दिया, वरना राज्य के बजट ने सियासत के पत्थर लगा देने थे। हम योजनाओं-परियोजनाओं को या तो केंद्र के खाते से देखते रहे या सत्ता के प्रभाव ने विकास की संकीर्णता में जवाबदेही गंवा दी। पहले फोरलेन के पत्थर परवाणू से शिमला मार्ग पर तराशे गए। अगर यही पठानकोट-कांगड़ा-शिमला मार्ग पर लगाए जाते, तो आठ जिलों की कनेक्टिविटी के कई प्रवेश द्वार सुदृढ़ हो जाते। हमने दो दशक पहले ही हिमाचल की कनेक्टिविटी के तीन प्रमुख प्रवेश द्वार बताए थे।

अमृत कलश

भक्ति की शक्ति

संत तुकाराम प्रभु भजन और कीर्तन में इतने लीन रहा करते थे कि कभी कभी खेतों पर मज़दूरी करने जाना भी भूल जाते थे। उनकी पत्नी जिजाई उन्हें अपने दो बच्चों का वास्ता देकर उन्हें काम पर जाने के लिए जोर डालती थी ताकि परिवार का भरण पोषण हो सके। पत्नी की बात मानकर अगले दिन तुकाराम दो रोटी साथ मे बांधकर प्रभु स्मरण करते हुए खेतों की ओर निकल गए। गांव के पंडे ने, जो कि तुकाराम से ईर्ष्या रखता था, वहां आकर कुछ सांड खेतों में छोड़ दिए ताकि तुकाराम का मालिक उन पर खेतों की रक्षा न कर पाने का आरोप लगा सके और उन्हें काम से निकाल दे। सांडों ने खड़ी फसल व मुंडेर तहस-नहस कर दी। तुकाराम बिना घबराए एक जगह खड़े हो गए और अपने इष्ट को याद करते हुए भजन गाने में तल्लीन हो गए। देखते ही देखते सब यथावत् हो गया। नष्ट फसल फिर से खड़ी हो गई और मुंडेर पूर्ववत बन गई। अब उस खेत में इतना अन्न उग आया था कि वह पूरे गांव के लिए पर्याप्त था। पंडे ने जब यह लीला देखी तो लज्जित होकर तुकाराम के चरणों में गिर पड़े।

दृष्टि कोण

विषमता की खाइयां पाटना वक्त की जरूरत

स्वराज में राहत तो होगी/ मज़दूर मगर भूखा होगा/ उसके बदले की रोटी/ दौलत वाला खाता होगा... आज़ादी चीज तो अच्छी है/ लेकिन है पैसे वालों की/ मजदूर को मजदूरी करनी/ गोरों के बजाय कालों की...।' यह पंक्तियां किसने लिखी हैं, यह तो नहीं पता, पर इतना अवश्य पता है कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान कुछ लोग इस तरह के गीत भी गाया करते थे। मैंने अपने पिताजी से बचपन में ये पंक्तियां सुनी थीं और यह बात वे तब कहते थे जब देश में आर्थिक या सामाजिक विषमता का कोई मुद्दा उठता था। समानता और बंधुता के सारे दावों के बावजूद विषमता की खाइयों की गहराइयां कम नहीं हो रहीं। बड़े-बूढ़ों से यह बात हम अक्सर सुनते रहते हैं कि आज़ादी पा लेने के बावजूद देश में समानता का वह सपना कहीं पूरा होते नहीं दिखता जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी देखा करते थे। यह एक सच्चाई अपने आप में बहुत कुछ कह देती है कि आज देश की आबादी के दस प्रतिशत ऊपरी हिस्से के पास देश की राष्ट्रीय संपत्ति का 77 प्रतिशत हिस्सा है! आज जबकि हम अपनी आज़ादी के 78वें साल में दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर तेज़ी से बढ़ने के दावे कर रहे हैं, करोड़ों को गरीबी रेखा से उबारने की दुहाई दे रहे हैं, दुनिया की सबसे तेज़ी से सुधरती अर्थव्यवस्था होने का दम भर रहे हैं, स्वयं को विश्वगुरु मान रहे हैं तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि देश की 80 प्रतिशत आबादी को सरकार द्वारा दिये जाने वाले प्रतिमाह 5 किलो अनाज पर जीवन-यापन क्यों करना पड़ रहा है? सरकारी मदद को भीख कहना अच्छा नहीं लगता है, पर हकीकत है- इससे भी तो इन्कार नहीं किया जा सकता। बरसों पहले भारत की संसद में उठा तीन आने और तेरह आने वाला सवाल एक तरह से आज भी मुंह बाये हमारे सामने खड़ा है। देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए समाजवादी विचारक और नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती दी थी कि वे इस स्थापना को गलत साबित करके बतायें कि देश के 27 करोड़ लोग तीन आने से भी कम पैसे में अपना जीवन-यापन करने के लिए विवश हैं। तब रुपये में सोलह आने हुआ करते थे और देश की आबादी भी 50-55 करोड़ थी। अपने उस भाषण में डॉ. लोहिया ने देश की संसद में कहा था, 'देश के प्रधानमंत्री पर प्रतिदिन पच्चीस हज़ार रुपये खर्च होते हैं! जबकि, देश का आम नागरिक प्रतिदिन तीन आने में अपना काम चलाने के लिए बाध्य है।' ज्ञातव्य है कि तब प्रधानमंत्री नेहरू ने डॉ. लोहिया की इस स्थापना को ग़लत तो कहा था, पर उन पर देशद्रोही होने का आरोप नहीं लगाया था। आज़ादी की लड़ाई के दौरान स्वराज में मजदूर के भूखा सोने की बात कहने वाले की आलोचना तब भी होती थी, पर उन्हें देशद्रोही नहीं समझा जाता था। आज हम आज़ाद हैं, और आज़ादी का तकाज़ा है कि हम सतत् सावधान रहने की शर्त को पूरा करने वाले नागरिक सिद्ध हों। नागरिक की जागरूकता स्वतंत्र देश की सार्थकता की पहली शर्त है। आज जबकि हम आज़ादी की 78वीं सालगिरह मनाए जा रहे हैं।

बोल्टन ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर कसा तंज, कहा-ट्रंप को नोबेल के लिए 2 बार नॉमिनेट कर दें पीएम मोदी

वॉशिंगटन,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने तो यह भी कह दिया है कि ट्रंप बेकार में भारत को नाराज कर रहे हैं। साथ ही तंज कसा कि भारत की तरफ से ट्रंप को दो बार नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर देना चाहिए। इससे साफ है कि भारत के खिलाफ ज्यादा टैरिफ लगाने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकियों के ही निशाने पर आ गए हैं।

बोल्टन ने चीन पर अमेरिका की तरफ से कम टैरिफ लगाए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, यूक्रेन में सीजफायर कराने के ट्रंप के प्रयासों में भारत सरकार प्रभावित हुई है। खास बात है कि ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद पर भारत को निशाना बनाया है और जुर्माना लगाया है। जबकि, अमेरिका और यूरोपीय संघ दोनों ही रूस के कई चीजों के खरीदार हैं। वहीं, चीन भी रूसी तेल खरीदता है, लेकिन उस पर भारत जितना टैरिफ नहीं लगाया गया है।

ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने के चलते भारत पर जुर्माना लगाया था। इससे पहले ही वह भारत के खिलाफ एक बार 25 फीसदी शुल्क का ऐलान कर चुके थे, लेकिन बाद में उन्हें दर को फिर 25 प्रतिशत बढ़ा दिया। अब अमेरिका ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। हालांकि, भारत ने साफ किया है कि राष्ट्रीय हितों के लिए जो जरूरी होगा, वो किया जाएगा। एक चैनल से बातचीत में बोल्टन ने चेताया है कि टैरिफ की वजह से आई दरार को भरने में समय लगेगा। उन्होंने कहा, जब आप इतनी बड़ी गलती करते हैं, जितनी व्हाइट हाउस ने बीते 30 दिनों में भारत को निशाना बनाकर की है, तो भरोसा और विश्वास हासिल करने में समय लगता है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान का भी जिक्र किया और बताया कि किस तरह पीएम शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ट्रंप से निपटने का तरीका खोज रहे हैं। उन्होंने कहा, पीएम मोदी को मेरा एक ही सुझाव है कि वह ट्रंप को दो बार नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर सकते हैं। खास बात है कि पाकिस्तान ने ऐलान किया था कि वह ट्रंप को पुरस्कार के लिए औपचारिक तौर पर नॉमिनेट करेगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत भ्रमण से पहले प्रधानमंत्री ओली करेंगे चीन की यात्रा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली एक बार फिर चीन की यात्रा पर जाने के लिए तैयार हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने के लिए भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री 17 अगस्त को काठमांडू पहुंचने वाले हैं। इससे पहले ओली का चीन का दौरा तय हो गया है। प्रधानमंत्री ओली 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। इसके बाद 16-17 सितंबर को ओली भारत भ्रमण पर रहेंगे। ओली चीन की यात्रा के दौरान संघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन के शिखर सम्मेलन में सहभागी होंगे। इसी सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सहभागी होने वाले हैं। भारत एससीओ संगठन का मुख्य सदस्य है तो नेपाल डायलॉग पार्टनर के रूप में इसका सदस्य है। प्रधानमंत्री ओली के निजी सचिवालय ने उनके चीन दौरे की जानकारी दी है। चीन में ओली की अलग-अलग देशों के राष्ट्रध्यक्षों के साथ सम्मेलन से इतर बातचीत होने की संभावना है। यह पहली बार है जब एससीओ की बैठक में नेपाल की तरफ से प्रधानमंत्री खुद प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। अभी तक के एससीओ बैठक में नेपाल का प्रतिनिधित्व विदेश सचिव या आयोजक देश में नेपाल के राजदूत ही करते रहे हैं। एससीओ में भारत, रूस चीन सहित 10 देश मुख्य सदस्य हैं वहीं अफगानिस्तान और मंगोलिया इसके आब्जर्वर सदस्य के रूप में आमंत्रित होते हैं। नेपाल, श्रीलंका, यूएई, कुवैत, कतर, कंबोडिया, म्यांमार, तुर्किये, बहरीन, अजरबैजान सहित 14 देश इसके डायलॉग पार्टनर हैं। अपने इस कार्यकाल में प्रधानमंत्री ओली की यह दूसरी चीन यात्रा है। इससे पहले वो दिसंबर के पहले सप्ताह में चीन की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा कर चुके हैं ।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में तीन पुलिस कर्मचारियों की हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों के हमले में तीन पुलिस कर्मचारियों की जान चली गई। खूनखराबा करने के बाद संदिग्ध सशस्त्र व्यक्ति आराम से रफूचक्कर हो गए। इस दौरान वह पुलिस कर्मचारियों के हथियार भी छीन ले गए। इस बीच, प्रांत के अधिकारियों ने बाजौर में दो दिन के कर्फ्यू में ढील दे दी है। इससे बाजार फिर से खुल गए हैं। खबर के अनुसार, यह खूनखराबा बुधवार को कुर्रम कबायली जिले के अलीजई इलाके में हुआ। संदिग्ध आतंकवादियों ने पुलिसकर्मियों के वाहन पर घात लगाकर हमला किया। हमले में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस वाहन पर हथगोला फेंका। इसके बाद ताबड़तोड़ गोलीबारी की।

ताइवान के आसपास चीन की सैन्य हलचल तेज

ताइपे (ताइवान)। ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ((एमएनडी) ने कहा कि उसके जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं। एमएनडी ने एक्स पोस्ट में कहा कि उसके क्षेत्रीय जलक्षेत्र में चीन के आठ विमान और दो नौसैनिक जहाज आक्रामक मुद्रा में दिखे। यह उड़ानें मध्य रेखा को पार कर ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गईं। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि चीन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। बढ़ी हुई सैन्य हलचल पर माकूल कार्रवाई की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने पश्चिमी देशों से ताइवान के साथ खड़े होने और द्वीपीय राष्ट्र के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी को गहरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इसकी जरूरत है, क्योंकि चीन, ताइवान पर अपना दबाव बढ़ा रहा है। इसके अलावा जापान की संसेतो पार्टी के संस्थापक और सांसद सोहेई कामिया ने कहा कि जापान को ताइवान का साथ देना चाहिए। कामिया ने कहा कि टोक्यो को इस बात के प्रति सचेत रहना चाहिए कि चीन जापान में कैसे घुसपैठ कर रहा है।

ब्रिटिश लेखक ने दी नसीहत : परमाणु युद्ध की धमकी पागलपन है, पाक से संबंध तोड़े अमेरिका

लंदन,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के भारत के खिलाफ दिए गए कथित परमाणु हमले के बयान की कड़ी निंदा की। वेंस ने इसे पूरी तरह से घृणित, शर्मनाक और लापरवाह करार दिया। वेंस ने कहा, भारत पर हमला करना और परमाणु युद्ध छेड़ने जैसी बातें करना पागलपन है। भारत की प्रतिक्रिया संतुलित और समझदारी भरी रही है। उन्हें इस तरह के भड़काऊ बयान देने से बचना चाहिए और उन्हें इसकी अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

वेंस ने कहा कि यह बयान अमेरिकी धरती पर दिया गया, जो सोची-समझी बेइज्जती है। उन्होंने सवाल उठाया कि अमेरिका या राष्ट्रपति ट्रंप इसे क्यों बर्दाश्त करते हैं, जबकि पाकिस्तान बार-बार संवेदनशील मुद्दों पर भड़काऊ बयान देता है। वेंस ने अमेरिकी सरकार की प्रतिक्रिया को भी कमजोर बताया और कहा कि वाशिंगटन को और कड़ी प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी। उन्होंने सुझाव दिया कि अमेरिका को पाकिस्तान से राजनयिक संबंध तोड़ने पर विचार करना चाहिए, जब तक वह सभ्य देश की तरह व्यवहार न करे। भारत के विदेश मंत्रालय ने भी मुनीर के बयान को पाकिस्तान का परमाणु धमकी देने का पुराना तरीका बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय खुद देख सकता है कि ऐसे बयानों में कितनी गैर-जिम्मेदारी झलकती है। वह भी एक ऐसे देश में जहां सेना आतंकवादी संगठनों के साथ मिलकर काम करती है, वहां परमाणु हथियारों के नियंत्रण पर कितना संदेह है प्रवक्ता ने यह भी कहा कि यह अफसोसजनक है कि यह बयान किसी दोस्ताना तीसरे देश की धरती से दिया गया। भारत ने दोहराया कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे झुकेगा नहीं और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक सभी कदम उठाएगा।

चीन ने अमेरिका से की आर्थिक सहयोग पर 'झूठा प्रचार' और बाधा डालना बंद करने की अपील

बीजिंग। चीन ने अमेरिका से कहा है कि वह सुरक्षा की अवधारणा को अनावश्यक रूप से न बढ़ाए और चीन के अन्य देशों के साथ आर्थिक व व्यापारिक सहयोग पर झूठे आरोप लगाना तथा उसमें बाधा डालना बंद करे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बुधवार को यह टिप्पणी अमेरिकी अधिकारियों और विश्लेषकों के उन दावों के जवाब में की, जिनमें कहा गया है कि चीनी कंपनियों ने वैश्विक स्तर पर बंदरगाहों का एक नेटवर्क खड़ा किया है ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर नियंत्रण किया जा सके, कथित जासूसी की जा सके और अन्य गतिविधियां चलाई जा सकें। लिन जियान ने जोर देकर कहा, हम आशा करते हैं कि अमेरिका सुरक्षा की अवधारणा को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना बंद करे, तथाकथित 'चीन खतरे' का प्रचार रोके और चीन के अन्य देशों के साथ आर्थिक व व्यापारिक सहयोग को बदनाम करने और उसमें बाधा डालने से परहेज करे।

प्रेम और जुनून की सीमाओं पर बहस छेड़ देती है ये प्रेम कहानी

फ्लोरिडा,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

बीसवीं सदी की शुरुआत में अमेरिका को स्तब्ध कर देने वाली एक सच्ची प्रेम कहानी घटित हुई। सालों बीत चुके लेकिन यह कहानी आज भी प्रेम और जुनून की सीमाओं पर बहस छेड़ देती है। अमेरिकी शहर फ्लोरिडा के मरीन अस्पताल में साल 1931 में 22 वर्षीय एलेना डी होयोस टीबी के इलाज के लिए भर्ती हुई थी, जहां उसकी मुलाकात रेडियोलॉजिक टेक्नीशियन कार्ल टैंज्लर से हुई। खुद को काउंट कार्ल वॉन कोजेल बताने वाले टैंज्लर का दावा था कि उन्होंने बचपन में एक सपना देखा था, जिसमें एक काले बालों वाली महिला उनकी सच्ची प्रेमिका बनती है और उन्होंने एलेना में वही चेहरा पाया। टैंज्लर ने एलेना को बचाने के लिए घरेलू नुस्खों से लेकर अजीब मेडिकल उपकरणों तक हर संभव प्रयास किया। उन्होंने प्यार का इजहार भी किया, लेकिन एलेना ने कभी स्वीकार नहीं किया। कुछ महीनों बाद, 25 अक्टूबर 1931 को एलेना की मौत हो गई। कार्ल ने खुद के खर्च पर उसका अंतिम संस्कार कराया और एक शानदार मकबरा बनवाया, जिसकी चाबी सिर्फ उनके पास थी। वे हर रात वहां जाकर फूल चढ़ाते, बातें करते और एक टेलीफोन के जरिए एलेना की आत्मा से संवाद करने की कोशिश करते। 1933 में टैंज्लर ने गुपचुप तरीके से एलेना के शव को मकबरे से निकालकर अपने घर ले आए। अगले सात वर्षों तक उन्होंने शव को संरक्षित रखा हड्डियों को तार से जोड़ा, चेहरे को मोम और प्लास्टर से दोबारा बनाया, कांच की आंखें लगाईं और असली बालों से विग तैयार किया। बदबू छिपाने के लिए परफ्यूम और रसायनों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने लाश को कपड़े और गहने पहनाकर अपने बिस्तर पर रखा और उसके साथ ऐसे रहे मानो वह जीवित हो। 1940 में एलेना की बहन को शक हुआ और घर की तलाशी लेने पर यह भयावह सच सामने आया। पुलिस ने टैंज्लर को लाश चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया, लेकिन समय सीमा खत्म होने के कारण मुकदमा नहीं चल पाया। चौंकाने वाली बात यह थी कि अमेरिकी जनता का एक हिस्सा उन्हें सच्चा प्रेमी मान रहा था, जबकि मीडिया ने उन्हें ट्रेजेडी का प्रेमी कहा। एलेना के शव को अंतिम बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसे देखने 6,000 लोग पहुंचे, फिर उसे गुप्त स्थान पर दफनाया गया। 1952 में टैंज्लर की मौत हुई, तब उनके पास एलेना जैसी दिखने वाली एक गुड़िया थी, जिसके साथ उन्होंने अपने अंतिम दिन बिताए।

यूक्रेन युद्ध न रोकने पर रूस को 'गंभीर परिणाम' की ट्रंप की चेतावनी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को चेतावनी दी है कि यदि उसने यूक्रेन में जारी युद्ध को नहीं रोका, तो उसे बहुत गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। केनेडी सेंटर में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अगर रूस युद्धविराम के लिए सहमत नहीं होता, तो उसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे, जिनमें टैरिफ और प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं। यह बयान 15 अगस्त को अलास्का में ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली बैठक से पहले आया है। ट्रंप ने कहा कि यदि पहली बैठक सफल रहती है, तो वह एक दूसरी बैठक का भी प्रस्ताव रखेंगे, जिसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की भी शामिल होंगे। ट्रंप ने बुधवार को यूरोपीय नेताओं के साथ एक वर्चुअल बैठक में भी हिस्सा लिया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के अनुसार, ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम को अपनी प्राथमिकता बताया। वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन पर ब्लफ करने और यूक्रेन पर दबाव बनाने का आरोप लगाया, ताकि रूस पूरे देश पर कब्जा करने में सक्षम दिख सके।

स्विट्ज़रलैंड में तेज गाड़ी चलाने पर कटा 98 लाख का चालान, दूसरी बार लगा जुर्माना

कार सवार को नहीं पड़ा फर्क वह देश सबसे अमीर लोगों में से एक है

लॉजेन,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

स्विट्ज़रलैंड के लॉज़ेन शहर में एक कार का 90,000 स्विस फ्रैंक यानी करीब 98 लाख का चालान कटा। यह भारी जुर्माना इसलिए लगाया गया है कि क्योंकि यह लग्जरी कार सड़क पर तय गति सीमा से 27 किलोमीटर प्रति घंटा ज्यादा रफ़्तार से दौड़ रही थी। इस कार सवार शख्स के माथे पर जरा भी शिकन नहीं थी। क्योंकि वह स्विट्ज़रलैंड के सबसे अमीर लोगों में से एक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्विट्ज़रलैंड के वॉ क्षेत्र में कानून के मुताबिक ऐसे मामलों में जुर्माना व्यक्ति की आमदनी, संपत्ति और पारिवारिक आर्थिक स्थिति के आधार पर तय किया जाता है। वह शख्स स्विट्ज़रलैंड के सबसे अमीर लोगों में से एक है और पहले भी स्पीडिंग के मामलों में पकड़ा चुका है, इसलिए उस पर इतना मोटा जर्माना लगाया गया।

इससे पहले अगस्त 2024 में एक ड्राइवर को ऑटोमैटिक पुलिस राडार ने 50 किमी प्रति घंटा ज़ोन में 77 किमी प्रति घंटा की रफ़्तार से गाड़ी चलाते पकड़ा था। कोर्ट ने जून 2025 में फैसला सुनाते हुए 10,000 स्विस फ़्रैंक भरने का आदेश दिया था, जबकि बाक़ी 80,000 स्विस फ़्रैंक अगले तीन सालों में इसी तरह की गलती करने पर देने होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक जिस व्यक्ति का चालान कटा वह फ्रांसीसी नागरिक है, जिसे स्विट्ज़रलैंड की आर्थिक पत्रिका ने देश के 300 सबसे अमीर लोगों में शामिल किया है। उसकी कुल संपत्ति अरबों डॉलर में है। आठ साल पहले भी यह तेज़ रफ़्तार कार चलाते पकड़ा गया था और उस समय 10,000 स्विस फ़्रैंक का जुर्माना और दो साल के भीतर गलती दोहराने पर 60,000 स्विस फ़्रैंक अतिरिक्त भरने का प्रावधान तय था। स्विट्ज़रलैंड अकेला देश नहीं है जहां जुर्माना अमीरी के हिसाब से तय होता है। जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रिया और नॉर्डिक देशों में भी यह नियम लागू है।

पाकिस्तान में आजादी का जश्न, बलूचिस्तान प्रांत में कर्फ़्यू जैसी स्थिति

क्वेटा (बलूचिस्तान) पाकिस्तान ,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत मुल्क की आजादी के जश्न से कोसों दूर है। संघीय सरकार ने देश के राष्ट्रीय दिवस से पहले बलूचिस्तान में कड़े सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। रात के समय सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। रेलगाड़ियों को रोक दिया गया है। मोबाइल इंटरनेट पर पाबंदी है। बलूचिस्तान के प्रमुख शहरों के प्रवेश और निकास द्वार बंद करा दिए गए हैं। पाकिस्तान की संघीय सरकार के इन कदमों से पूरे बलूचिस्तान में कर्फ़्यू जैसी स्थिति है। बाशिंदों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

खबर में मौजूदा सूरत-ए-हाल के दौरान लोगों को हो रही कठिनाई का जिक्र किया है। परिवहन विभाग के हवाले से कहा गया है कि बलूचिस्तान में शाम 5 बजे से सुबह 5 बजे तक सार्वजनिक परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी गई है कि इस आदेश का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के रूट परमिट रद्द कर दिए जाएंगे। यह प्रतिबंध राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ-साथ बलूचिस्तान के सभी शहरों और जिलों पर भी लागू है। क्वेटा, कराची, मकरान और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों के बीच हजारों लोग रोजाना सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करते हैं। इन प्रतिबंधों के कारण कई लोग फंस गए हैं। बलूचिस्तान में अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण, इलाज के लिए कराची जाने वाले मरीजों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन प्रतिबंधों के विरोध में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। क्वेटा से अंतरप्रांतीय रेल सेवाएं लगातार चौथे दिन भी स्थगित रहीं। पाकिस्तान रेलवे ने कहा है कि मस्तुंग के दश्त इलाके में जाफर एक्सप्रेस पर हुए बम हमले के बाद यह निलंबन 14 अगस्त तक जारी रहेगा। मार्च में इसी ट्रेन को बलूच लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक किया था। इस दौरान पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के कई जवान मारे गए थे। सड़क और रेल यात्रा प्रतिबंधित होने के कारण कई नागरिक हवाई यात्रा की ओर रुख कर रहे हैं। इस वजह से किराए में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। इस्लामाबाद का किराया जो आमतौर पर 18,000 से 20,000 रुपये होता है, बढ़कर 50,000 रुपये से अधिक हो गया है। फ्लाई जिन्नाह रोजाना उड़ानें संचालित करता है। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस हफ्ते में तीन से चार बार और सेरेन एयर हफ्ते में एक बार उड़ानें संचालित करती है। छह अगस्त से बलूचिस्तान के सभी 36 जिलों में 3जी और 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद हैं। यह ब्लैकआउट 31 अगस्त तक जारी रहने की उम्मीद है। बलूचिस्तान में पहले से ही देश का सबसे कमजोर ऑनलाइन बुनियादी ढांचा है। 60 प्रतिशत क्षेत्र में इंटरनेट की सुविधा नहीं है। लगभग 1.5 करोड़ निवासियों में से आधे से ज्यादा पूरी तरह से मोबाइल डेटा पर निर्भर हैं। फिक्स्ड लाइन इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या केवल लगभग 70,000 है। इस बंद का असर फ्रीलांसर, ऑनलाइन कारोबार करने वालों, फूड डिलीवरी करने वालों, विद्यार्थियों और व्यापारियों पर पड़ा है। मोबाइल बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान प्रणालियां ठप हो गई हैं। टेलीमेडिसिन सेवाएं भी बंद हैं। बलूचिस्तान मानवाधिकार आयोग ने इन प्रतिबंधों की निंदा करते हुए इन्हें नागरिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन बताया है।

पीएसजी ने पेनाल्टी शूटआउट में टॉटनहम को हराकर जीता पहला यूईएफए सुपर कप

उडिने (इटली),14 अगस्त (एजेंसियां) ।

चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने बुधवार को यूरोपा लीग चैंपियन टॉटनहम हॉटस्पर को 4-3 से पेनाल्टी शूटआउट में हराकर अपना पहला यूईएफए सुपर कप खिताब जीत लिया। नियमित समय में मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ था।

स्टाडियो फ्रिउली में खेले गए इस मुकाबले में नए कोच थॉमस फ्रैंक के तहत अपने पहले आधिकारिक मैच में टॉटनहम ने शानदार शुरुआत की और हाफटाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली। मिक्की वैन डे वेन ने 39वें मिनट में गोल कर टॉटनहम को बढ़त दिलाई, जबकि क्रिस्टियन रोमेरो ने दूसरे हाफ की तीसरे मिनट में दूसरा गोल किया।

पीएसजी की वापसी में दो सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों ने अहम भूमिका निभाई। ली कांग-इन ने 85वें मिनट में गोल कर अंतर कम किया, जबकि इंजरी टाइम के चौथे मिनट में गोंकालो रामोस ने हेडर से बराबरी का गोल दाग दिया।

पेनाल्टी शूटआउट में शुरुआत में पीएसजी के वितिन्हा ने पहला शॉट बाहर मारकर टीम को दबाव में डाल दिया, लेकिन नए गोलकीपर लुकास शेवलियर ने वैन डे वेन का शॉट रोककर टीम को वापसी का मौका दिया। मैथिस टेल का शॉट भी लक्ष्य से चूक गया, जिसके बाद नूनो मेंडेस ने विजयी पेनाल्टी दागी।

टॉटनहम की ओर से डॉमिनिक सोलांके, रोड्रिगो बेंटनकुर और पेड्रो पोरो ने गोल किए, जबकि पीएसजी के लिए रामोस, उस्मान डेम्बेले और ली ने गोल किए और अंत में मेंडेस ने निर्णायक शॉट मारा। यह पहला मौका है जब पीएसजी या किसी भी फ्रेंच क्लब ने यूईएफए सुपर कप जीता है। साल 2025 में यह पीएसजी का पांचवां खिताब है। टीम के कोच लुइस एनरिक के लिए यह नए सीजन की शानदार शुरुआत है, हालांकि पीएसजी को हाल ही में फीफा क्लब वर्ल्ड कप फाइनल में चेल्सी से हार का सामना करना पड़ा था।

अब पीएसजी अपना लीग 1 अभियान रविवार को नांत के खिलाफ शुरू करेगा, जबकि टॉटनहम शनिवार को प्रीमियर लीग के पहले मैच में बर्नली का सामना करेगा।

न्यूज ब्रीफ

ग्रैंड चेस टूर के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन चौथे स्थान पर पहुंचे भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश

नई दिल्ली। सेंट लुइस में चल रहे ग्रैंड चेस टूर के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छठे स्थान से चौथे स्थान पर छलांग लगाई। क्लासिकल चेस के मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश ने बुधवार को अंतिम तीन राउंड में तीनों अमेरिकी खिलाड़ियों का सामना किया। पहले मैच में उन्हें सफेद मोहरों से खेलते हुए लीनियर डोमिंगेज़ के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अगला मुकाबला वेस्ली सो को हराकर जीता और फिर शीर्ष स्थान पर चल रहे फेबियानो करुआना को चौंकाते हुए मात दी। गुकेश के अब 10 अंक हो गए हैं और वह मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव (11 अंक), लेवॉन अरोनियन (13 अंक) और करुआना (14 अंक) से पीछे हैं। सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज, 2025 ग्रैंड चेस टूर का चौथा चरण है और इस सीजन का अंतिम रैपिड-एंड-ब्लिट्ज इवेंट है। 10 खिलाड़ियों वाला यह टूर्नामेंट रैपिड सेक्शन में सिंगल राउंड रॉबिन प्रारूप में खेला जा रहा है, जिसमें जीत पर 2 अंक और ड्रॉ पर 1 अंक मिलते हैं। नौ राउंड के बाद ब्लिट्ज सेक्शन खेला जाएगा, जो डबल राउंड रॉबिन प्रारूप में होगा और इसमें जीत पर 1 अंक तथा ड्रॉ पर 0.5 अंक दिए जाएंगे। दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी चैंपियन बनेगा।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ बचे हुए मुकाबलों से बाहर हुए मिशेल ओवेन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल ओवेन की तेज़ तरक्की पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। ओवेन को घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ बचे हुए मुकाबलों से बाहर कर दिया गया है। दूसरे टी20 में हेलमेट ग्रिल पर गेंद लगने के बाद भले ही उन्होंने मैदान पर कन्कशन टेस्ट पास कर लिया था, लेकिन बाद में उन्हें इसके लक्षण महसूस हुए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कन्कशन दिशानिर्देशों के अनुसार, ओवेन को 12 दिन का आराम करना होगा। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 और तीन वनडे खेलेगा। ऐसे में ओवेन को वनडे डेब्यू के लिए इंतजार करना पड़ेगा। ओवेन के अलावा, ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज़ में मैट शॉर्ट और लांस मॉरिस की भी कमी खलेगी। शॉर्ट को वेस्टइंडीज दौरे पर साइड इंजरी हुई थी, जिसके कारण वह पांच टी20 मैचों से बाहर रहे थे। उम्मीद थी कि वह अब तक फिट हो जाएंगे, लेकिन रिकवरी धीमी रही और अब वह घरेलू सीज़न की शुरुआत तक फिट होने पर ध्यान देंगे। वहीं, मॉरिस को कमर के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत के बाद पर्थ भेज दिया गया है, जहां उनकी जांच होगी। आरोन हार्डी और मैथ्यू कुनेमन, जो इस समय टी20 स्क्वाड में हैं, वनडे सीरीज़ के लिए भी टीम में बने रहेंगे। हार्डी हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में भी शामिल थे, जबकि कुनेमन ने तीन साल से अधिक समय से वनडे नहीं खेला है।

17 अगस्त से शुरु हो रहे यूपी टी20 लीग में खेलते नजर आयेंगे रिंकू और जुरेल

लखनऊ। आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह 17 अगस्त रविवार से शुरु हो रहे टी20 लीग में मेरठ मावरिक्स टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। लीग के इस तीसरे सत्र के पहले मैच में रिंकू की टीम का मुकाबला कानपुर सुपरस्टार्स से होगा। इस मैच में रिंकू बेहतर प्रदर्शन कर आगामी मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे। रिंकू के अलावा इस लीग में विकेटीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल भी गोरखपुर लॉयंस से खेलते दिखेंगे। इस लीग में मेरठ मेवरिक्स, नोएडा सुपर किंग्स, काशी रुद्रास, कानपुर सुपरस्टार्स, गोरखपुर लायंस और लखनऊ फाल्कन जैसी छह टीमें भाग लेंगी। इस लीग का फाइनल मुकाबला 6 सितंबर को होगा। लीग में 34 मैच खेले जाएंगे जिसमें शीर्ष 4 में रहने वाली टीमें नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी। इस लीग के सभी मैच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके डबल हेडर मुकाबले भी होंगे। इसका एक मैच दोपहर 3 बजे जबकि दूसरा मैच शाम साढ़े सात बजे खेला जाएगा। रिंकू पिछले सत्र में इस लीग में टीम के कप्तान थे। रिंकू की कप्तानी में पिछले सत्र में इस लीग में उनकी टीम ने 8 में से सात मैच जीते थे। रिंकू को हाल में ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय पथिक सिंह स्टेडियम में अभ्यास करते हुए देखा गया था।

यूएस ओपन 2025 : 45 साल की उम्र में वीनस विलियम्स को वाइल्ड कार्ड, 1981 के बाद सबसे उम्रदराज सिंगल्स खिलाड़ी बनेंगी

न्यूयॉर्क,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

दिग्गज टेनिस स्टार वीनस विलियम्स दो साल के अंतराल के बाद ग्रैंड स्लैम टेनिस में वापसी करने जा रही हैं। 45 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को बुधवार को यूएस ओपन के सिंगल्स मुकाबलों में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड आमंत्रण मिला है। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन के अनुसार, वह 1981 में रेनी रिचर्ड्स (47 वर्ष) के बाद टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज सिंगल्स खिलाड़ी होंगी। विलियम्स को यूएस टेनिस एसोसिएशन पहले ही अगले हफ्ते होने वाले मिक्स्ड डबल्स मुकाबलों के लिए वाइल्ड कार्ड दे चुका है। सिंगल्स मैच न्यूयॉर्क में 24 अगस्त से शुरू होंगे। वीनस के नाम सात ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब हैं, जिनमें यूएस ओपन 2000 और 2001 की जीत शामिल है। इसके अलावा उन्होंने अपनी छोटी बहन सेरेना विलियम्स के साथ 14 महिला डबल्स खिताब और दो मिक्स्ड डबल्स खिताब भी जीते हैं।

सेरेना 2022 यूएस ओपन के बाद 23 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब के साथ संन्यास ले चुकी हैं। वीनस ने आखिरी बार 2023 यूएस ओपन में ग्रैंड स्लैम खेला था, जहां वह पहले दौर में हार गई थीं। यूएस ओपन में उनका आखिरी सिंगल्स मैच जीत 2019 में आई थी। पिछले साल उन्होंने गर्भाशय फाइब्रॉइड्स की सर्जरी करवाई और लगभग पूरा सीजन मिस किया। जुलाई में वॉशिंगटन में उन्होंने 16 महीने बाद कोर्ट पर वापसी की और मार्च 2024 के मियामी ओपन के बाद पहली बार खेलीं। यहां उन्होंने 2004 विंबलडन में मार्टिना नवरातिलोवा के बाद सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी के रूप में टूर-स्तरीय सिंगल्स मैच जीता। वॉशिंगटन में वीनस ने न सिर्फ अपने खेल बल्कि इटालियन अभिनेता से सगाई और हेल्थ इंश्योरेंस के लिए मजाकिया अंदाज में की गई टिप्पणी से भी सुर्खियां बटोरीं।

वॉशिंगटन टूर्नामेंट के चेयरमैन मार्क ऐन ने कहा, मैं हैरान था, लेकिन यह शानदार सरप्राइज था कि वह अब भी खेलना चाहती हैं। वीनस ने पिछले हफ्ते सिनसिनाटी ओपन में भी वाइल्ड कार्ड से हिस्सा लिया, लेकिन सिंगल्स के पहले दौर में बाहर हो गईं। न्यूयॉर्क में वह 19-20 अगस्त को अमेरिकी खिलाड़ी राइली ओपेल्का के साथ मिक्स्ड डबल्स खेलेंगी।

विराट ने अभ्यास सत्र का वीडियो जारी किया, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से वापसी करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के जहां एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने की अटकलें लगायी जा रही हैं और कहा जा रहा है कि उन्हें 2027 विश्वकप के लिए जगह नहीं मिलेगी। वहीं लगता है कि कि विराट अभी संन्यास लेने के मूड में नहीं हैं। हाल ही में विराट ने नेट अभ्यास की तस्वीरें जारी की हैं। जिससे संकेत मिलते हैं कि वह एकदिवसीय प्रारुप पर ध्यान दे रहे हैं। अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के स्थगित होने के बाद अब विराट अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेलते दिखेंगे। ये सीरीज विराट के करियर के लिए काफी अहम मानी जा रही है। कोहली ने इनडोर नेट सत्र की एक तस्वीर जारी की है, जिससे पता चलता है कि चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अंतिम मैच के बाद से ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। साझा की गई एक तस्वीर में कोहली गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन के साथ अभयास करते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने लिखा, 'हिट में सहायता करने के लिए धन्यवाद, भाई आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है।' बाद में एक प्रशंसक ने इस तस्वीर को दोबारा जारी किया। इसमें कोहली एकदिवसीय सीरीज की तैयारी करते हुए दिखे। विराट के साथ-साथ ही कप्तान रोहित शर्मा के लिए भी ऑस्ट्रेलिया सीरीज अहम रहेगी। अगर वह इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये तो उनका भी एकदिवसीय करियर समाप्त होना तय है। टी20 और टेस्ट मैच से संन्यास के कारण अब रोहित एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। इस बीच ही दिग्गजों की बढ़ती उम्र को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भविष्य की योजनाओं को देखते हुए इनकी जगह पर युवाओं को अवसर देने के पक्ष में है।

सिनसिनाटी ओपनः डिफेंडिंग चैंपियंस सिनर और सबालेंका क्वार्टर फाइनल में

सिनसिनाटी,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

सिनसिनाटी ओपन में बुधवार को डिफेंडिंग चैंपियंस जैनिक सिनर और एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। साथ ही कार्लोस अल्काराज ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज कर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

सिनर ने एड्रियन मन्नारिनो को 6-4, 7-6 (7/4) से हराया, जबकि मैच के बीच में करीब तीन घंटे का बारिश अवरोध आया। मन्नारिनो ने दूसरे सेट में वापसी की कोशिश की, लेकिन टाईब्रेकर में सिनर ने लगातार दो ऐस मारकर जीत पक्की कर ली। अब वह कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से भिड़ेंगे।

महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने जेसिका बोजास मानेइरो को 6-1, 7-5 से मात दी। पिछले मैच में एम्मा राडुकानु के खिलाफ तीन सेट का संघर्ष झेलने के बाद उन्होंने इस बार सीधे सेटों में जीत दर्ज की। अब उनका सामना पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना राइबाकिना से होगा, जिन्होंने मैडिसन कीज को 6-7 (3/7), 6-4, 6-2 से हराया। दूसरी ओर, दूसरे वरीय अल्काराज ने इटली के लुका नार्डी को 6-1, 6-4 से हराया। पहले सेट में तेज शुरुआत करने के बाद दूसरे सेट में अल्काराज 2-4 से पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया। अगले दौर में उनका मुकाबला रूस के आंद्रेई रुबलेव से होगा। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर फ्रांस के क्वालीफायर टेरेंस एटमाने ने किया, जिन्होंने चौथे वरीय टेलर फ्रिट्ज को 3-6, 7-5, 6-3 से हराया। जीत के बाद वह भावुक होकर घुटनों के बल बैठ गए और खुशी के आंसू छलक पड़े। अब सेमीफाइनल में जगह के लिए वह सातवें वरीय होल्गर रूने से भिड़ेंगे, जिन्होंने फ्रांसेस टियाफो के रिटायर होने के बाद जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने पहले मंगलवार से जारी मैच में ब्रैंडन नाकाशिमा को 6-4, 6-4 से हराया और फिर कारेन खाचानोव के रिटायर होने से जीत हासिल की। महिला वर्ग में तीसरी वरीय इगा स्वियातेक ने सोराना कर्स्टिया को 6-4, 6-3 से मात देकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

सचिन के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक से सगाई हुई

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की सानिया चंडोक से सगाई हुई है। सानिया एक नामी कारोबारी घई परिवार से संबंध रखती हैं और अर्जुन की बचपन की दोस्त हैं। घई परिवार आतिथ्य और खाद्य उद्योग में एक बड़ा नाम है। जो इंटरकॉन्टिनेंटल होटल और लोकप्रिय आइसक्रीम ब्रांड ब्रुकलिन क्रीमरी के मालिक हैं। वहीं सानिया चंडोक मुंबई स्थित मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी में एक नामित पार्टनर और निदेशक हैं। वह दिग्गज कारोबारी रवि घई की पोती हैं। सानिया और अर्जुन बचपन के दोस्त हैं। उनकी सगाई में दोनों के परिवारों के सदस्य और उनके कुछ करीबी रिश्तेदार और दोस्त भी शामिल थे। इससे पहले अर्जुन और सानिया कई बार एकसाथ नजर आये पर उनके अफेयर की जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई थी। अर्जुन तेंदुलकर बांए हाथ के तेज गेंदबाज और बल्लेबाज हैं। अर्जुन घरेलू क्रिकेट में गोवा की ओर से खेलते हैं। उन्होंने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेला है। उन्होंने अपने घरेलू करियर की शुरुआत मुंबई के साथ साल 2020 और 21 सत्र में की थी, जब उन्होंने हरियाणा के खिलाफ एक टी20 मैच में डेब्यू किया था। इससे पहले, उन्होंने जूनियर स्तर पर मुंबई की ओर से खेला था। इसके बाद वह गोवा चले गये थे। वहां उन्होंने फर्स्ट-क्लास और लिस्ट ए क्रिकेट में डेब्यू किया।

हॉकी इंडिया ने ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट डॉ. वीसे पेस के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी के सुनहरे दौर के करिश्माई मिडफील्डर और 1972 म्यूनिख ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे डॉ. वीसे पेस के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। 80 वर्षीय डॉ. पेस ने खेल के मैदान के साथ-साथ खेल विज्ञान के क्षेत्र में भी अद्वितीय योगदान दिया और अनगिनत खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को प्रेरित किया।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने जारी शोक संदेश में कहा, हॉकी इंडिया के लिए बेहद दुख का दिन है। डॉ. पेस का निधन भारतीय हॉकी के एक सुनहरे युग का अंत है। म्यूनिख ओलंपिक का मेडल उनकी धैर्य और दृढ़ निश्चय का प्रमाण है। मुझे उनसे कुछ बार मिलने का अवसर मिला और हमेशा उनके खेल के प्रति जुनून से प्रेरणा मिली। वह देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रबल समर्थक थे। हम हॉकी इंडिया की ओर से उनकी पत्नी जेनिफर, बेटे लिएंडर और पूरे परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हॉकी इंडिया की ओर से हम लिएंडर, उनकी मां और पूरे परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं। खेल और खेल विज्ञान में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा और उनकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी।

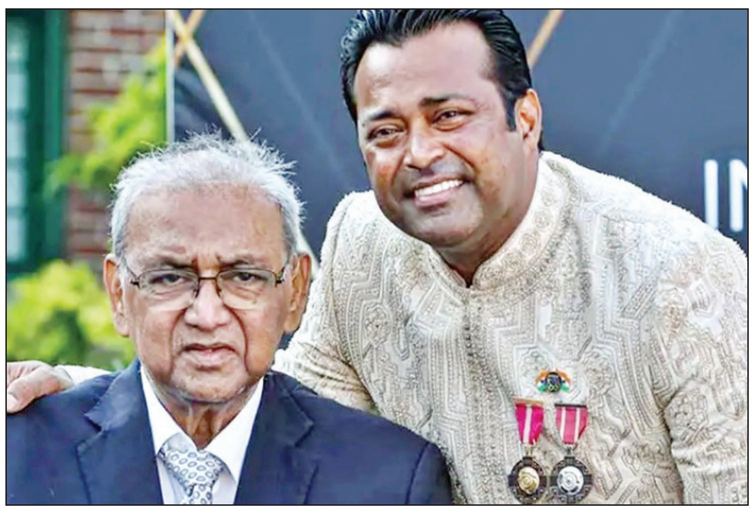

डॉ. वीसे पेस का जन्म अप्रैल 1945 में गोवा में हुआ था। वह खेल और शिक्षा दोनों में उत्कृष्ट रहे। हॉकी के अलावा उन्होंने डिविजनल क्रिकेट, फुटबॉल और रग्बी में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। रग्बी के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें 1996 से 2002 तक इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन का अध्यक्ष बनाया। वह स्पोर्ट्स मेडिसिन के डॉक्टर थे और कोलकाता क्रिकेट एंड फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष भी रहे। उनके बेटे टेनिस स्टार लिएंडर पेस कई बार बता चुके हैं कि उनके पिता ने ही उन्हें ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने का जुनून और प्रेरणा दी थी।

द हंड्रेडः वेल्श फायर की पहली जीत, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स को 25 रन से हराया

लंदन,14 अगस्त (एजेंसियां) ।

वेल्श फायर ने रिले मेरिडिथ, क्रिस ग्रीन और डेविड पेन की घातक गेंदबाज़ी की बदौलत द हंड्रेड मुकाबले में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स को 25 रन से हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। बुधवार (13 अगस्त) के रोमांचक आखिरी गेंद वाले मुकाबले के विपरीत, इस बार ओरिजिनल्स जोस बटलर के अर्धशतक के बाद ढह गए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरिडिथ ने शुरुआत में ही दोनों ओपनर्स को तीन गेंदों के भीतर पवेलियन भेज दिया। पहली सफलता में ग्रीन का शानदार कैच अहम रहा, जिसने फिल साल्ट को आउट किया। इसके बाद मेरिडिथ ने मार्क चैपमैन को स्लिप में कैच कराकर स्कोर 14/3 कर दिया। इस स्थिति में बटलर ने हेनरिक क्लासेन के साथ पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन क्लासेन जल्दी आउट हो गए। बटलर ने लगातार छक्कों के साथ अर्धशतक पूरा किया और लुईस ग्रेगरी के साथ साझेदारी जमाई।

आखिरी 20 गेंदों में 35 रन की ज़रूरत थी, लेकिन बटलर डीप मिडविकेट पर कैच दे बैठे। इसके बाद ग्रीन ने ग्रेगरी को भी आउट किया और पेन ने निचले क्रम को ध्वस्त करते हुए तीन विकेट झटके। मेरिडिथ ने वापसी कर चौथा विकेट लिया और ओरिजिनल्स की पारी 112 रन पर सिमट गई। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाज़ी करने उतरे वेल्श फायर को जॉनी बेयरस्टो के जल्दी आउट होने से झटका लगा। स्टीव स्मिथ ने शुरुआती रन बनाए, लेकिन वे भी तेज़ी से रन नहीं जुटा सके और जोश टंग की धीमी गेंद पर आउट हो गए। टॉम कोहलर-कैडमोर और टॉम एबेल ने शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना सके। अंत में क्रिस ग्रीन के दो छक्कों और एक चौके ने टीम का स्कोर 137/8 तक पहुंचाया, जो निर्णायक साबित हुआ।

संक्षिप्त स्कोरः

वेल्श फायर - 137/8 (टॉम कोहलर-कैडमोर 26; स्कॉट करी 3/21, जोश टंग 3/25)

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स - 112 (जोस बटलर 57; रिले मेरिडिथ 4/9, डेविड पेन 3/14)

परिणाम - वेल्श फायर 25 रन से विजयी।

दलीप ट्रॉफी में आकाश दीप की जगह मुख्तार हुसैन शामिल

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप फिट नहीं होने के कारण इसी माह 28 अगस्त से शुरु होने जा रहे दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में आकाशदीप की जगह पर मुख्तार हुसैन को शामिल किया गया है। आकाश दीप घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेलते हैं। वह हाल ही में हुए इंग्लैंड दौरे में चोटिल हो गये थे और अभी तक फिट नहीं हुए हैं। आकाश दीप ने इंग्लैंड में भारत की ओर से तीन टेस्ट में 13 विकेट लिए हैं। उन्हें पूर्वी क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया था पर अब उनकी जगह पर असम के तेज गेंदबाज मुख्तार को टीम में जगह मिली है। मुख्तार ने अब तक 40 प्रथम श्रेणी मैचों में 132 विकेट लिए हैं। साथ ही 61 पारियों में मुख्तार ने 580 रन भी बनाए हैं। मुख्तार 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। वह असम से खेलते हैं। मुख्तार हुसैन असम के लिए तीनों प्रारुपों में खेलते हैं। आकाश के नहीं होने से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे। वहीं तेज गेंदबाज मुकेश कुमार उनका साथ देंगे। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आकाश दीप ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण दलीप ट्रॉफी से बाहर होने का फैसला लिया है। आकाश दीप ने भारतीय टीम की ओर से इंग्लैंड के खिलाफ 23 फरवरी, 2024 को रांची में टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने पहली पारी में तीन विकेट लिए थे. उन्होंने अब तक कुल 10 टेस्ट मैच खेले हैं और 28 बल्लेबाजों को आउट किया है। उनके 28 विकेटों में से 10 अकेले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में आए। इसमें उन्होंने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में छह विकेट लिए। दलीप ट्रॉफी 2025 के लिए पूर्वी क्षेत्र की टीम : ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीराम पॉल, शरनदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मुख्तार हुसैन, मोहम्मद शमी।

अमेरिका ने भारत पर सेकंडरी शुल्क बढ़ाने की दी चेतावनी

वाशिंगटन,14 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने शुक्रवार को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के बीच यूक्रेन मुद्दे पर होने वाली बैठक के नतीजे को लेकर भारत को चेतावनी दी है। बेसंट ने कहा कि अगर इस बैठक में कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकलता है तो भारत पर रूस से तेल खरीदने के मामले में लगाए गए सेकंडरी या अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने यूरोपीय संघ से भी भारत पर इसी तरह का शुल्क लगाने का अनुरोध किया है। बेसंट ने एक साक्षात्कार में कहा कि हमने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, लेकिन अगर हालात सुधार नहीं हुए तो प्रतिबंध और शुल्क बढ़ सकते हैं।

ट्रंप-पुतिन बैठक फेल हुई तो भारत पर बढ़ सकते हैं अतिरिक्त शुल्क

उन्होंने चीन के रूस से कच्चे तेल की खरीद पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि सभी विकल्प खुले हैं, जिनमें प्रतिबंध बढ़ाना, ढील देना या उनकी अवधि तय करना शामिल है। भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताते हुए कहा है कि देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। वहीं, मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से जुड़ी चुनौतियां एक-दो तिमाहियों में समाप्त हो जाएंगी और लंबी अवधि में इसका भारत पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। नागेश्वरन ने निजी क्षेत्र से भी अधिक प्रयास करने का आह्वान किया और कहा कि ट्रंप-पुतिन की अलास्का बैठक इस महीने के अंत में होने वाली भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के नतीजों को प्रभावित कर सकती है। इस वार्ता के बाद ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों में सुधार की दिशा स्पष्ट होगी।

न्यूज ब्रीफ

सिंगापुर कर प्राधिकरण ने इंफोसिस पर 66 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। सिंगापुर के अंतर्देशीय राजस्व प्राधिकरण ने बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इंफोसिस पर 97,035 सिंगापुर डॉलर (66 लाख रुपये से ज्यादा) का जुर्माना लगाया है। इंफोसिस ने गुरुवार को शेयर बाजार को जानकारी दी कि उसको इस संबंध में 13 अगस्त को नोटिस मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार से साझा किए गए आंकड़ों में बताया है कि सिंगापुर के अंतर्देशीय राजस्व प्राधिकरण ने 97,035.9 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया है, जो अप्रैल से जून की अवधि के लिए सिंगापुर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की भुगतान से संबंधित है। जुर्माना वसूले जाने का कंपनी की वित्तीय स्थिति, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं है। इंफोसिस भारत की एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी है। ये कंपनी सूचना प्रौद्योगिकी, व्यवसाय परामर्श और आउटसोर्सिंग सेवाएं प्रदान करती है। इसका मुख्यालय बेंगलुरु, भारत में स्थित है।

दिल्ली दुग्ध योजना ने गाय के दूध से बने उत्पाद किए पेश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली दुग्ध योजना (डीएमएस) के तहत गाय के दूध से बने उत्पादों और सह-ब्रांडेड उत्पादों को बाजार में पेश करने की घोषणा की है। यह कदम राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दुग्ध उत्पादों के वितरण और खुदरा नेटवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। अब उपभोक्ता डीएमएस के बूथों और संबद्ध दुकानों से शुद्ध गाय के दूध और उससे बने उत्पाद आसानी से खरीद सकेंगे। यह घोषणा दिल्ली दुग्ध योजना के नए उत्पाद श्रृंखला के विस्तार के एक दिन बाद की गई है। पशुपालन एवं दुग्ध विभाग (डीएएचडी) की एक अधिकारी ने कहा कि इससे दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार होगा और हितधारकों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने बेहतर उत्पाद पेशकश और मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की भी बात कही। कार्यक्रम के दौरान 22 नए बूथों के आवंटन पत्र भी वितरित किए गए, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादों के बेहतर संबंध को स्थापित करेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी और दुग्ध उद्योग को मजबूती मिलेगी। दिल्ली दुग्ध योजना की स्थापना 1959 में हुई थी और तब से यह दिल्ली में सरकार की प्रमुख दुग्ध आपूर्ति योजनाओं में से एक रही है। वर्तमान में डीएमएस के लगभग 600 बूथ और 500 दुकानें संचालित हो रही हैं, जो लाखों उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराती हैं।

भारतीय जेनरेटिव एआई स्टार्टअप्स ने तोड़ा निवेश रिकॉर्ड, 2025 में अब तक 524 मिलियन डॉलर की फंडिंग

नई दिल्ली। भारतीय जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेनएआई) स्टार्टअप इकोसिस्टम ने 2025 के पहले सात महीनों में अब तक की सबसे बड़ी फंडिंग हासिल की है। वेंचर इंटेलिजेंस के अनुसार, इन स्टार्टअप्स ने जनवरी से जुलाई के बीच कुल 524 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। यह आंकड़ा 2021 के 129 मिलियन डॉलर और 2024 के पूरे साल की 475 मिलियन डॉलर की फंडिंग से कहीं अधिक है। इस वर्ष कुछ उभरते सॉफ्टवेयर स्टार्टअप्स ने वैश्विक निवेशकों का ध्यान खींचा है। खासतौर पर वे कंपनियां जो सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए एआई प्रोडक्ट्स विकसित कर रही हैं। कुछ स्टार्टअप्स ने तो दो महीनों के भीतर ही 10 मिलियन डॉलर की वार्षिक आवर्ती आय हासिल कर ली है। निवेशकों का ध्यान अब भारत से निकलकर अमेरिका की ओर भी बढ़ रहा है, ताकि संस्थापकों को बेहतर मार्गदर्शन और वैश्विक रुझानों की पहचान मिल सके। इस ट्रेंड से साफ है कि भारत का एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम अब सिर्फ घरेलू नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहा है। हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं। गहरे शोध में निवेश की कमी, उच्च गुणवत्ता वाले कंप्यूटिंग संसाधनों का अभाव और वैश्विक स्तर की मार्केटिंग रणनीति की आवश्यकता अभी भी बनी हुई है।

बाजार की मजबूती के बावजूद निवेशकों को 83 हजार करोड़ का नुकसान

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सीमित दायरे में होता रहा कारोबार

नई दिल्ली,14 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद पूरे दिन तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, टेक और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह हेल्थ केयर, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 444.56 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 445.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 83 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,215 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,761 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,305 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 149 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,672 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,009 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,663 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

X20MAR34500.00CE 137.50%
22.00
BSX20MAR32200.00CE 71.01%
200.000
83.05
EXCL

बीएसई का सेंसेक्स 85.37 अंक की तेजी के साथ 80,625.28 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान होने लगी, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 211.27 अंक उछल कर 80,751.18 अंक तक पहुंचा। बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 50.05 अंक की कमजोरी के साथ 80,489.86 अंक तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 57.75 अंक की मामूली बढ़त के साथ 80,597.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 12.10 अंक टूट कर 24,607.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होता रहा। लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी 54.30 अंक की बढ़त के साथ 24,673.65 अंक तक पहुंचा। बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 22.45 अंक की कमजोरी के साथ 24,596.90 अंक के स्तर तक गोता भी लगाया। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 11.95 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 24,631.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो 2.14 प्रतिशत, एटरनल 1.94 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.56 प्रतिशत, इंफोसिस 1.48 प्रतिशत और एशियन पेंट्स 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टाटा स्टील 3.05 प्रतिशत, अदानी पोर्ट्स 1.46 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 1.30 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 1.27 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने चीन से निवेश प्रतिबंध हटाने का दिया सुझाव

नई दिल्ली,14 अगस्त (एजेंसियां)। **नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने चीन से भारत में निवेश पर लगे प्रतिबंध को हटाने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि चीन भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार बन चुका है और उससे निवेश आने से घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।**

कहा- घरेलू विनिर्माण और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

कुमार ने यह बात हाल ही में एक साक्षात्कार में कही। उन्होंने बताया कि भारत और चीन के बीच पिछले कुछ महीनों में द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए कई प्रयास किए गए हैं, जबकि जून 2020 में सीमा पर हिंसक झड़पों के कारण दोनों देशों के संबंध खराब हो गए थे। कुमार ने सरकार द्वारा 2020 में जारी 'प्रेस नोट-3' का भी जिक्र किया, जिसमें भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले पड़ोसी देशों से निवेश के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य कर दी गई थी। यह नोट चीन, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे देशों को कवर करता है। कुमार ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस नोट को हटाकर चीन से निवेश की अनुमति दी जाए। राजीव कुमार ने कहा कि चीन से निवेश आने पर स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ेगा, जिससे न केवल भारत के अंदर विनिर्माण को बल मिलेगा बल्कि चीन यहां से निर्यात भी कर सकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत को इस निवेश को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत की रूस से तेल खरीद पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा पर कुमार ने कहा कि भारत को इसके प्रभाव को कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाने होंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे, जो सात साल बाद उनकी पहली चीन यात्रा होगी। इसके बाद वे जापान भी जाएंगे। यह यात्रा भारत-चीन संबंधों में नए दौर की शुरुआत मानी जा रही है।

कॉग्निजेंट ने 80 फीसदी कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि का ऐलान

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी कॉग्निजेंट ने अपने लगभग 80 प्रतिशत पात्र कर्मचारियों को 1 नवंबर 2025 से वेतन वृद्धि देने की घोषणा की है। यह वेतन वृद्धि वरिष्ठ 'एसोसिएट' स्तर तक लागू होगी। कंपनी ने बताया कि वेतन वृद्धि की राशि कर्मचारियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन रेटिंग और उनके देश के अनुसार भिन्न होगी। कॉग्निजेंट पहले भी यह संकेत दे चुका था कि वह 2025 की दूसरी छमाही में योग्यता-आधारित वेतन वृद्धि प्रदान करेगा। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम कर्मचारियों के प्रदर्शन को मान्यता देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया गया है। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष की शुरुआत में कॉग्निजेंट ने अपने कर्मचारियों को पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक बोनस भी दिया था, जिससे कंपनी के कर्मचारी मनोबल में सुधार हुआ है। इस घोषणा से कंपनी में उत्साह और उम्मीद बढ़ी है।

थोक महंगाई दर जुलाई में घटकर दो साल के निचले स्तर -0.58 फीसदी पर आई

नई दिल्ली,14 अगस्त (एजेंसियां)। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर भी जुलाई में घटकर दो साल के निचले स्तर -0.58 फीसदी पर आ गई है। पिछले महीने जून में ये -0.13 फीसदी रही थी, जबकि पिछले साल जुलाई में यह 2.10 फीसदी पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक जुलाई में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें घटने से -0.58 फीसदी रही है।

थोक महंगाई की नकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मूल धातुओं के निर्माण आदि की कीमतों में गिरावट की वजह से आई है। आंकड़ों के अनुसार जुलाई में खाद्य वस्तुओं के महंगाई में 6.29 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि जून में 3.75 फीसदी की गिरावट आई थी। जुलाई महीने में सब्जियों के दाम में 28.96 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि जून महीने में यह 22.65 फीसदी थी। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई जुलाई महीने में बढ़कर 2.05 फीसदी रही, जबकि पिछले महीने जून में यह 1.97 फीसदी थी।

इसके अलावा ईंधन और बिजली क्षेत्र में जुलाई में नकारात्मक महंगाई या अपस्फीति 2.43 फीसदी रही, जबकि जून में यह 2.65 फीसदी थी। जुलाई महीने में खुदरा महंगाई दर घटकर 8 साल के निचले स्तर 1.55 फीसदी पर आ गई है। ये रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के लक्ष्य से नीचे है। रिजर्व बैंक ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष की महंगाई का अनुमान घटाकर 3.1 फीसदी कर दिया है, जो पहले 3.7 फीसदी था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बयानबाजी पर...

वह उनकी शिरा कैसे हो सकती है? यह भारत का केंद्रशासित प्रदेश है और पाकिस्तान से इसका एकमात्र रिश्ता वहां के अवैध कब्जे को खत्म करने का है।

एससी ने चुनाव...

वेबसाइट पर क्यों नहीं डाल सकते? इससे पीड़ित 30 दिनों के भीतर सुधारात्मक उपाय कर सकते हैं।चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि मृत, विस्थापित या स्थानांतरित हुए लोगों के नामों की सूची राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को दी गई है। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम नहीं चाहते कि नागरिकों के अधिकार राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं पर निर्भर रहे। मृत, विस्थापित या स्थानांतरित मतदाताओं के नामों को डिस्प्ले बोर्ड या वेबसाइट पर प्रदर्शित करने से अनजाने में हुई गलतियों को सुधारने का मौका मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वेबसाइटों, स्थानों के विवरण के लिए सार्वजनिक नोटिस जारी करने पर विचार करें, जहां लोगों की जानकारी 'मृत, विस्थापित या स्थानांतरित' साझा की जाती है।

आवारा कुत्तों पर...

3 जजों की स्पेशल बेंच को सौंप दिया था। शीर्ष कोर्ट ने 11 अगस्त को डॉग बाइट्स और रेबीज के मामलों को देखते हुए सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में दिल्ली- एनसीआर के आवासीय क्षेत्रों से हटाकर शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस काम में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी।जस्टिस विक्रम नाथ ने एक महिला वकील से पूछा- मिस दवे, आप किसकी तरफ से हैं? दवे बोलीं- मैं एमसीडी की ओर से हूं। हमारा हलफनामा रिकॉर्ड में है। जो भी आदेश पारित होगा, हम उसका पालन करने तैयार हैं।जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि लेकिन आपका क्या कहना है? यह नगर निगम की निष्क्रियता के कारण हो रहा है। स्थानीय अधिकारी वह नहीं कर रहे, जो उन्हें करना चाहिए। उन्हें यहां जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यहां हस्तक्षेप दर्ज कराने आए हर व्यक्ति को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।एडवोकेट सिद्धार्थ दवे ने कहा कि मैं यहां एक एक्सपर्ट की तरफ से पेश हुआ हूं। कुत्तों को उठाया जा रहा है, लेकिन कोई शेल्टर होम नहीं है। आदेश से पहले अदालत के सामने केवल एमिकस रिपोर्ट ही थी। इन मुद्दों पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के पास कोई सामग्री नहीं है।वास्तविक आंकड़ों पर भरोसा किया गया है और अप्रमाणित वीडियो के कारण स्वतः संज्ञान मामला दर्ज किया गया।जस्टिस संदीप मेहता ने कहा कि यह भी असली बयान है। एक हलफनामा दायर करें, हम विचार करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर ...

ऑपरेशन के दौरान बीएसएफ के दो जवान शहीद और सात घायल हुए।

इसके अलावा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को भी मेडल से सम्मानित किया है। इनमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के 128, सीआरपीएफ के 20 और छत्तीसगढ़ पुलिस के 14 पदक शामिल हैं।सेंट्रल-स्टेट फोर्स के 1090 पुलिसकर्मियों को सेवा पदक केंद्र सरकार ने सेंट्रल और स्टेट फोर्स के 1090 पुलिसकर्मियों को सेवा पदक देने की घोषणा की है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, 233 पुलिसकर्मियों को वीरता मेडल, 99 को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक और 758 को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।इनमें फायर सर्विस, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस पर्सनल भी शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के सबसे ज्यादा 152 पुलिसकर्मियों को वीरता मेडल मिले हैं।

देश को एकजुट ...

प्रभावित हुए कई लोगों ने अपनी जिंदगी की नए सिरे से शुरुआत की और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं।''देश में 14 अगस्त 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1947 में 14 अगस्त के दिन पाकिस्तान तथा 15 अगस्त को भारत को एक पृथक राष्ट्र घोषित कर दिया गया। अनुमान है कि विभाजन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा में लाखों लोग मारे गए थे।

विभाजन के दर्द ...

के शिकार लोगों के दर्द को याद कर संवेदना व्यक्त करने का दिन है। इस दिन कांग्रेस ने देश को टुकड़ों में बांटकर मां भारती के स्वाभिमान को चोट पहुंचाई। विभाजन के कारण हिंसा, शोषण और अत्याचार हुए, और करोड़ों लोगों ने विस्थापन झेला। मैं उन सभी लोगों के प्रति मन की गहराई से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। देश विभाजन के इस इतिहास और दर्द को कभी भुला नहीं सकेगा। विभाजन की इस विभीषिका में अपनी जान गँवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद विभाजन का दंश झेलने वाले लोगों को याद करते हुए देश में हर वर्ष 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

हिंदू धर्म में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इस दिन लोग व्रत रखकर और बिना व्रत के भी बड़े उल्लास के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हैं। इस बार 26 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। इस वर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर कई वर्षों के बाद ऐसा संयोग बना है जो बहुत ही दुर्लभ है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्र कृष्ण अष्टमी तिथि, बुधवार, रोहिणी नक्षत्र एवं वृष राशि में मध्य रात्रि में हुआ था। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार वर्ष 2025 में यह तिथि 15 अगस्त की रात 11:49 बजे शुरू होकर 16 अगस्त की रात 9:34 बजे तक रहेगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, 15 अगस्त को स्मार्त संप्रदाय के लोग जन्माष्टमी मनाएंगे, जबकि 16 अगस्त को वैष्णव संप्रदाय जन्मोत्सव मनाएंगे। हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। यह दिन श्रीकृष्ण को समर्पित होता है। जन्माष्टमी के इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-उपासना की जाती है। मान्यता है कि भगवान कृष्ण के शरणागत रहने वाले जातकों को मृत्यु लोक में स्वर्ग समान सुखों की प्राप्ति होती है।

शास्त्रों में इसका विशेष उल्लेख है। 'अर्द्धरात्रे तु रोहिण्यां यदा कृष्णाष्टमी भवेत्। तस्यामभ्यर्चनं शौरिहन्ति पापों त्रिजन्मजम्।'अर्थात अष्टमी तिथि, जन्म समय पर रोहिणी नक्षत्र और हर्षण योग में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत एवं जन्मोत्सव मनाने वाले श्रद्धालुओं के तीन जन्म के पाप समूल नष्ट हो जाते हैं और ऐसा योग शत्रुओं का दमन करने वाला है। निर्णय सिंधु में भी एक श्लोक आता है-'त्रेतायां द्वापरे चैव राजन् कृतयुगे तथा। रोहिणी सहितं चेयं विद्वद्भिः समुपपोषिता।।' अर्थात हे राजन्, त्रेता युग, द्वापर युग, सतयुग में रोहिणी नक्षत्र युक्त अष्टमी तिथि में ही विद्वानों ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उपवास किया था इसीलिए कलयुग में भी इसी प्रकार उत्तम योग माना जाए। ऐसा योग विद्वानों और श्रद्धालुओं को अच्छी प्रकार से पोषित करने वाला योग होता है।

शुभ मुहूर्त

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को आधी रात में रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इसलिए भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 15 अगस्त रात 11:49 मिनट से शुरू होकर 16 अगस्त रात 9:34 मिनट पर समाप्त होगी। इस साल भगवान श्रीकृष्ण का 5252वां जन्मोत्सव है। कृष्ण जन्माष्टमी 16 अगस्त को मनाई जाएगी। इसमें पूजा का शुभ मुहूर्त देर रात 12:04 से 12:47 बजे तक रहेगा। चंद्रोदय समय 11:32 दोपहर और अष्टमी तिथि 15 अगस्त को रात 11:49 से आरंभ होकर 16 अगस्त रात 9:34 पर समाप्त होगी। जबकि रोहिणी नक्षत्र 17 अगस्त शाम 4:38 बजे शुरू होकर 18 अगस्त को रोहिणी नक्षत्र समाप्त 18 अगस्त को सुबह 3:17 पर समाप्त होगा। इसलिए जन्माष्टमी का व्रत कई लोग सूर्योदय से लेकर रात 12 बजे तक रखते हैं तो कई लोग इस व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के बाद करते हैं।

जन्माष्टमी का भोग

भगवान लड्डू गोपाल को माखन मिश्री का भोग बहुत पसंद है। इस वजह से जन्माष्टमी वाले दिन बाल श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाएं। इसके अलावा आप केसर वाला घेवर, पेड़ा, मखने की खीर, रबड़ी, मोहनभोग, रसगुल्ला, लड्डू आदि का भोग लगा सकते हैं।

जन्माष्टमी व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारण व्रत की पूर्ति होती है। इस व्रत के एक दिन पहले यानी सप्तमी के दिन हल्का और सात्विक भोजन ही करना चाहिए। व्रत वाले दिन प्रातः स्नान आदि से निवृत होकर सभी देवताओं को नमस्कार करें। पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके बैठ जाएं। हाथ में जल, फल और पुष्प लेकर व्रत का संकल्प लें। मध्यान्ह के समय काले तिल का जल छिड़क कर देवकी जी के लिए प्रसूति गृह बनाएं। अब इस सूतिका गृह में सुंदर सा बिछौना बिछाकर उस पर कलश स्थापित करें। भगवान कृष्ण और माता देवकी जी की मूर्ति या सुंदर चित्र स्थापित करें। देवकी, वासुदेव, बलदेव, नन्द, यशोदा और लक्ष्मी जी का नाम लेते हुए विधिवत पूजन करें। यह व्रत रात 12 बजे के बाद ही खोला जाता है। इस व्रत में अनाज का उपयोग नहीं किया जाता। फलाहार के रूप में कुट्टू के आटे की पकौड़ी, मावे की बर्फी और सिंघाड़े के आटे का हलवा खा सकते हैं।

व्रत करने से मिलेगी पाप-कष्टों से मिलती है मुक्ति

निर्णय सिंधु नामक ग्रंथ के अनुसार ऐसा संयोग जब जन्माष्टमी पर बनता है, तो इस खास मौके को ऐसे ही गवाना नहीं चाहिए। अगर आप इस तरह के संयोग में व्रत करते हैं तो 3 जन्मों के जाने-अनजाने हुए पापों से मुक्ति मिलती है। मान्यता है कि इस तिथि और संयोग में भगवान कृष्ण का पूजन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। व्यक्ति को भगवत कृपा की प्राप्ति होती है। जो लोग कई जन्मों से प्रेत योनि में भटक रहे हो इस तिथि में उनके लिए पूजन करने से उन्हे मुक्ति मिल जाती है। इस संयोग में भगवान कृष्ण के पूजन से सिद्धि की प्राप्ति होगी तथा सभी कष्टों से मुक्ति मिलेगी।

जन्माष्टमी पर इनमें से कोई एक उपाय से दुर्भाग्य होगा दूर

जन्माष्टमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यता है कि द्वापर युग में भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र में भगवान कृष्ण ने मध्य रात्रि में जन्म लिया था। यही कारण है कि हर वर्ष इसी तिथि पर जन्माष्टमी मनाई जाती है। इस दिन कान्हाजी की सेवा, पूजा, भजन आदि करने का खास महत्व होता है। वहीं, अगर आप जन्माष्टमी पर कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे जीवन के दुखों से छुटकारा मिल सकता है और भगवान कृष्ण की विशेष कृपा पूरे परिवार पर बनी रहती है। ऐसे में आज हम आपको जन्माष्टमी के लिए बांसुरी के कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें आजमाने से आपके जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है।

इस उपाय से घर में आएगी सकारात्मकता

जन्माष्टमी के दिन आप एक बांसुरी लाकर अपने घर के मंदिर के द्वार पर इसे लटका सकते हैं। इसके अलावा, घर के गेट की छत पर भी इसे लगाया जा सकता है। ऐसा करने से घर में चारों ओर सकारात्मक वातावरण बना रहता है और जातक गृह क्लेश से भी मुक्ति मिल सकती है। इस उपाय से घर में हमेशा खुशनुमा माहौल बना रहता है और नकारात्मकता दूर रहती है।

घर में सुख-समृद्धि के लिए करें यह उपाय

इसके लिए आप जन्माष्टमी के दिन अपने घर में बांसुरी वाले विंड चाइम लगा सकते हैं। इनके आपस में टकराने से बहुत मधुर ध्वनि उत्पन्न होती है जो घर के माहौल को खुशनुमा बनाती है। इस उपाय को करने से जातक के घर में सुख-समृद्धि आती है और परिवार के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। साथी ही, घर में बांसुरी वाले विंड चाइम लगाने से आपको घर की समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है।

इस उपाय से जीवन में पाएंगे तरक्की

जन्माष्टमी के दिन एक छोटा सा उपाय आजमाने से आपको जीवन में तरक्की मिल सकती है और भगवान कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। इसके लिए जन्माष्टमी पर बाल गोपाल की पूजा के समय उन्हें चांदी से बनी छोटी सी बांसुरी चढ़ाएं। ऐसा करने से आपको करियर और कारोबार में आने वाली समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, जीवन में तरक्की मिलने के नए मार्ग खुलने लगते हैं और कारोबार में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं।

जीवन से दुर्भाग्य दूर करने का उपाय

अगर आप जीवन में एक के बाद एक समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इसके लिए एक बांसुरी में गुड़, शक्कर, नारियल का बुरादा आदि भरकर भगवान कृष्ण को अर्पित करें। इसके बाद, विधि-विधान से कान्हाजी की पूजा करें और फिर बांसुरी को उठाकर किसी पेड़ के नीचे मिट्टी में दबा दें। इस दौरान इस बात का ख्याल रखें की बांसुरी का मुख मिट्टी के ऊपर थोड़ा खुला रहे ताकी इसे चीटियां खा सकें। मान्यता है कि जब तक काली चीटियां सामग्री को खाती हैं तब तक जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है और उसके जीवन से दुर्भाग्य दूर होने लगता है।

धन-दौलत में वृद्धि का उपाय

जन्माष्टमी के दिन बाल गोपाल की सेवा और पूजा करने के साथ-साथ आप बांसुरी से जुड़ा एक उपाय भी कर सकते हैं। इसके लिए जन्माष्टमी के दिन छोटे बच्चों को श्रीकृष्णजी का स्वरूप मानकर उन्हें बांसुरी भेंट करनी चाहिए। ऐसा करने से जातक को आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है और धन-दौलत में भी वृद्धि हो सकती है। इस उपाय से आपके जीवन में सफलता के नए मार्ग खुल सकते हैं।

घर का मंदिर सजाते वक्त वास्तु के इन नियमों का रखें ख्याल, चमक उठेगा भाग्य

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी के त्योहार का बेहद खास महत्व होता है, जिसे पूरे देश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन जन्माष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि इसी दिन रोहिणी नक्षत्र में भगवान कृष्ण ने मध्य रात्रि में जन्म लिया था। इस विशेष दिन की तैयारी में लोग कई दिन पहले से ही लग जाते हैं और अपने घर व मंदिर को भी शानदार तरीके से सजाते हैं। वहीं, अगर आप कान्हा जी का झूला व मंदिर सजाते समय अगर कुछ बातों का ध्यान रख लें तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और जातक का भाग्य भी चमक सकता है।

लड्डू गोपाल की चौकी लगाते समय दिशा का रखें ख्याल

जन्माष्टमी के लिए कई भक्त अपने घरों में लड्डू गोपाल की अलग से चौकी लगाते हैं और इसे शानदार तरीके से सजाते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार भगवान को स्थापित करने की सही दिशा का ख्याल जरूर रखना चाहिए। ऐसे में चौकी को घर की उत्तर दिशा में लगाना सबसे शुभ माना जाता है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप पूर्व दिशा में भी बाल गोपाल की चौकी को रख सकते हैं। उत्तर दिशा को सुख-समृद्धि, तरक्की और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इस दिशा में भगवान की चौकी रखने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

लड्डू गोपाल की नई प्रतिमा लाते समय ध्यान रखें यह बात

अगर आप इस जन्माष्टमी पर घर के मंदिर में लड्डू गोपाल को लेकर आने का विचार बना रहे हैं, तो इस बात का विशेष ख्याल रखें की उनकी प्रतिमा अधिक बड़ी न हो। घर में ज्यादा बड़ी साइज के देवी-देवताओं की मूर्ति को रखना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि अपने अंगूठे बराबर यानी 2 से 3 इंच जितने बाल गोपाल की प्रतिमा को घर में लाना बेहद शुभ होता है। साथ ही, उनकी सेवा और पूजा करने से आपके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं।

इस प्रकार रखें बाल गोपाल का झूला

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी के दिन लड्डू गोपाल को झूला झुलाने की मान्यता लंबे समय से चली आ रही है। ऐसे में घर में झूला रखते समय इस बात का ख्याल जरूर रखें कि जब आप लड्डू गोपाल को झूला झुलाएं तो आपका मुख उत्तर की दिशा होना चाहिए। ऐसा संभव न होने पर मुख को पूर्व दिशा की ओर किया जा सकता है। इन दिशाओं को वास्तु में बेहद शुभ माना गया है। ऐसे में रात में उत्तर दिशा में अपना मुख इसी दिशा में रखकर बाल गोपाल को झूला झुलाना चाहिए और भगवान की प्रतिमा को अपने ठीक सामने रखना चाहिए।

मंदिर सजाते वक्त न करें ये गलतियां

जन्माष्टमी के दिन अपने घर और मंदिर को सजाते समय वास्तु की कुछ विशेष बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। पूजा-पाठ के कार्यों में काले रंग का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में अपना मंदिर सजाने के लिए काले या अत्यधिक गहरे रंगों का प्रयोग न करें। इसकी जगह आप लाल, पीले, हरे, गुलाबी आदि शुभ रंगों का प्रयोग कर सकते हैं। साथ ही, जिस स्थान पर आप लड्डू गोपाल की प्रतिमा रखें उसे पहले अच्छी तरह साफ जरूर कर लें। मंदिर के आसपास जूते-चप्पल रखने का स्टैंड, झाड़ू आदि भी नहीं रखा होना चाहिए।

मोर पंख और बांसुरी मंदिर में इस तरह रखें

कान्हा जी को मोर पंख और बांसुरी बेहद प्रिय है। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन उनके श्रृंगार में इन्हें भी शामिल किया जाता है। लेकिन भगवान के पास इन्हें रखते समय वास्तु के नियम का ख्याल जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि लड्डू गोपाल के दाएं हाथ में बांसुरी रखनी चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप भगवान की दाईं ओर बांसुरी और मोरपंख को रख सकते हैं। जन्माष्टमी पर घर का मंदिर सजाते वक्त इन बातों का ख्याल रखने से बेहद उत्तम फल प्राप्त हो सकता है और परिवार के सदस्यों पर कान्हाजी की कृपा बनी रहती है।

जन्माष्टमी पर खीरा काटने की क्या है परंपरा? जानें इसका महत्व

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो कि इस साल 16 अगस्त को है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। जन्माष्टमी के दिन हर घर और मंदिर में रोहिणी नक्षत्र के मध्य रात्रि में कान्हा जी की विधिपूर्वक पूजा की जाती है और उन्हें 56 भोग लगाए जाते हैं। इस दिन भगवान कृष्ण की पूजा में खीरा बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। जन्माष्टमी पर मध्य रात्रि में खीरा काटा जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा क्यों है। चलिए आपको बताते हैं इसका कारण।

खीरे का महत्व –धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, खीरे का संबंध गर्भाशय से होता है। जन्माष्टमी पर खीरा माता यशोदा के गर्भाशय का प्रतीक माना जाता है यानी इस दिन खीरा काटना भगवान कृष्ण के जन्म का प्रतीक है। आधी रात को, जब भगवान कृष्ण का जन्म होता है, तो खीरा काटकर, उसके बीज निकालकर, उसे नाभि छेदन (नाल काटना) की प्रतीकात्मक क्रिया के रूप में मनाया जाता है।

जन्माष्टमी पर खीरा क्यों काटा जाता है?

हिंदू धर्म में खीरे का डंठल गर्भनाल का प्रतीक माना जाता है और इसे काटकर भगवान कृष्ण को माता देवकी के गर्भ से अलग करने की रस्म निभाई जाती है। इस रस्म के पीछे मान्यता है कि जिस तरह जन्म के समय बच्चे को मां से अलग करने के लिए गर्भनाल को काटा जाता है, ठीक उसी तरह खीरे को काटकर भगवान कृष्ण का जन्मदिवस मनाया जाता है।

संतान सुख की प्राप्ति–ऐसा माना जाता है कि खीरा शुद्ध और पवित्र फल है और इसे भगवान कृष्ण को अर्पित भी किया जाता है। इसके अलावा, कुछ लोग खीरे को गर्भवती महिलाओं के लिए शुभ मानते हैं। कहते हैं कि जन्माष्टमी पर खीरा प्रसाद के रूप में ग्रहण करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है।

।। आरती श्री कृष्ण की ।।

श्री कृष्णचन्द्र कृपालु भजु मन, नन्दनन्दन यदुवरम्।
आनन्दमय सुखराशि ब्रजपति, भक्तजन संकटहरम् ।।टेक।।
शिर मुकुट कुण्डल तिलक उर, वनमाला कौस्तुभ सुन्दरम्।
आजानु भुज पट पीत धर, कर लकुटि मुख मुरली धरम्।।1।।
वृषभानुजा सह राजहि प्रिय, सुमन सुभग सिंहासनम्।
ललितादि सखिजन सेवह, लिए छत्र चामर-व्यंजनम्।।2।।
पूतना-तृण-शकट-अघ-बक, केशि व्योम विमर्दनम्।
रंजक-गज-चाणूर-मुष्टिक, दुष्ट कंस निकन्दनम्।।3।।
गो-गोप-गोपीजन सुखद, कालीय विषधर गंजनम्।
भव-भय हरण अशरणशरण, ब्रह्मादि मुनि मन रंजनम्।।4।।
श्याम-श्यामा करत केलि, कालिन्दी तट नट नागरम्।
सोहं रूप मम हिय बसहु नित, आनन्दघन सुख सागरम्।।5।।
इति वदति संत सुजान, श्री सनकादि मुनिजन सेवितम्।
भव भीति हरमम दीन बन्धो, जयति-जय सर्वेश्वरम्।।6।।

-संकलनकर्ता :

रमाकांत इन्नानी, हैदराबाद

जन्माष्टमी: भगवान कृष्ण और सच्ची भक्ति का संदेश

जन्माष्टमी का पावन पर्व नजदीक है, और ऐसे में यह विचार करना आवश्यक है कि हम श्री कृष्ण की पूजा किस तरह कर रहे हैं। ध्यान आश्रम के अश्विनी गुरुजी का मानना है कि केवल धार्मिक अनुष्ठान और मंदिरों को सजाना ही सच्ची भक्ति नहीं है, बल्कि भगवान कृष्ण के बताए मार्ग पर चलना ही असली कृष्ण भक्ति है।

गुरुजी के अनुसार, श्री कृष्ण, भगवान विष्णु के अवतार थे, जिन्होंने द्वापर युग में धर्म की स्थापना और सृष्टि की रक्षा के लिए जन्म लिया था। गीता में भगवान ने स्वयं कहा है: यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम (जब-जब धर्म संकट में होता है, और अधर्म बढ़ने लगता है, तब-तब मैं अवतरित होता हूँ)।

धर्म कोई मजहब नहीं, बल्कि सृष्टि का आधार है

अश्विनी गुरुजी जोर देकर कहते हैं कि 'धर्म' का अर्थ किसी मजहब से नहीं है। धर्म तो सृष्टि का आधार है। जैसे सूर्य का धर्म प्रकाश देना है, पेड़ का धर्म पर्यावरण को शुद्ध करना है, वैसे ही मनुष्य का धर्म है निर्बलों की रक्षा करना, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना और यह सुनिश्चित करना कि कोई भी भूखा न रहे।

लेकिन आज का मनुष्य अपने इस धर्म को भूल गया है। अपराध बढ़ रहे हैं, बेसहारा जानवर भूख से मर रहे हैं, और योग का भी व्यवसायीकरण हो गया है। गुरुजी एक घटना का उदाहरण देते हुए बताते हैं कि हाल ही में दिल्ली के एक हाट में एक घायल गर्भवती गाय मदद के लिए तड़प रही थी, लेकिन कोई उसकी सहायता के लिए आगे नहीं आया और अंततः उसकी मृत्यु हो गई। विडंबना यह है कि उसी बाजार में जन्माष्टमी के लिए बाल कृष्ण की मूर्तियां और मुकुट बेचे जा रहे थे।

गोपाल की सच्ची भक्ति क्या है?

गुरुजी सवाल उठाते हैं कि जब कृष्ण को 'गोपाल' (गायों का रक्षक) कहा जाता है, तो आज के कृष्ण भक्त गायों और अन्य बेसहारा जानवरों की उपेक्षा क्यों कर रहे हैं? लोग मंदिरों को सजाने और वीआईपी दर्शन की व्यवस्था करने में व्यस्त हैं, लेकिन उस गाय को बचाने का समय किसी के पास नहीं है, जो कृष्ण को सबसे प्रिय थी।

सच्ची भक्ति का अर्थ है अपने इष्ट देव के दिखाए मार्ग पर चलना। जिस तरह अर्जुन ने गौ-रक्षा के लिए अपना वनवास और अज्ञातवास दाँव पर लगा दिया था, उसी तरह हमें भी कृष्ण के कार्यों का अनुसरण करना चाहिए। कृष्ण की पूजा सिर्फ फूलों और गीतों से नहीं, बल्कि गरीबों का उत्थान, कमजोर जीवों की रक्षा और पर्यावरण के संरक्षण से होती है।

गुरुजी स्पष्ट करते हैं कि यदि आप मंदिरों को सजाने में व्यस्त हैं, जबकि उन्हीं मंदिरों के बाहर कूड़े के ढेर लगे हैं और लोग पीड़ा में हैं, तो आपकी भक्ति निरर्थक है।

जन्माष्टमी: आध्यात्मिक शक्ति का दिन

अश्विनी गुरुजी के अनुसार, जन्माष्टमी का दिन आध्यात्मिक क्रियाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन यज्ञ और सनातन क्रिया के माध्यम से कृष्ण की शक्ति आसानी से उपलब्ध होती है, और साधकों के विचार शीघ्र फलित होते हैं। यह अष्टांग योग की क्रियाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ा देता है।

यदि आप यज्ञ की शक्ति और सूक्ष्म शक्तियों का अनुभव करना चाहते हैं, तो आप ध्यान फाउंडेशन से संपर्क कर सकते हैं।

अश्विनी गुरुजी, ध्यान फाउंडेशन के मार्गदर्शक और वैदिक विज्ञान के विशेषज्ञ हैं। उनकी पुस्तक 'सनातन क्रिया - डी एसेंस ऑफ योग' में उन्होंने अष्टांग योग के विज्ञान का विस्तार से उल्लेख किया है। अधिक जानकारी के लिए www.dhyanfoundation.com या dhyandhyanfoundation.com पर संपर्क करें।

-अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

अजर-अमर फिल्म 'शोले' - 50 साल का सफर

भारतीय सिनेमा का सदाबहार शाहकार

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहतीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर बन जाती हैं। 'शोले' ऐसी ही एक फिल्म है। 15 अगस्त 1975 को रिलीज़ हुई इस फिल्म को आज पूरे 50 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन इसकी लोकप्रियता में ज़रा भी कमी नहीं आई। जब भी यह टेलीविज़न पर आती है, लाखों दर्शक अब भी पूरे चाव से इसे देखते हैं।

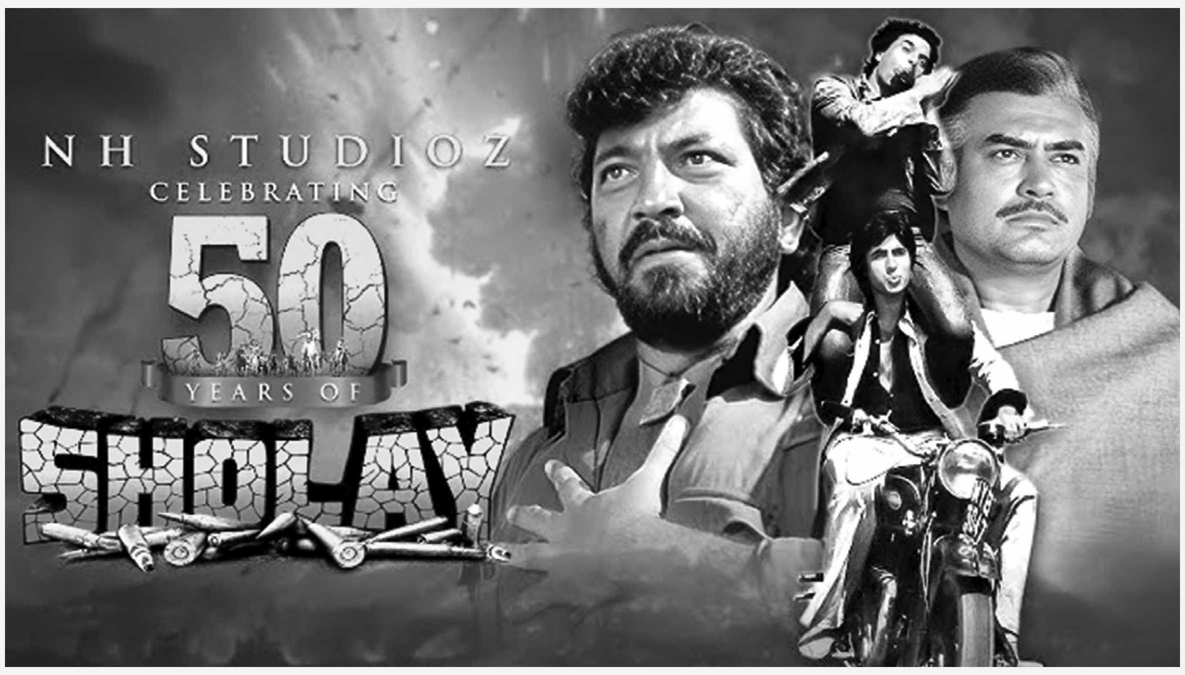

निर्देशक का कमाल

यह फिल्म मात्र 28 वर्ष के युवा निर्देशक रमेश सिप्पी ने बनाई थी। कहानी भले ही एक खतरनाक डकैत को दो छोटे-मोटे अपराधियों की मदद से पकड़वाने की हो, लेकिन इसकी प्रस्तुति, गति, संवाद और अभिनय ने इसे एक अमर कृति बना दिया।

रमेश सिप्पी ने फिल्म को उस तेजी और रोमांच के साथ परदे पर उतारा, जैसा कि बसंती (हेमा मालिनी) के उस मशहूर सीन में दिखता है, जब वह डाकुओं के गिरोह से बचते हुए अपनी घोड़ी 'धन्नो' के साथ दौड़ती है। सीन दर सीन फिल्म आगे बढ़ती है, और दर्शक एक पल को भी परदे से नज़र नहीं हटा पाते।

कहानी का सार

फिल्म की शुरुआत होती है डाकुओं द्वारा मालगाड़ी को हाइजैक करने से, जिसे पुलिस इंस्पेक्टर ठाकुर बलदेव सिंह (संजीव कुमार) अपनी योजना और दो अपराधी-जय (अमिताभ बच्चन) और वीरू (धर्मेंद्र)-की मदद से नाकाम कर देता है। ठाकुर गब्बर सिंह (अमजद खान) को पकड़कर कानून के हवाले करता है, लेकिन गब्बर जेल से भाग निकलता है और ठाकुर के परिवार की हत्या कर देता है।

होली के दिन गब्बर गाँव पर हमला करता है, लेकिन जय और वीरू उसे खदेड़ देते हैं। अंततः ठाकुर, अपने हाथ कट जाने के बावजूद, केवल पैरों से लड़कर गब्बर को अधमरा कर पुलिस के हवाले करता है।

भावनाओं का संगम

'शोले' महज़ एक एक्शन फिल्म नहीं है-यह दोस्ती, प्यार, क्रोध, वीरता, हास्य और करुणा का संगम है। फिल्म के हर किरदार ने अपनी अमिट छाप छोड़ी-

- सूरमा भोपाली (जगदीप) की हंसी-मज़ाक
- जेलर (अस्रानी) का हास्य-प्रधान अभिनय
- हरी राम नाई (केशटो मुखर्जी) का हल्का-फुल्का अंदाज़
- कालिया (विजू खोटे) और उसका मशहूर डायलॉग सरदार, मैंने आपका नमक खाया है
- सांभा (मैक मोहन) का संक्षिप्त लेकिन यादगार किरदार
- इमाम साहब (ए.के. हंगल) और मौसी (लीला मिश्रा) का भावनात्मक पक्ष

संवाद और यादगार लम्हे

फिल्म के संवाद अपने आप में इतिहास बन गए – कितने आदमी थे? – ये हाथ हमको दे दे ठाकुर – तेरा क्या होगा, कालिया?

संगीत और गीत

आर.डी. बर्मन का संगीत और गुलज़ार के लिखे गीत फिल्म की आत्मा हैं। ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे आज भी दोस्ती का सबसे बड़ा प्रतीक गीत है, जबकि होली के दिन दिल खिल जाते हैं होली के अवसर पर हर जगह गूंजता है।

अमरता का रहस्य

'शोले' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक अनुभव है। यह दर्शकों की यादों में इस तरह रच-बस गई है कि यह वहाँ से निकलने का नाम ही नहीं लेती। यही वजह है कि 50 साल बाद भी इसका जादू बरकरार है।

सम्मान और सवाल

भारतीय सिनेमा के इतिहास में सोने के अक्षरों में दर्ज गिनी-चुनी फिल्मों में 'शोले' का नाम हमेशा लिया जाएगा। कई समीक्षक इसे 'मुग़ल-ए-आज़म' के बाद दूसरा सबसे बड़ा सिनेमाई शाहकार मानते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि आज तक किसी ने इसका सीक्वल बनाने का गंभीर प्रयास नहीं किया।

समापन

सिप्पी फिल्म्स और 'शोले' की पूरी टीम को इस अमर कृति के लिए कोटि-कोटि अभिनंदन। यह फिल्म भारतीय सिनेमा में दोस्ती, साहस और मानवीय भावनाओं की मिसाल बनकर हमेशा जीवित रहेगी।

ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे

पर्दे के पीछे की अनकही कहानियाँ भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहतीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर बन जाती हैं। 'शोले' ऐसी ही एक फिल्म है। 15 अगस्त 1975 को रिलीज़ हुई इस फिल्म को आज पूरे 50 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन इसकी लोकप्रियता में ज़रा भी कमी नहीं आई। जब भी यह टेलीविज़न पर आती है, लाखों दर्शक अब भी पूरे चाव से इसे देखते हैं।

एक विचार से जन्मी कहानी

1973-74 में जब सलीम-जावेद (सलीम खान और जावेद अख्तर) ने यह कहानी लिखी, तो उनका सपना था एक ऐसी फिल्म बनाने का जो वेस्टर्न फिल्मों की तरह एक्शन से भरपूर हो, लेकिन भारतीय भावनाओं के साथ। उनकी प्रेरणा हॉलीवुड की The Magnificent Seven Am¡a Once Upon a Time in the West से आई, मगर 'शोले' का दिल और आत्मा पूरी तरह भारतीय था।

युवा निर्देशक का दांव

रमेश सिप्पी उस समय सिर्फ 28 साल के थे। उन्होंने तय किया कि यह फिल्म उस दौर के किसी भी फिल्म से तकनीकी रूप से श्रेष्ठ होगी। इसलिए उन्होंने 70 मिमी फिल्म फॉर्मेट और स्टीरियोफोनिक साउंड का इस्तेमाल किया-जो उस समय भारत में बिल्कुल नया था।

लोकेशन – रामनगर, कर्नाटक

गब्बर सिंह का 'रामगढ़' असल में कर्नाटक के रामनगर में बनाया गया था। यहाँ पत्थरीली पहाड़ियाँ और खुले मैदान फिल्म की 'वेस्टर्न' लुक के लिए बिल्कुल उपयुक्त थे। शूटिंग के बाद यह जगह 'शोले' से जुड़कर एक पर्यटक स्थल बन गई, जिसे आज भी लोग देखने आते हैं।

गब्बर सिंह – एक नया खलनायक

अमजद खान को पहले यह रोल मिलने वाला नहीं था। पहले डैनी डेंगजोंगपा को साइन किया गया था, लेकिन उनके पास समय नहीं था। अमजद खान उस समय बड़े नाम नहीं थे, लेकिन उनका गब्बर सिंह का किरदार इतना प्रभावी निकला कि वह भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार विलन बन गए।

जय और वीरू की जोड़ी

अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की जोड़ी ने दोस्ती की परिभाषा बदल दी। ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे गीत के साथ उनकी मस्ती, बहस, और एक-दूसरे के लिए जान देने का जज़्बा भारतीय दर्शकों के लिए आदर्श मित्रता का प्रतीक बन गया।

बसंती और धन्नो

हेमा मालिनी का बसंती के रूप में चुलबुला अंदाज़, तेज़-तर्रार बातें, और अपने टांगे 'धन्नो' के साथ भागने वाले दृश्य अब भी दर्शकों के पसंदीदा हैं। रमेश सिप्पी ने बसंती के संवाद जानबूझकर लंबे और बिना रुके बोलने वाले रखे-ताकि उनका ऊर्जा-भरा किरदार निखर सके।

एक्शन और तकनीकी कमाल

फिल्म के एक्शन सीन उस समय के लिए क्रांतिकारी थे। घुड़सवारी, गोलीबारी, और विस्फोटक दृश्य सभी असली लोकेशन पर शूट किए गए। सिनेमैटोग्राफर दुर्गा प्रसाद ने वाइड-एंगल शॉट्स और स्लो-मोशन का बेहतरीन उपयोग किया-जैसे जय का बलिदान वाला दृश्य, जो आज भी भावुक कर देता है।

संगीत – फिल्म की आत्मा

आर.डी. बर्मन का संगीत और गुलज़ार के बोल ने फिल्म को अमर बना दिया। चाहे 'महबूबा महबूबा' का धुन हो या 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' का रंगीन माहौल-हर गीत कहानी का हिस्सा लगता है, न कि बस जोड़ा गया।

सेंसर और बदलाव

फिल्म का असली क्लाइमेक्स अलग था-ठाकुर गब्बर को मार देता है। लेकिन सेंसर बोर्ड ने यह बदलवा दिया और अंत में ठाकुर गब्बर को पुलिस के हवाले करता है।

शुरुआती असफलता से ब्लॉकबस्टर तक

रिलीज़ के पहले हफ्ते में फिल्म का रिस्पॉन्स उम्मीद से कम था। लेकिन धीरे-धीरे मुँहजबानी तारीफ ने इसे एक ऐसा ब्लॉकबस्टर बना दिया, जो पाँच साल तक सिनेमाघरों में लगातार चली।

50 साल बाद भी क्यों ज़िंदा है 'शोले'?

- दमदार कहानी
- यादगार किरदार
- बेहतरीन संवाद
- तकनीकी उत्कृष्टता
- भारतीय भावनाओं से जुड़ाव

यही कारण है कि 'शोले' आज भी न सिर्फ एक फिल्म है, बल्कि एक सांस्कृतिक विरासत है।

–दिलिप
हैदराबाद

SAJID NADIADWALA'S
BAAGHI 4
DIRECTED BY A. HARSHA

बागी 4 से सामने आया हरनाज़ संधू का धांसू पोस्टर – दिखा सबसे खतरनाक अंदाज़

मिस यूनिवर्स 2021 का ताज पहनकर दुनिया जीतने वाली हरनाज़ संधू अब बड़े परदे पर जीत का झंडा गाड़ने को तैयार हैं – और इस बार, हाथ में ताज नहीं, हथियार है! साजिद नाडियाडवाला के नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले, और निर्देशक ए. हर्षा की अगुवाई में, वो कर रही हैं अपना बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू बागी 4 में। कल रिलीज़ हुआ टीज़र इंटरनेट पर तूफ़ान मचा रहा है – फैंस हरनाज़ के धांसू एक्शन सीन देखकर दंग रह गए। डेब्यू के लिए ऐसा जबरदस्त और अनोखा चुनाव शायद ही किसी ने किया हो। जहां एक तरफ़ वो ताज और सजीले अंदाज़ से दुनिया को मोहित कर चुकी हैं, वहीं अब वो हथियार थामे जंग के मैदान में उतरने को तैयार हैं।

नए पोस्टर में हरनाज़ काले स्लिट गाउन में, हाथ में भारीभरकम बंदूक थामे, कैमरे में घातक नज़रों से देखती हुई – ख़तरा, हुस्न और पावर का ऐसा कॉम्बो जिसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ताज से तबाही तक – उसकी नज़रें सिर्फ़ मोहती नहीं, जीत लेती हैं टीज़र पर मिले प्यार के लिए शुक्रिया। कहानी, पटकथा और निर्माण साजिद नाडियाडवाला (नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट), निर्देशन ए. हर्षा, और स्टारकास्ट टाइगर श्रॉफ, हरनाज़ संधू, संजय दत्त। बागी 4 में मिलेगा हड्डी-तोड़ एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और खून-पसीने से लथपथ फाइनल शो डाउन। 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही बागी 4 के टीज़र ने पहले ही ट्रेंड पकड़ लिया है, और हरनाज़ का यह खतरनाक अवतार इंटरनेट पर आग लगा रहा है। उनका ये डेब्यू शायद बॉलीवुड इतिहास की सबसे चर्चित एंट्रीज़ में से एक बन जाए।

अनीता हसनंदानी ने दोस्त ऐश्वर्या खरे का लिया पक्ष, कहा– मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी

अभिनेत्री अनीता हसनंदानी इन दिनों रियलिटी शो 'छोरियां चाली गांव' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो में अभिनेत्री ने दोस्ती की मिसाल पेश की। हालिया एपिसोड में अनीता ने अपनी करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे की गैरमौजूदगी में उनका पक्ष लेते हुए कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी।

शो के नए एपिसोड में एरिका पैकर्ड ने अपनी सबसे करीबी दोस्त ऐश्वर्या खरे को ही बाहर करने का फैसला लिया। यह फैसला सभी के लिए चौंकाने वाला था, खासकर अनीता के लिए, क्योंकि दो एपिसोड पहले ही एरिका ने ऐश्वर्या को अपनी 'सब कुछ' बताया था। खास बात यह है कि जब एरिका ने यह फैसला तब सुनाया, जब ऐश्वर्या वहां मौजूद नहीं थीं। अनीता ने अपनी दोस्त की अनुपस्थिति में उनका पक्ष लिया और कहा, मैं अपनी दोस्त के लिए लड़ूंगी। अनीता का मानना है कि अगर ऐश्वर्या वहां होतीं, तो वह खुद अपनी बात रखतीं। अनीता के अलावा शो के होस्ट रणविजय ने भी ऐश्वर्या का समर्थन किया।इसके बाद ऐश्वर्या को अपने नामांकन के बारे में पता चला, जिस पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह जगह हर तरफ से आपकी परीक्षा लेती है। बता दें, लेटेस्ट एपिसोड में वोटिंग राउंड के दौरान ऐश्वर्या ने एरिका का नाम लिया था ताकि वो 'बसेरा' की मालकिन बन सकें।

ऐश्वर्या ने कहा, हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे, एक-दूसरे का साथ देते थे। ये सब तो बस एक खेल का हिस्सा है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा कुछ हो जाएगा। जब नोमिनेशन में एरिका ने मेरा नाम लिया, तो मुझे ये सब बदला लगा। उसके पास और भी नाम थे, लेकिन उसने फिर भी मेरा नाम चुना, जिससे पता चलता।

इस बीच, एरिका ने भी अपने फैसले को सही ठहराते हुए कहा, यह गेम की एक रणनीति थी और आगे बढ़ने के लिए जरूरी भी था।

सोहा अली खान ने बताए फिट रहने के राज, इन पुशअप्स से महिलाएं भी पा सकती हैं हेल्दी बॉडी

HAMMER STRENGTH

शाही परिवार से नाता रखने वाली अभिनेत्री सोहा अली खान फिटनेस के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर जिम में एक्सरसाइज करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह जिम में वॉल पुशअप्स, नी पुशअप, इंकलाइन पुशअप, वन नी पुशअप करती और मजाकिया अंदाज में लिप बाम लगाती नजर आ रही हैं। इसके साथ हीं वह लोगों को पुशअप के फायदे भी बताती दिख रही हैं।

बता दें, वॉल पुशअप एक शुरुआती-अनुकूल व्यायाम है, जो छाती, कंधे और बाहों की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। यह व्यायाम पारंपरिक पुशअप की तुलना में जोड़ों पर कम दबाव डालता है। वहीं, नी पुशअप उन लोगों के लिए बेहतर और आरामदायक है जो अभी वर्कआउट की शुरुआत कर रहे हैं या जिनके हाथों या कलाई में चोट है। नी पुशअप शरीर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों, जैसे छाती, कंधे और ट्राइसेप्स को मजबूत करने में मदद करता है।

इंकलाइन पुशअप एक बहुत ही प्रभावी एक्सरसाइज है जो छाती, कंधे और ट्राइसेप्स की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो अभी-अभी पुशअप करना शुरू कर रहे हैं, क्योंकि यह सामान्य पुशअप से थोड़ा आसान होता है। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, पुशअप सिर्फ लड़कों के लिए नहीं होते! अगर आप करना चाहते हैं, तो ऐसे शुरू करें- पहले घुटनों के बल पुशअप करें, फिर थोड़ा ऊपर उठकर (किसी मेज या बेंच पर) पुशअप करें और आखिर में पूरी तरह से जमीन पर पुशअप करें। पुशअप्स करने से आपके हाथ, कंधे, छाती और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। साथ ही, इससे आपकी हड्डियां भी मजबूत होती हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, 46 वर्षीय अभिनेत्री 2025 में ही रिलीज हुई हॉरर फिल्म 'छोरी 2' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने दासी मां का किरदार निभाया था। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2021 की थ्रिलर फिल्म 'छोरी' का सीक्वल थी। फिल्म में नुसरत भरुचा, गश्मीर महाजनी और सौरभ गोयल जैसे कलाकार भी थे। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और विक्रम मल्होत्रा द्वारा निर्मित यह फिल्म 11 अप्रैल 2025 को रिलीज हुई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काम पूरा होने पर आप रिलैक्स महसूस करेंगे. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, रिश्ते मजबूत होंगे.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कारोबार में व्यस्तता रहेगी. कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है.

मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. अविवाहित लोगों को रोमांस के अवसर मिल सकते हैं. यात्रा के भी योग हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा. राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. आज आप अपने परिवार के साथ आनंद और मौज–मस्ती युक्त समय बिताएंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है. अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. ऑफिस के कुछ खास काम निपटाने में आप सफल हो सकते हैं.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज माता–पिता अपने बच्चों के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान–पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. अपने गुरु को कुछ उपहार दें, आपकी सभी परेशानियां दूर होंगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

कारोबार बढ़ेगा. अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता है. दिन थकान भरा रहेगा. आराम करें नहीं तो परेशानी हो सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है जो भविष्य में लाभकारी होगा. अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. आप खुश और शांत रहेंगे.विवाह योग्य संतान का रिश्ता पक्का हो सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. विदेशी संस्थान से छात्रवृत्ति या प्रवेश संबंधी खबर की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को अच्छी खबर मिलेगी. सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. शाम को जीवनसाथी के साथ मूवी का प्लान बनायेंगे. इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. गणेश जी की आरती करें, लाभ के अवसर प्राप्त होंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नए सौदे आज न करें तो ही अच्छा है. पैसा भी रुक सकता है.

दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद–विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. सिर और पेट दर्द हो सकता है. भोजन में सावधानी रखें.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यद्यपि आपकी माँ की स्वास्थ्य–स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी अच्छे स्वास्थ्य में नहीं हो सकते हैं. किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं जो आपको खुश करेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन–देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय है. मित्रों की सलाह महत्वपूर्ण साबित होगी.

आज का पंचांग

दिनांक : 15 अगस्त 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 11:52 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 07:36 तक
योग : गण्ड प्रातः 10:16 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:00 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत स्मार्तानाम , भारतीय स्वतंत्रता दिवस 79 वां , पारसी नववर्ष आरंभ 1395 वां , गण्डमूल प्रातः 07:36 तक , भद्रा 12:59 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बीएसएफ दुनिया के सबसे बड़े सीमा रक्षक बलों में से एक: भजनलाल

बीकानेर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जवान अपने अदम्य शौर्य, साहस और बल से बर्फीली वादियों–तपते मरुस्थल सहित देश के हर कोने में दिन–रात मुस्तैदी से सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अनुशासित व देश सेवा में समर्पित दुनिया के सबसे बड़े सीमा रक्षक बलों में से एक है। वे हमारी सीमा पर तस्करी, घुसपैठ जैसे अपराधों को भी मुस्तैदी के साथ नाकाम कर रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राजस्थान सरकार बीएसएफ कार्मिकों व उनके परिवारजनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा 79वें स्वतंत्रता दिवस से पूर्व बीकानेर में खाजूवाला के कोडेवाला आउट पोस्ट (सीमा चौकी) पर बीएसएफ के जवानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ जवानों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीएसएफ जाबांजों के बीच आकर उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता व गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल 1 दिसंबर 1965 को अपनी स्थापना से ही भारत–पाकिस्तान व भारत–बांग्लादेश की दुर्गम सीमाओं की सुरक्षा कर रहा है। बीएसएफ ने 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के समय अद्भुत कार्य किया। उन्होंने जवानों को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने के लिए बधाई दी।

शर्मा ने कहा कि बीएसएफ का स्थानीय लोगों, संस्थाओं तथा प्रशासन के साथ तालमेल बना रहता है तथा वे सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। बीएसएफ जवान युवाओं में नशे के दुष्प्रभाव, कुरीतियों के प्रति जागरूकता, विभागीय भर्तियों के लिए प्रोत्साहित करने जैसे कार्यक्रमों से सीमावर्ती आबादी को लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने हाल ही में मरुभूमि में साढ़े छह लाख पौधे लगाकर पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सामाजिक सरोकार की दिशा में देशभर में स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ–बेटी पढाओ अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान संचालित किए गए। उसी से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान शुरू किया गया है, जिसमें इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था जिसमें से 9 करोड़ 12 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने अर्द्ध सैनिक बलों के आधुनिकीकरण की दिशा में उठाए ठोस कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेना के साथ ही अर्द्ध सैनिक बलों के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। जिससे आज हम रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को काफी मजबूत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे मजबूत सेनाओं में से एक भारतीय सेना है। सीमा सुरक्षा बल में पुरुष जवानों के साथ ही महिला जवान भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ काम कर रही हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने कोडेवाला पोस्ट का दौरा किया एवं दूरबीन से सीमा का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने पोस्ट पर एंटी ड्रोन सिस्टम तथा रक्षा उपकरणों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए फल वितरित किए। मुख्यमंत्री को महिला प्रहरियों ने रक्षा सूत्र भी बांधे।

सत्ता लोलुप कांग्रेस ने किया देश का बंटवारा – सीएम भजनलाल

बीकानेर, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सत्ता के लालच में कांग्रेस ने तुष्टिकरण के आधार पर देश का बंटवारा किया। कांग्रेस के राजनैतिक स्वार्थ के चलते हुए बंटवारे के दौरान देश में बड़ा नरसंहार हुआ और लाखों लोग मारे गए। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज के दिन को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मना रही है, ताकि हम देश विरोधी ताकतों को कुचलने तथा देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने के संकल्प को अधिक मजबूत कर सकें।

शर्मा गुरूवार को बीकानेर के नाल में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस देश पर कई विदेशी ताकतों ने आक्रमण किया, लेकिन मां भारती के सपूतों ने कभी हार नहीं मानी और लंबी लड़ाई लड़कर देश को आजाद कराया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे महापुरूष देश का बंटवारा नहीं चाहते थें, लेकिन कांग्रेस ने राजनैतिक महत्वाकांक्षा के चलते धर्म के आधार पर देश का बंटवारा किया। करोड़ों लोगों के घर उजड़ गए और वे अपने ही घर में शरणार्थी बन गए। उनका घर, परिवार, मकान, दुकान सब चला गया। देश के लिए विभाजन विभीषिका नहीं भूलने वाली दंश बन गई।

भजनलाल शर्मा ने जोधपुर में एट होम में की शिरकत 14 पुलिस कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान किए

जोधपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)।

79वें स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में गुरुवार को जोधपुर के मेहरानगढ़ किले में एट होम कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान शर्मा ने 14 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस पदक तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 5 लोगों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर आधारित ड्रोन शो का अवलोकन किया। मेहरानगढ़ दुर्ग से इस शो में लगभग 550 ड्रोन ने आसमान में भारतीय सेना की शौर्य गाथा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस अद्वितीय दृश्य को शहर के प्रमुख स्थलों पर स्पीकर और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से आमजन के लिए भी प्रसारित किया गया, जिसका साक्षी पूरा जोधपुर बना। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग राज्य मंत्री के. के. विश्नोई, राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक देवेंद्र जोशी, बाबू सिंह राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, उच्चाधिकारीगण, गणमान्य लोग व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय कृषि मंत्री की अध्यक्षता में सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों की वीसी के माध्यम से बैठक

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ यूरीया की उपलब्धता, विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी, प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना और राष्ट्रीय खाद्यय तेल–तिलहन मिशन के तहत वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा द्वारा आदान विनिर्माताओं, विक्रेताओं, जमाखोर एवं मिलावट करने वालों के खिलाफ गुणनियंत्रण अभियान चलाकर जो कार्यवाही की उसके लिए बधाई दी।

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार कृषकों एवं पशुपालकों के हितों के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। किसानों के हितों के साथ किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जायेगा। कृषक कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 व 16 सितंबर को केंद्र सरकार द्वारा रबी कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रबी फसल की बुआई की रूप रेखा तैयार की जायेगी। इस कांफ्रेस में सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों को भी आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि रबी फसलों के लिए खाद का आंकलन कर उर्वरकों की डिमांड समय पर केंद्र सरकार को भिजवाई जाये, जिससे उर्वरक मंत्रालय समय पर सप्लाई पूरी कर सके। यूरीया का गैर कृषि कार्यों, कालाबाजारी करने वालों, अमानक पेस्टिसाइड, अमानक उर्वरक निर्माताओं और विक्रेतों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने टैगिंग करने वाले आदान निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा। विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी फसल 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलाया जायेगा, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा गांव–गांव जाकर कृषकों को फसलों की जानकारी दी जायेगी। जिससे हमारे कृषकों के उत्पादन में वृद्धि होगी और देश का कृषक आर्थिक स्थिति से मजबूत हो सकेगा।

खुले में विचरण कर रहे निराश्रित गौवंश को गौशालाओं में स्थानांतरित करने के लिए राज्य सरकार ने जिला कलेक्टर्स को दिए निर्देश

जयपुर, 14 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर खुले में विचरण कर रहे निराश्रित पशुधन के कारण दुर्घटनाओं की बढ़ती संभावना को देखते हुए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्य के सभी जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर इसका समाधान करने के निर्देश प्रदान किए हैं। इन दुर्घटनाओं को रोकने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर्स को निर्देश प्रदान किए गए हैं कि निराश्रित एवं खुले में विचरण करने वाले गौवंश को यथा शीघ्र चिन्हित कर स्थानीय गौशालाओं, नंदीशालाओं, अस्थायी पशु आश्रय स्थलों अथवा पशु पुनर्वास केंद्रों में स्थानांतरित किया जाए। इन निराश्रित गौवंशों की समस्या के समाधान के लिए स्वायत्त शासन विभाग, पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पशुपालन एवं गोपालन विभाग, जिला प्रशासन तथा पुलिस/यातायात विभाग की भूमिका सुनिश्चित की गई है तथा सभी विभागों से अपेक्षा की गई है कि वे आपसी समन्वय के साथ काम करें।

स्वायत्त शासन विभाग को राजस्थान नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त अधिकारों का उपयोग करते हुए गौवंश को कांजी हाउस और गौशालाओं में भिजवाने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही उन्हें निर्देशित किया गया है कि नगरीय क्षेत्र को गौवंश मुक्त क्षेत्र बनाया जाए और कचरा निस्तारण की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए जिससे निराश्रित गौवंश भोजन की अपेक्षा में इन स्थानों पर विचरण न करें। गौशालाओं तथा निजी स्वामित्व वाले गौवंश, सार्वजनिक स्थलों पर पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही करने और निर्धारित जुर्माना वसूलने के निर्देश भी स्वायत्त शासन विभाग को दिए गए हैं।

पंचायती राज विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे पंचायत राज अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही करें और स्थानीय समितियों का गठन कर गौवंश की निगरानी और नियोजन सुनिश्चित करें। साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को राजमार्गों के किनारे अवरोधक लगाने, चेतावनी बोर्ड लगाने, कैटल कैचर वाहन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राजमार्गों पर पशुजन्य हादसों की संभावना को कम करने के उद्देश्य से नियमित रूप से पेट्रोलिंग तथा निराश्रित गौवंश को निकटतम गौशाला में भिजवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

हरियाणा में इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहनों का प्रतिक्रिया समय और सुधरेगा, डीजीपी ने दिए दिशा–निर्देश

चंडीगढ़, 14 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर ने इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल (ईआरवी) की कार्यक्षमता और प्रदर्शन में सुधार के लिए एक उच्च–स्तरीय बैठक की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आपातकालीन स्थिति में जनता को तेज और भरोसेमंद सेवा देना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीजीपी कपूर ने कहा कि ईआरवी पुलिस की पहली प्रतिक्रिया का चेहरा हैं। उन्होंने अधिकारियों को प्रतिक्रिया समय को और कम करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि देरी से की गई प्रतिक्रिया से न सिर्फ पुलिस की छवि खराब होती है, बल्कि पीड़ित की मदद में भी बाधा आती है।बैठक में हरियाणा 112 टीम ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें बताया गया कि एक डैशबोर्ड और डेटा विश्लेषण प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक ईआरवी की लोकेशन, गति और प्रतिक्रिया समय को रियल–टाइम में ट्रैक किया जा रहा है। इस डेटा से वाहनों की कार्यक्षमता का विश्लेषण किया जाता है और सुधार के क्षेत्रों की पहचान की जाती है।

डीजीपी ने बताया कि ईआरवी पर तैनात स्टाफ के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें उन्हें एसओपी और प्राथमिक उपचार के बारे में बताया गया है।

छात्रसंघ चुनाव न कराने पर सरकार ने विश्वविद्यालयों को ठहराया जिम्मेदार : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 14 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने लोकसभा में पिछले एक दशक से विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव न कराने पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता के बावजूद चुनाव क्यों नहीं कराए जा रहे हैं और लिंगदोह समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है। इस सवाल के जवाब में, शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने चुनाव न कराने और सिफारिशों को लागू करने की जिम्मेदारी संबंधित विश्वविद्यालयों पर डाल दी। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में केंद्रीय स्तर पर कोई आँकड़े नहीं रखे जाते हैं।

दीपेंद्र हुड्डा ने सरकार के इस जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह भाजपा सरकार की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हरियाणा में लगातार विरोध प्रदर्शनों के बावजूद छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं, जबकि छात्र लगातार अपनी मांगों को उठा रहे हैं। हुड्डा ने सवाल किया, जब देश की राजधानी में छात्रसंघ चुनाव हो सकते हैं, तो हरियाणा के विश्वविद्यालयों में क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि छात्रसंघ चुनाव युवाओं में नेतृत्व क्षमता और लोकतांत्रिक संस्कृति के विकास का प्रमुख आधार हैं।

नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद जिले को 29 विकास परियोजनाओं की दी सौगात

फरीदाबाद, 14 अगस्त (एजेंसियां)। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज फरीदाबाद जिले में 564 करोड़ 27 लाख रुपये की लागत से 29 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 61 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत वाली 7 परियोजनाओं का उद्घाटन और 433 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत वाली 22 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बदोली में 3 करोड़ 24 लाख रुपये, राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एन.आई.टी.–1 में 3 करोड़ 14 लाख रुपये और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तिगांव में 3 करोड़ 96 लाख रुपये की लागत से नए भवनों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय सेक्टर–23, बल्लभगढ़ में एक करोड़ रुपये व राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर–22, बल्लभगढ़ में 4 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से बने भवनों का उद्घाटन किया।

नायब सिंह सैनी ने ग्रामीण कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए गांव महावतपुर (भास्कोला) में यमुना नदी पर 3 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से बने पेंटून ब्रिज और खेड़ी गुजरां में 42 करोड़ 28 लाख रुपये की लागत से 66 केवी सब–स्टेशन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सागरपुर बल्लभगढ़ में 3 करोड़ 31 लाख रुपये, खेड़ी कलां, फरीदाबाद में 3 करोड़ 10 लाख रुपये और सेक्टर–7 व 8, बल्लभगढ़ में 1 करोड़ 1 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए स्कूल भवनों का शिलान्यास किया। प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार हेतु बड़खल में 31 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से बनने वाले एस.डी.ओ. सिविल कॉम्प्लेक्स का भी मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में, बी.के. अस्पताल फरीदाबाद में 161 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल एवं सर्विस ब्लॉक और अटल बिहारी वाजपेयी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, छायंसा में 21 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से बनाए जाने वाले क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने खेल एवं आधारभूत संरचना विकास के तहत गांव बुखारपुर में 7 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से बनने वाले स्टेडियम की आधारशिला रखी। बल्लभगढ़–पाली–धौज–सोहना रोड पर 69 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से बनाए जाने वाले आरओबी व गांव अटाली से सेक्टर 25, फरीदाबाद तक 77 करोड़ रुपये की लागत वाली पेयजल परियोजना का भी मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया। पृथला, तिगांव, मोहना, अटाली, बल्लभगढ़, बदशाहपुर, दलेलपुर, सरूपपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों में 17 से अधिक सड़कों के निर्माण, सुधार एवं विशेष मरम्मत कार्य के लिए 55 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने शिलान्यास किया।

बिहार के बच्चों को पढ़ाएंगे देश–विदेश के शिक्षक

नीतीश सरकार के साथ शैक्षणिक संस्थाओं का हुआ समझौता

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने राज्य के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं गैर–सरकारी संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार और अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ के साथ शिक्षा विभाग के कई वरीय पदाधिकारी भी मौजूद थे।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि राज्य के कुल बजट का 20% से अधिक शिक्षा पर व्यय हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और यह स्पष्ट करता है कि हमारी सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। यह साझेदारी न केवल शिक्षा तंत्र में नवाचार और तकनीक का संचार करेगी, बल्कि विद्यार्थियों के लिए अवसरों के नए द्वार भी खोलेगी। आज के इस समझौता ज्ञापन कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के तीनों स्तरों के कार्यों के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए जा रहे हैं। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि बिहार सरकार की साइकिल योजना ने विशेष रूप से बालिकाओं के बीच शिक्षा की पहुँच को उल्लेखनीय रूप से विस्तारित किया है, जिससे राज्य की शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

इस पहल की सफलता को देखते हुए अन्य देशों ने भी इसका अध्ययन कर अपने यहाँ लागू किया है।

उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि प्रत्येक समझौता ज्ञापन का प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे, और इसके लिए नियमित मॉनिटरिंग एवं परिणाम–आधारित मूल्यांकन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

इस मौके पर मौजूद शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने कहा कि बिहार में देश के सबसे अधिक छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। उन्हें प्रतिस्पर्धी माहौल में आगे बढ़ने हेतु गुणवत्तापूर्ण संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

इन संगठनों का सहयोग इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। बिहार सरकार द्वारा शिक्षा में सुधार हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ हो रही है। इन प्रयासों को और अधिक गति देने के लिए गैर–सरकारी एवं परोपकारी संगठनों की क्षमता, अनुभव और संसाधनों को राज्य के सतत प्रयासों के साथ एकीकृत कर शिक्षा की गुणवत्ता, नवाचार और प्रभावशीलता को अभूतपूर्व स्तर तक पहुँचाया जा सकता है।

कचरा बनेगा सोना, पटना में 13 शहरों का कचरा देगा बिजली, गैस और खाद

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना की गंदगी और दुर्गंध से जल्द ही छुटकारा मिलने वाला है। बिहार सरकार ने पटना समेत आसपास के 13 नगर निकायों में ठोस कचरा प्रबंधन की बड़ी परियोजना को मंजूरी दे दी है।

यह प्रोजेक्ट लोक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में 514.59 करोड़ रुपये की लागत से लागू होगा। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, पटना, दानापुर, फतुहा, खगौल, फुलवारीशरीफ, संपतचक, मनेर, मसौढ़ी, बिहटा, बख्तियारपुर, नौबतपुर, पुनपुन और खुसरूपुर का कचरा एकत्र कर रामचक बैरिया में वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने पहली बार किसी राज्य को सामाजिक आधारभूत परियोजना के तहत ठोस कचरा प्रबंधन के लिए वीएबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) देने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत बिहार को 154.38 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। यदि 30 प्रतिशत से अधिक वीजीएफ की आवश्यकता होगी, तो अतिरिक्त राशि राज्य सरकार अपने रिंगफेंस खाते से देगी।

रामचक बैरिया में लगने वाले संयंत्र में प्रतिदिन 1600 टन कचरे की प्रोसेसिंग होगी। इससे 15 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा, जो राजधानी की जरूरतों को पूरा करेगा। यह संयंत्र प्रतिदिन 100 टन बायो–मिथेनेशन करेगा, जिससे बायोगैस तैयार होगी और घरों तक पहुंचाई जाएगी। साथ ही खेतों के लिए जैविक खाद भी बनाई जाएगी। सरकार का कहना है कि यह परियोजना न केवल पटना और आसपास के इलाकों को साफ–सुथरा बनाएगी, बल्कि कचरे से आय का नया स्रोत भी खोलेगी।

घात लगाए बैठे तीन युवकों ने नाबालिग के साथ किया गंदा काम

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के मधुबनी में एक बार फिर जिले में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है। यह मामला सकरी थाना क्षेत्र के एक गांव का ह। आरोपियों ने बीते मंगलवार को यह शर्मनाक अपराध किया है। नाबालिग लड़की शौच करने के लिए घर से बाहर निकली हुई थी, उसी समय पहले से घात लगाए तीन युवक ने बारी बारी से लड़की को सुनसान जगह पर ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। बता दें, जिले में इस तरह के पहले भी मामले देखने को मिल चुके हैं।

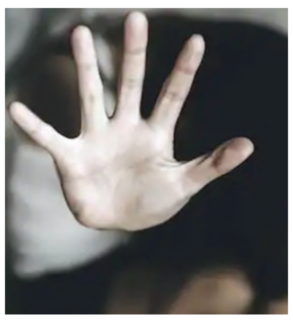

नाबालिग लड़की के एक रिश्तेदार ने नाबालिग लड़की को संदिग्ध स्थिति में देख शोर मचाना शुरू किया। शोर मचाने पर दुष्कर्मी मौके से फरार हो गया। लड़की घर आकर अपने परिजनों को घटना की आपबीती सुनाई। चकरी थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है पुलिस से। आवेदन प्राप्त होने के बाद सकरी थाना पुलिस कार्रवाई में जुटी है। घटना स्थल पर पहुंच साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है।

सकरी थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया एक नाबालिग लड़की के दुष्कर्म करने का मामला आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है। फोरेंसिक टीम बुलाई गई। पुलिस लड़की से पूछताछ करने के बाद चिकित्सा जांच के लिए सदर अस्पताल मधुबनी भेजी पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। अब देखना है पुलिस कब से दुष्कर्म आरोपी की गिरफ्तारी कर पाती है।

सीबीआई को मिली बादल हत्याकांड की कमान, प्राथमिकी दर्जकर जांच शुरू

पटना (एजेंसियां)।

पटना हाईकोर्ट के आदेश पर जिले के चर्चित बादल हत्याकांड की जांच अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी गई है। मामले में सीबीआई ने बीते 12 अगस्त को बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच प्रारंभ कर दी है। इस मामले में पुलिस की ओर से दो और पीड़ित परिवार की ओर से एक प्राथमिकी दर्ज कराया गया था।

वहीं, इससे पूर्व बादल हत्याकांड की कमान सीआईडी को भी सौंपी गई थी, लेकिन हत्या के लगभग 8 महीने बाद भी एजेंसी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी।

बता दें कि राणा ओमप्रकाश उर्फ बादल की हत्या का आरोप तत्कालीन यातायात डीएसपी आदिल बिलाल पर लगाया गया है। आरोप है कि शहर के करगहर मोड़ स्थित एक निजी अहाते में बीते 27 दिसंबर 2024 की रात बादल अपने दोस्तों के साथ बर्थडे पार्टी कर रहा था, तभी यातायात डीएसपी आदिल बिलाल अपने अंगरक्षकों के साथ वहां पहुंचे और युवकों के साथ झड़प में उन्होंने बादल के ऊपर गोली चला दी। जिससे बादल की घटना स्थल पर हीं मौत हो गई और इस घटना में अन्य दो लोग भी घायल हो गए।

मामले में पुलिस ने बर्थडे पार्टी कर रहे युवकों पर झड़प के दौरान सर्विस रिवॉल्वर छीनने का आरोप लगाया है।

पुलिस के अनुसार, जब डीएसपी आदिल बिलाल अपने अंगरक्षकों के साथ वहां पहुंचे तो युवकों ने उनके ऊपर हमला कर सर्विस रिवॉल्वर छीनने का प्रयास किया। इस क्रम में गोली चल गई और बादल को गोली लगते हीं युवक उग्र हो गए, इसके बाद डीएसपी एवं उनके अंगरक्षकों ने अपने बचाव में हवाई फायरिंग की।

बिहार सरकार के एक वरीय पुलिस अधिकारी पर लगे हत्या के आरोप से इस घटना ने खूब सुर्खियां बटोरी।

घटना के बाद एक तरफ जहां गोली कांड के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रदर्शन हुये, वहीं दूसरी ओर पक्ष विपक्ष के कई नेताओं ने भी पीड़ित परिवार से मिलकर न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। वहीं, बिहार में अफसरशाही को लेकर लगातार हमलावर रही विपक्षी पार्टियों ने भी इस घटना को खूब भुनाया। अब यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है, तो एक बार फिर पीड़ित परिवार समेत आम लोगों में न्याय की आस जग गई है।

राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर सियासत तेज, कांग्रेस की बैठक

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनाव होने में अभी काफी वक्त है, लेकिन विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने अपनी चुनावी यात्राएं शुरू कर दी है। इसी क्रम में राहुल गांधी भी बिहार के रोहतास जिले से वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं, जिसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। राहुल गांधी सासाराम से आगामी 17 अगस्त को अपनी पदयात्रा की शुरुआत करेंगे।

आगामी 17 अगस्त से राहुल गांधी की शुरू होने वाली पदयात्रा को लेकर बुधवार को जिला मुख्यालय सासाराम के एक निजी भवन में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु की अध्यक्षता में एक बैठक की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ–साथ पड़ोसी राज्यों के भी शीर्ष नेता शामिल हुए तथा इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ संगठन की मजबूती एवं राहुल गांधी की चुनावी यात्रा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

वहीं, पत्रकारों से बातचीत के दौरान बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि बिहार का अगला सीएम जनता तय करेगी। बिहार में मुख्यमंत्री बनाने का अधिकार यहां की जनता को है और आने वाले चुनाव में बिहार की जनता एवं चुने हुए विधायक तय करेंगे कि बिहार में अगला सीएम कौन होगा? हालांकि, सीएम के चेहरे के सवाल पर उन्होंने टालते हुए कहा कि यह सवाल आप बिहार की जनता से पूछिए। आपको जनता जवाब देगी कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा?

कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि राहुल गांधी देश में वोट को मजबूत करने निकले हैं। वह भारत के संविधान, लोकतंत्र और मतदाताओं को मजबूत करने बिहार आ रहे हैं। राहुल गांधी बिहार और भारत के भविष्य को मजबूत करने के लिए वोटर अधिकार यात्रा पर निकल रहे हैं। वे जनता की अदालत में पहुंचेंगे तथा लोगों को बताएंगे कि भारत के संविधान को अगर मजबूत करना है, तो यहां के मतदाता को मजबूत करना होगा।

अज्ञात वाहन ने वृद्ध को मारी टक्कर, मौके पर तोड़ा दम

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र के दुर्गावती बाजार के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर दक्षिणी लेन में एक अज्ञात वाहन ने वृद्ध को जोरदार टक्कर मार दी। वहीं, इस हादसे में वृद्ध की घटनास्थल पर हीं दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुबह की बताई गई है। मृतक अज्ञात वृद्ध की उम्र लगभग 65 वर्ष के आसपास की बताई जा रही है। इधर सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे थानाध्यक्ष गिरीश कुमार ने अज्ञात शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया।

घटना के संबंध में थाना अध्यक्ष गिरीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर दक्षिणी लेन में एक वृद्ध व्यक्ति को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वृद्ध व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के द्वारा ने शव को अपने कब्जे में लेने के बाद थाना लाया गया। जहां शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतक वृद्ध की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस पहचान करने मे जुट गई है। तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मरीज की मौत परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

मुंगेर (एजेंसियां)।

बिहार के मुंगेर जिले के सफियासराय थाना क्षेत्र के प्रेम टोला फरदा निवासी फोटो यादव के 30 वर्षीय पुत्र शंटू यादव की बुधवार देर रात सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। अस्पताल में घंटों तक हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा है। मरीजों और अस्पताल के स्टॉफ की भीड़ जुट गई। हालांकि, फिर समझाइश के बाद मामला किसी प्रकार शांत कराया गया।

मृतकों के परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर आशीष कुमार ने गलत इंजेक्शन दे दिया, जिससे शंटू की मौत हुई। पिता फोटो यादव के मुताबिक, शंटू आठ अगस्त को दिल्ली से मुंगेर आया था। 12 अगस्त को डायरिया की शिकायत पर उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां तेज बुखार भी हो गया। 13 अगस्त की शाम तबीयत और बिगड़ने पर उसे वार्ड से इमरजेंसी में लाया गया। जांच के बाद दवा और इंजेक्शन दिए गए, जिसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

डॉ. आशीष कुमार ने आरोप से इनकार करते हुए बताया कि मरीज को तेज बुखार के बाद जांच कराने को कहा गया था, जिसमें प्लेटलेट्स की संख्या मात्र 18 हजार पाई गई। परिजनों को प्लेटलेट्स चढ़ाने की सलाह दी गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और टाइगर मोबाइल टीम अस्पताल पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घटना के बाद से मृतक के परिजन का रो–रोकर बुरा हाल है और वे डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बिहार शराब तस्करी मामले में ईडी के चार राज्यों में छापे, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस–संदिग्ध रिकॉर्ड जब्त

पटना (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को बिहार में अवैध शराब तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने बिहार समेत चार राज्यों में कुल सात जगहों पर छापे मारे। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई अवैध शराब कारोबार से जुड़े मुख्य आरोपी सुनील भारद्वाज से संबंधित ठिकानों पर की गई।

सूत्रों के अनुसार, ईडी ने बिहार के मुजफ्फरपुर, हरियाणा के गुरुग्राम, अरुणाचल प्रदेश के नाहरलगुन और नामसाई के अलावा झारखंड की राजधानी रांची में कम से कम सात जगहों पर छापे मारे। इस दौरान कई दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और संदिग्ध लेनदेन के रिकॉर्ड जब्त किए हैं। ईडी ने कहा कि ताजा कार्रवाई में मिली नई जानकारियां इस नेटवर्क के और ठिकानों व लेनदेन के खुलासे में मदद करेंगी।

ईडी ने बताया कि सुनील भारद्वाज इस नेटवर्क का मुख्य सरगना है और उसके जरिए बड़े पैमाने पर अवैध शराब की आपूर्ति और मनी लॉन्ड्रिंग का जाल फैला हुआ है। इससे पहले ईडी ने इस केस से जुड़ी 9.31 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की थी। ईडी की यह कार्रवाई बिहार में लागू शराबबंदी कानून के बावजूद चल रहे बड़े अवैध शराब कारोबार और उससे जुड़े पैसों के हेरफेर पर लगाम लगाने की कोशिश का हिस्सा है।

एक अन्य मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्णा सैल और अन्य लोगों से जुड़े 15 ठिकानों पर छापे मारे। एजेंसी ने लौह अयस्क के अवैध निर्यात से जुड़े मनी लॉन्ड्रिग मामले में यह कार्रवाई की। सतीश पर लौह अयस्क के अवैध खनन और इसके निर्यात का आरोप है। वन विभाग ने लौह अयस्क की खेप बेलकेरी बंदरगाह पर जब्त की थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6,
दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com